MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 11 सितंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-251

मज़बूत

पुतिन-शी जिनपिंग करेंगे शिरकत

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)।
राजधानी दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बना दिया गया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के होटल आईटीसी मौर्या और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के होटल ताज में ठहरने की संभावना के चलते पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। दोनों राष्ट्राध्यक्षों के काफिले सबसे बड़े होंगे, जिसके लिए हवाई अड्डे से होटल और भारत मंडपम तक सुरक्षा व्यवस्था को हाई अलर्ट पर रखा गया है। पुतिन 11 सितंबर, जबकि शी जिनपिंग 12 सितंबर को दिल्ली पहुंचेंगे।

पुतिन के मौर्या होटल में ठहरने को देखते हुए वहां चार स्तर का सुरक्षा घेरा तैयार किया गया है। सबसे अंदर निकट सुरक्षा दल तैनात रहेगा, जो पुतिन की नजदीकी सुरक्षा संभालेगा और उनके साथ लगातार मौजूद रहेगा। दूसरे यानी आंतरिक सुरक्षा घेरे में दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी तैनात रहेंगे। तीसरे, मध्य सुरक्षा घेरे में दिल्ली पुलिस के कमांडो और अर्धसैनिक बलों के जवान सुरक्षा संभालेंगे। वहीं सबसे बाहरी यानी बाहरी सुरक्षा घेरे की जिम्मेदारी स्थानीय पुलिस के पास होगी। होटल के बाहर और आसपास के इलाके में भारी पुलिस बल तैनात रहेगा।

पुतिन के साथ रहेंगे 25 से 30 कमांडो

रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ उनकी अपनी सुरक्षा टीम भी हर वक्त मौजूद रहेगी। उनके साथ करीब 25 से 30 कमांडो और सुरक्षा अधिकारियों के रहने की संभावना है। राष्ट्रपति की आवाजाही के दौरान ये जवान नजदीकी सुरक्षा घेरा बनाए रखेंगे।

ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने वाले सभी राष्ट्राध्यक्ष जिन होटलों में ठहरेंगे, वहां सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। इन होटलों की सुरक्षा की समग्र निगरानी और कमान विशेष पुलिस आयुक्त, अपराध स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के हाथ में होगी। वहीं भारत मंडपम में दिल्ली पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था की कमान विशेष पुलिस आयुक्त, विशेष प्रकोष्ठ को दी गई है।

सुरक्षा में दिल्ली पुलिस, कमांडो और अर्धसैनिक बलों की तैनाती के साथ-साथ विदेशी मेहमानों के आने-जाने वाले मार्ग पर भी विशेष निगरानी रखी जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर तरीके से संभालने के लिए दिल्ली को अलग-अलग क्षेत्रों में बांटा गया है। प्रत्येक क्षेत्र की जिम्मेदारी पुलिस उपायुक्त या अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त स्तर के अधिकारी को दी गई है।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 11 सितंबर को दिल्ली पहुंचेंगे, जबकि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग 12 सितंबर को दिल्ली पहुंचेंगे। दोनों राष्ट्राध्यक्षों के पालम वायुसेना स्टेशन पर उतरने के बाद अपने-अपने निर्धारित होटलों में जाने की योजना है। दोनों देशों की विशेष सुरक्षा टीमें पहले ही दिल्ली पहुंच चुकी हैं और संबंधित होटलों में सुरक्षा व्यवस्था संभाल रही हैं। विदेशी सुरक्षा टीमों के पास आधुनिक हथियार और सुरक्षा उपकरण मौजूद हैं।

राष्ट्राध्यक्ष जिस मंजिल पर ठहरेंगे, वहां से लेकर होटल की छत और भूतल तक सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। चीनी राष्ट्रपति की सुरक्षा की जिम्मेदारी दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ को दी गई है। वहीं रूसी राष्ट्रपति के संभावित होटल में एक अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त और दो सहायक पुलिस आयुक्त अलग-अलग पालियों में तैनात किए गए हैं।

होटल कर्मचारियों का भी हुआ सत्यापन

सुरक्षा एजेंसियों ने संबंधित होटलों के कर्मचारियों का भी सत्यापन कराया है। कर्मचारियों के दिल्ली में मौजूद रिकॉर्ड के साथ-साथ उनके गृह राज्यों में भी जांच और सत्यापन कराया गया है। दिल्ली यातायात पुलिस ने विदेशी मेहमानों के भारत मंडपम आने-जाने के मार्ग अंतिम रूप दे दिए हैं। सुरक्षा व्यवस्था को परखने के लिए इन मार्गों पर कई बार पूर्वाभ्यास भी किया जा चुका है।

हवाई अड्डे से होटल और होटल से भारत मंडपम तक पूरे मार्ग पर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को हाई अलर्ट पर रखा गया है। पुतिन और शी जिनपिंग के काफिले सबसे बड़े मोटर काफिले में शामिल होने की संभावना है। ▶8पर

भारत मेज़बान – चीन,रूस मेहमान
12-13 को सजेगा कूटनीतिक महामंच

मोदी-पुतिन और मोदी-जिनपिंग की मुलाकात पर नजर

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)।
भारत में कूटनीति का महामंच सजने वाला है। 12 और 13 सितंबर को दिल्ली में होने जा रहे 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। सम्मेलन में शामिल होने आ रहे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 11 सितंबर को द्विपक्षीय वार्ता भी होनी है। सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी शामिल हो रहे हैं। चीन के विदेश मंत्रालय ने इसकी पुष्टि कर दी है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान भी शामिल हो रहे हैं।11 देशों के ब्रिक्स मंच के इस शिखर सम्मेलन पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हैं। इसका कारण यह है कि पश्चिम एशिया में युद्ध अभी जारी है और भारत के वार्ताकार इस ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के माध्यम से दुनिया के लिए एक सकारात्मक संदेश पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं।

भारत में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब का प्रतिनिधित्व पश्चिम एशिया के नजरिये से बेहद अहम हो सकता है। हाल में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन के सामने कहा था कि दुनिया को 'अंतहीन युद्ध से युद्ध की समाप्ति की ओर बढ़ना होगा। उधर, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान रूस और चीन के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों को भी और मजबूती मिल सकती है।

भारत की धरती पर हो रहा 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन दुनिया में सकारात्मक ऊर्जा फैलाने का मंच बनने वाला है। भारत की अध्यक्षता वाले सम्मेलन में मेजबान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी होंगे, तो चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन खास मेहमान बनेंगे। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान समेत 11 सदस्य देशों और 10 साझेदार देशों के सैकड़ों प्रतिनिधि ब्रिक्स के जरिये दुनिया की नई राह तय करने की कोशिश करने वाले हैं।

2025 में ब्रिक्स की अध्यक्षता हासिल करने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ▶8पर

हनुमान बने अंगद
अब मंदिर की रक्षा करेंगे लंगूर

उज्जैन, 10 सितंबर (एजेंसियां)।
उज्जैन के सती गेट के पास स्थित प्रसिद्ध खड़े हनुमान मंदिर इन दिनों लगातार चर्चा में है। मंदिर को हटाने की कार्रवाई से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यहां श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती जा रही है। इसी बीच मंदिर के पास अचानक कुछ लंगूर भी पहुंच गए हैं। मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के बीच लंगूरों की मौजूदगी भी चर्चा का विषय बनी हुई है।

खड़े हनुमान मंदिर की प्रतिमा को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह के वीडियो और रील वायरल हो रहे हैं। इनमें प्रतिमा के चमत्कारिक रूप से नहीं हटने की कहानियां भी प्रसारित की जा रही हैं। इंस्टाग्राम, यूट्यूब समेत कई मंचों पर प्रतिमा के जस की तस खड़े रहने के वीडियो तेजी से प्रसारित हो रहे हैं। इन वायरल वीडियो और रील का असर मंदिर में भी दिखाई दे रहा है। पिछले चार दिनों में करीब 8 हजार से ज्यादा श्रद्धालु मंदिर पहुंच चुके हैं। मध्य प्रदेश के अलावा गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान से भी लोग यहां दर्शन के लिए आ रहे हैं। ▶8पर

एफएएस की रिपोर्ट में दावा
भारत के पास 190 ऐटम बम

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)।
भारत के पास 190 परमाणु हथियार हैं। अगले कुछ वर्षों में भारत 35 और परमाणु हथियार बना सकता है। इस तरह इनकी संख्या 225 तक पहुंच सकती है। यह जानकारी अमेरिकी थिंक टैंक फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स (एफएएस) की नई रिपोर्ट में सामने आई है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत समुद्र से परमाणु हमला करने की क्षमता को भी लगातार मजबूत कर रहा है। परमाणु ऊर्जा से चलने वाली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियों के बेड़े के जरिए भारत समुद्र में अपना परमाणु कवच तैयार कर रहा है।

इन 190 परमाणु हथियारों में से 160 से अधिक मौजूदा मिसाइलों के लिए हैं, जबकि बाकी नई मिसाइलों के लिए तैयार रखे गए हैं। एफएएस का अनुमान है कि आने वाले समय में भारत के परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ सकती है।

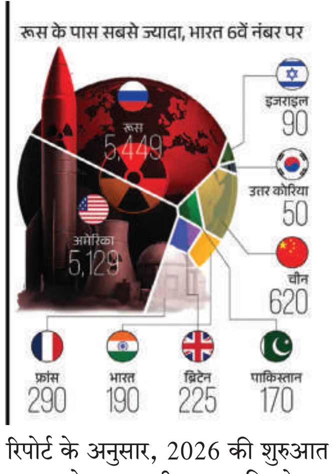

भारत के पास 730 किलो हथियार बनाने योग्य प्लूटोनियम था

भारत लगातार अपनी परमाणु ताकत को आधुनिक बना रहा है। पिछले कुछ वर्षों में कई नए परमाणु-सक्षम हथियार सेना में शामिल किए गए हैं। वहीं, कुछ नए हथियार तंत्र अभी तैयार किए जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 2026 की शुरुआत तक भारत के पास करीब 730 किलोग्राम हथियार बनाने योग्य प्लूटोनियम हासिल कर लेने का अनुमान है। इतनी मात्रा में प्लूटोनियम से 225 तक परमाणु आयुध बनाए जा सकते हैं। हालांकि, रिपोर्ट खुद स्पष्ट करती है कि यह केवल अनुमान है। वास्तविक संख्या परमाणु आयुध के डिजाइन और रिजर्व में रखी सामग्री पर निर्भर करती है।

रिपोर्ट में अग्नि-5 का भी जिक्र, एक मिसाइल से कई निशाने

एफएएस की रिपोर्ट में अग्नि-5 मिसाइल को और बेहतर बनाने का भी जिक्र है। कहा गया है कि इस मिसाइल में बहु-स्वतंत्र लक्ष्य पुनःप्रवेश वाहन (एमआईआरवी) तकनीक का परीक्षण किया गया है। इसका मतलब एक मिसाइल में कई ऐसे परमाणु आयुध ले जाने की क्षमता विकसित करना है, जिन्हें अलग-अलग लक्ष्यों की ओर भेजा जा सकता है।2024 के बाद मई 2026 में भी कई पेलोड के साथ इसका परीक्षण किया गया। एफएएस का अनुमान है कि अग्नि-5 संभवतः तीन परमाणु आयुध ले जा सकती है। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

भाजपा के सात मोर्चे
डी. पुरंदेश्वरी महिला प्रभारी

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)।
भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को अपने सात प्रमुख मोर्चों के प्रभारियों की घोषणा की। पार्टी ने युवा, महिला, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, किसान, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक मोर्चों की जिम्मेदारी वरिष्ठ नेताओं को सौंपी है। सात प्रभारियों में सबसे अधिक दो मध्य प्रदेश से हैं।

मोर्चा में डी. पुरंदेश्वरी सबसे उम्रदराज, गजेंद्र पटेल सबसे युवा

मोर्चा	नाम	उम्र
महिला	डी. पुरंदेश्वरी	67
OBC	बैजयंत पांडा	62
किसान	लाल सिंह आर्या	62
ST	सतीश पूनिया	61
SC	संजय भाटिया	59
युवा	हरीश द्विवेदी	52
अल्पसंख्यक	गजेंद्र पटेल	51

पार्टी के मुताबिक, हरीश द्विवेदी को युवा मोर्चा और डी. पुरंदेश्वरी को महिला मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है। वहीं, सतीश पूनिया को अनुसूचित जनजाति मोर्चे की जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा ने संजय भाटिया को अनुसूचित जाति मोर्चा और बैजयंत पांडा को अन्य पिछड़ा वर्ग मोर्चे का प्रभारी नियुक्त किया है। वहीं, लाल सिंह आर्या को किसान मोर्चा और गजेंद्र सिंह पटेल को अल्पसंख्यक मोर्चे का प्रभारी बनाया गया है। ये सभी प्रभारी संबंधित मोर्चों की कार्यकारिणी बनाने, प्रदेशों के प्रभारी तय करने और राज्यों में ▶8पर

मुर्दे का खाता साफ!
दिवंगत महिला के 29.83 लाख रुपये निकाले

मुंबई, 10 सितंबर (एजेंसियां)।
मुंबई में एक निजी बैंक की चौपाटी शाखा की पूर्व प्रबंधक और एक कर्मचारी को साइबर पुलिस ने कथित बैंक धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया है। आरोप है कि आरोपियों ने एक दिवंगत महिला ग्राहक के बैंक खाते से करीब 29.83 लाख रुपये की रकम निकाल ली। इसके लिए कथित तौर पर ग्राहक के पंजीकृत मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी को फर्जी ग्राहक अनुरोध पत्र के जरिए बदल दिया गया था। इस मामले में

केंद्रीय साइबर पुलिस ने पूर्व शाखा प्रमुख राहुल पंजवानी और बैंक कर्मचारी अभिषेक वर्मा को सोमवार को गिरफ्तार किया है। मामला उस समय सामने आया, जब बैंक को दिवंगत ग्राहक विमला पाटिल के खाते से जुड़े मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी में बिना अनुमति बदलाव किए जाने की शिकायत मिली। बैंक की आंतरिक जांच में पता चला कि जुलाई 2025 में ये बदलाव एक ग्राहक अनुरोध पत्र के जरिए किए गए थे। ▶8पर

ना तेल, ना ही खदान, फिर भी ताइवान सेमीकंडक्टर चिप निर्माण कर बना मजबूत

-चीन के साथ तनाव के बीच वैश्विक तकनीकी आपूर्ति श्रृंखला का बना है प्रमुख केंद्र

ताइपे

ताइवान ने तकनीक के क्षेत्र में ऐसी ताकत हासिल कर ली है, जिसके कारण आज पूरी दुनिया उसकी सेमीकंडक्टर चिप निर्माण क्षमता पर निर्भर है। स्मार्टफोन, कंप्यूटर, डेटा सेंटर से लेकर एआई आधारित अत्याधुनिक मशीनों तक में इस्तेमाल होने वाली चिप्स वैश्विक अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुकी हैं। इनमें अत्याधुनिक चिप्स के निर्माण में ताइवान की भूमिका बेहद अहम है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन के साथ लगातार तनाव और सुरक्षा चुनौतियों के बीच भी ताइवान वैश्विक तकनीकी आपूर्ति श्रृंखला का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। ताइवान की सफलता का आधार केवल चिप निर्माण नहीं, बल्कि इससे जुड़ा औद्योगिक तंत्र भी है। यहां चिप डिजाइन, निर्माण, पैकेजिंग और परीक्षण से लेकर जरुरी उपकरणों और अन्य घटकों की आपूर्ति तक का मजबूत नेटवर्क विकसित हो चुका है। अत्याधुनिक 3 नैनोमीटर और 2 नैनोमीटर तकनीक में भी ताइवान अहम स्थान रखता है। ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी यानी टीएसएमसी इस उद्योग की सबसे बड़ी कंपनियों में शामिल है। इसके अलावा मीडियाटेक, रियलटेक, यूएमसी और नान्या जैसी कंपनियां भी चिप डिजाइन और निर्माण में योगदान देती हैं।

ताइवान में करीब पांच दशक पहले उसकी अर्थव्यवस्था कम लागत वाले सामान की असेंबली और विनिर्माण पर काफी निर्भर थी। सरकार ने जल्द समझ लिया कि प्राकृतिक संसाधनों की कमी को तकनीकी दक्षता से पूरा किया जा सकता है। इसी सोच के तहत सेमीकंडक्टर उद्योग को रणनीतिक प्राथमिकता दी गई और शोध, प्रशिक्षण तथा उत्पादन सुविधाओं में लगातार निवेश किया। ताइवान के औद्योगिक प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान ने अमेरिकी कंपनी आरसीए से तकनीकी सहयोग हासिल किया। युवा ताइवानी इंजीनियरों को अमेरिका भेजकर चिप डिजाइन, निर्माण और परीक्षण का प्रशिक्षण दिलाया। ये विशेषज्ञ स्वदेश लौटे और उन्होंने स्थानीय स्तर पर सेमीकंडक्टर तकनीक विकसित करने में अहम भूमिका निभाई। शुरुआती उत्पादन सुविधाओं की सफलता के बाद सरकार का भरोसा और बढ़ा। इसके बाद शिनचू साइंस पार्क ने इस उद्योग को नई गति दी। यहां विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, कंपनियों और आपूर्तिकर्ताओं को एक साथ विकसित किया गया। अमेरिका की सिलिकान वैली में काम कर रहे कई ताइवानी विशेषज्ञ भी वापस लौटे। इससे तकनीकी प्रतिभा और उद्योग के बीच मजबूत संपर्क बना। साल 1987 में मारिस चांग ने टीएसएमसी की स्थापना कर इस माडल को नई दिशा दी। कंपनी ने अपना ब्रांड बनाने के बजाय दूसरी कंपनियों के लिए चिप निर्माण पर ध्यान दिया। इस माडल ने एप्पल, एनवीडिया और क्वालकाम जैसी कंपनियों को अपनी महंगी फैक्ट्रियां लगाए बिना अत्याधुनिक चिप्स बनवाने का भरोसेमंद विकल्प दिया।

न्यूज़ ब्रीफ

ट्रंप ने शुरु की मुफ्त की चुनावी रेवड़ियां, हर एक को देंगे 5000 डालर

वाशिंगटन। अमेरिका में भी आगामी मध्यावधि चुनावों से पहले राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने के लिए बड़े-बड़े वादों की झड़ी लगा रहे हैं। इसी कड़ी में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा चुनावी वादा किया। उन्होंने घोषणा की कि

यदि नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी कांग्रेस (संसद) पर अपना नियंत्रण बरकरार रखती है, तो वह हर जवान अमेरिकी नागरिक को 5,000 डालर का ट्रंप डिविडेंड देंगे। करीब 27 करोड़ अमेरिकी वयस्कों को यह रकम देने पर लगभग 1.35 ट्रिलियन डालर खर्च होने का अनुमान है। हालांकि, ट्रंप के इस प्रस्ताव को लागू करने का तरीका क्या होगा और क्या इस तरह का भुगतान कानूनी रूप से संभव है, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। ट्रंप ने यह घोषणा अपनी रिपब्लिकन पार्टी के पहले मिडटर्म कन्वेंशन में की। टेक्सास के डलास में हो रहे दो दिवसीय सम्मेलन में ट्रंप ने करीब एक घंटे 45 मिनट का जोरदार भाषण दिया। इस दौरान उन्होंने अपने राष्ट्रपति कार्यकाल के पहले दो वर्षों को राष्ट्रपति पद के इतिहास के सबसे महान दो साल बताया। उनका भाषण पूरी तरह चुनावी अंदाज में नजर आया और उन्होंने खुद को नवंबर में होने वाले चुनाव के केंद्र में रखा। ट्रंप ने रिपब्लिकन समर्थकों से अपील की कि अगर डेमोक्रेट्स को सत्ता मिलती है, तो देश को अगले दशक तक खुद को संभालने में लगाना पड़ेगा। उन्होंने लोगों से रिपब्लिकन उम्मीदवारों को वोट देने की अपील करते हुए कहा, मैं आपसे कह रहा हूं कि मान लीजिए कि मैं बैलेट पर हूं। हालांकि, ट्रंप की लोकप्रियता को लेकर स्थिति चुनौतीपूर्ण बताई जा रही है। जनमत सर्वेक्षणों में उनके अप्रूवल रेटिंग अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंचने की बात कही गई है।

जलवायु परिवर्तन से बाढ़ की तबाही का दावा, नेपाल ने मांगा 2 करोड़ डालर मुआवजा

काठमांडू। नेपाल ने जलवायु परिवर्तन के कारण रसुवा में आई विनाशकारी बाढ़ से हुए नुकसान के मुआवजे के तौर पर करीब 2 करोड़ अमेरिकी डालर की मांग की है। नेपाल ने पिछले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा के तहत गठित फंड फार रिस्पान्डिंग टू लास एंड डैमेज (हानि तथा नुकसान कोष) को इस संबंध में पत्र भेजा था। इस पत्र पर वित्त मंत्री डा. स्वर्णिम वाग्ले और पर्यावरण मंत्री गीता चौधरी ने हस्ताक्षर किए हैं। विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने एक पाडकास्ट में बताया कि नेपाल ने कोष से 2 करोड़ अमेरिकी डालर की राशि की मांग की है। एक पाडकास्ट इंटरव्यू में विदेश मंत्री खनाल ने कहा, फिलहाल हमने 20 मिलियन डालर के मुआवजे का दावा किया है। यह सिर्फ प्रारंभिक मांग है। आपदा के बाद नुकसान का विस्तृत आकलन कर हम पूरी स्थिति दुनिया के सामने रखेंगे।

बोको हराम के खिलाफ अभियान के लिए नाइजीरिया ने नियुक्त किया नया कमांडर

अबुजा। नाइजीरिया ने देश के पूर्वोत्तर हिस्से में बोको हराम और इस्लामिक स्टेट से जुड़े उसके धड़े आईएसडब्ल्यूएपी के खिलाफ सैन्य अभियान के लिए नए कमांडर की नियुक्ति की है। सेना के अनुसार, मेजर जनरल इबिकुनले अदेमोला अजोस अब आपरेशन हदीन काई की कमान संभालेंगे। उन्होंने मेजर जनरल अब्दुलसलाम अबुबकर का स्थान लिया है। अजोस इससे पहले अबुजा स्थित सेना मुख्यालय में तैनात थे। अबुबकर ने अप्रैल 2025 में आपरेशन हदीन काई के 15वें कमांडर के रूप में जिम्मेदारी संभाली थी। दो साल से भी कम समय में कमान में यह बदलाव ऐसे समय हुआ है, जब नाइजीरिया में आगामी जनवरी में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं और सुरक्षा व्यवस्था एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। बोको हराम और उसके अलग हुए संगठन इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस (आईएसडब्ल्यूएपी) का विद्रोह 2009 से जारी है। आर्म्ड कान्फ्लिक्ट लोकेशन एंड इवेंट डेटा प्रोजेक्ट (एसीएलईडी) के आंकड़ों के अनुसार, इस हिंसा में अब तक 40 हजार से अधिक लोगों की मौत हुई है और लाखों लोग विस्थापित हुए हैं।

रूस ने आर्कटिक से तेल निकालना किया शुरू पहली खेप लोडिंग को पुतिन ने दिखाई झंडी

2027 की दूसरी छमाही तक सालाना 3 करोड़ टन कच्चा तेल निकालने का लक्ष्य

मास्को

अमेरिका और यूरोपीय देशों के प्रतिबंधों के बावजूद रूस ने आर्कटिक इलाके में अपने बड़े वोस्तोक आयल प्रोजेक्ट से तेल निकालना शुरू कर दिया है। रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए पहली खेप की लोडिंग को हरी झंडी दिखाई। रूस का लक्ष्य 2027 की दूसरी छमाही तक इस प्रोजेक्ट से सालाना 3 करोड़ टन कच्चा तेल निकालना है। पुतिन का यह प्रोजेक्ट उत्तरी साइबेरिया के तैमिर इलाके में है। इसमें वानकोर व पायाखा समेत कई तेल इलाके जुड़े हैं। प्रोजेक्ट से जुड़ी वानकोरनेफ्ट कंपनी में चार भारतीय सरकारी कंपनियों की संयुक्त हिस्सेदारी 49.9फीसदी है। इनमें ओएनजीसी विदेश, इंडियन आयल, आयल इंडिया और भारत पेट्रो रिसोर्सेज शामिल हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस प्रोजेक्ट से निकला तेल 790 किमी लंबी पाइपलाइन से कारा सागर के बुख्ता सेवेर टर्मिनल तक पहुंचाया जाएगा। वहां तेल को टैंकरों में भरकर दूसरे देशों को भेजा जाएगा। कंपनी के मुताबिक इस इलाके में करीब 700 करोड़ टन तेल का भंडार हो सकता है। रूस से भारत आने वाले तेल के जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से होकर नहीं गुजरना पड़ेगा। इसलिए इस प्रोजेक्ट को भारत के लिए खाड़ी देशों से तेल का एक नया विकल्प माना जा रहा है। परियोजना से जुड़े हवाई परिवहन के लिए एयरपोर्ट भी बनाया जा रहा है। इसका रनवे 3,500 मीटर लंबा होगा। इस प्रोजेक्ट में अब तक करीब 4.4 लाख करोड़ रुपए का निवेश हो चुका है।

रिपोर्ट के मुताबिक वोस्तोक प्रोजेक्ट बर्फीले इलाके में है। अभी यहां 50 हजार से ज्यादा लोग काम कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट में 16,280 मशीनें और उपकरण लगाए गए हैं। वोस्तोक के तेल में सल्फर की मात्रा 0.01फीसदी से 0.1फीसदी है यानी प्रति किलो तेल में 0.1 से एक ग्राम। सल्फर की मात्रा कच्चे तेल की गुणवत्ता का अहम पैमाना है। पेट्रोल-डीजल बनाते समय इसे तय सीमा तक घटाना पड़ता है। कम सल्फर होने से इसे हटाने में खर्च घट सकता है। इसलिए रिफाइनरी के लिए यह फायदे का सौदा साबित हो सकता है।

अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ ने बताया कि यह प्रोजेक्ट संकट के समय भारत के लिए लाइफलाइन साबित होगा। वोस्तोक हमारी ऊर्जा सुरक्षा का सहारा बनेगा। यहां से आने वाले जहाजों को होर्मुज से नहीं गुजरना होगा। इसलिए खाड़ी में तनाव व अन्य संकट में यह भारत के लिए लाइफलाइन होगा। वोस्तोक का शुरुआती सालाना लक्ष्य 3 करोड़ टन है। यह भारत के 2024-25 के घरेलू कच्चा तेल उत्पादन से ज्यादा है। तब भारत ने 2.87 करोड़ टन तेल उत्पादन किया था। भारत-रूस में ज्यादातर ट्रेड स्थानीय मुद्राओं में होता है। इससे प्रतिबंधों का ज्यादा असर नहीं।

दुनिया में सबसे ज्यादा सैलरी उठाते हैं सिंगापुर के पीएम

सिंगापुर। यहां के मंत्रियों के वेतन में 15 साल बाद बढ़ोतरी की गई है। वे पहले ही दुनिया में सबसे अधिक वेतन पाने वाले अधिकारियों में शामिल हैं। प्रधानमंत्री लारेंस वोंग ने कहा कि अगर वेतन में बदलाव नहीं किया गया तो राजनीति में शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित करना मुश्किल होगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री की सैलरी में भी इजाफा हुआ है। पीएम वोंग ने संसद में कहा कि संशोधित वेतन ढांचे के तहत सबसे निचले स्तर के मंत्री का वार्षिक वेतन 11 लाख सिंगापुर डालर (करीब 8.68 लाख अमेरिकी डालर) से बढ़ाकर 18 लाख सिंगापुर डालर (करीब 14.2 लाख अमेरिकी डालर) किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए निर्धारित वेतन 22 लाख सिंगापुर डालर (करीब 17 लाख अमेरिकी डालर) से बढ़कर 36 लाख सिंगापुर डालर (करीब 28 लाख अमेरिकी डालर) हो जाएगा। इसके अलावा अन्य सांसदों के भत्तों में भी वृद्धि की जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सबसे निचले स्तर के अधिकतर मंत्री मौजूदा कार्यकाल के अंत तक करीब 13.5 लाख सिंगापुर डालर अर्जित कर सकेंगे। इसके बाद वेतन 18 लाख सिंगापुर डालर के मानक तक नहीं पहुंचेगा, बल्कि प्रदर्शन और जिम्मेदारियों के आधार पर तय किया जाएगा। वोंग ने यह नहीं बताया कि उनका नया वेतन कितना होगा। हालांकि, नौ प्रतिशत समायोजन के बाद उनका वेतन करीब 24 लाख सिंगापुर डालर (करीब 18.9 लाख अमेरिकी डालर) हो सकता है। उन्होंने कहा कि वह अगले पांच वर्षों तक वेतन वृद्धि की पूरी राशि दान कर देंगे।

सुपरमैसिव ब्लैक होल ने अचानक दिखाई जबरदस्त सक्रियता

वाशिंगटन

हाल ही में अंतरिक्ष में एक सुपरमैसिव ब्लैक होल ने अचानक जबरदस्त सक्रियता दिखाई है। अंतरिक्ष में करीब दो दशक से शांत दिखाई दे रहे इस ब्लैक होल में भयंकर विस्फोट होता दिखाई दिया। इससे खगोल वैज्ञानिक भी अचंभित है। नासा के स्विफ्ट एक्स-रे टेलीस्कोप से मिले करीब 20 साल के आंकड़ों के विश्लेषण में वैज्ञानिकों ने पर्सियस क्लस्टर के केंद्र में स्थित ब्लैक होल से अब तक का सबसे बड़ा एक्स-रे फ्लेयर दर्ज किया है। यह ब्लैक होल एनजीसी 1275 गैलेक्सी के केंद्र में मौजूद है, जो पर्सियस क्लस्टर की सबसे चमकीली आकाशगंगाओं में शामिल है। इस घटना के करीब 300 दिन बाद शक्तिशाली रेडियो उत्सर्जन भी दर्ज किया गया। यूनिवर्सिटी आफ मिशिगन की सारा केचम और उनकी टीम ने इस घटना का अध्ययन किया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह खोज ब्लैक होल की एक्रीशन डिस्क और उससे निकलने वाले जेट के बीच संबंध को समझने में महत्वपूर्ण जानकारी दे सकती है।

इस संबंध को खगोल वैज्ञानिक डिस्क-जेट कपलिंग कहते हैं। इससे यह समझने में मदद मिल सकती है कि ब्लैक होल अपने आसपास की गैस को किस तरह निगलते हैं और उनके जेट पूरी आकाशगंगा के विकास को किस तरह प्रभावित करते हैं। इस ब्लैक होल की निगरानी पहले चंद्रा एक्स-रे टेलीस्कोप से भी की गई थी, लेकिन तेजी से होने वाले बदलावों को पकड़ना मुश्किल था। इसके बाद वैज्ञानिकों ने नासा के स्विफ्ट टेलीस्कोप से लगातार उपलब्ध आंकड़ों का इस्तेमाल किया और करीब 20 वर्षों की एक्स-रे गतिविधियों का विश्लेषण किया। शोध को एस्ट्रोफिजिकल जर्नल लेटर्स में प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया है। वैज्ञानिकों के अनुसार फरवरी 2023 के आसपास शुरू हुए इस फ्लेयर के दौरान ब्लैक होल की एक्स-रे चमक लगभग दोगुनी हो गई। यह सक्रियता 60 दिनों से कम समय तक रही और इसमें कम से कम दो अलग-अलग तेज उभार दिखाई दिए।

इनमें प्रत्येक करीब पांच दिन तक चला। वैज्ञानिकों ने यह भी जांचा कि कहीं किसी तारे के ब्लैक होल के बेहद करीब पहुंचकर टूटने से यह घटना तो नहीं हुई। ऐसी घटना को टाइडल डिसरप्शन इवेंट कहा जाता है। हालांकि फ्लेयर की धीमी गति से घटती चमक को देखते हुए वैज्ञानिकों ने इस संभावना को काफी कम माना है। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि इस विस्फोट के पीछे ब्लैक होल की फीडिंग दर में बदलाव या उसके जेट में पैदा हुई किसी गड़बड़ी की भूमिका हो सकती है।

लक्स-जेपलिन प्रयोग से मिले संकेत ने बढ़ा दी वैज्ञानिकों की उम्मीदें

वाशिंगटन। अमेरिका की जमीन के करीब 1.5 किलोमीटर नीचे चल रहे लक्स-जेपलिन प्रयोग से मिले एक असामान्य संकेत ने वैज्ञानिकों की उम्मीद बढ़ा दी है। ब्रह्मांड का करीब 85 प्रतिशत हिस्सा ऐसे रहस्यमयी पदार्थ से बना माना जाता है, जिसे वैज्ञानिक सीधे देख नहीं पाए हैं। इसे डार्क मैटर कहा जाता है। हाल ही में शोधकर्ताओं ने ऐसा सिग्नल दर्ज किया है, जो डार्क मैटर के संभावित कणों की टक्कर से पैदा होने वाली चमक से मेल खाता है। हालांकि वैज्ञानिकों ने अभी इसे डार्क मैटर की पक्की खोज घोषित नहीं किया है। यह प्रयोग साउथ डकोटा स्थित सैनफोर्ड अंडरग्राउंड रिसर्च फैसिलिटी में चल रहा है। यहां करीब 10 टन शुद्ध तरल जेनान से भरा विशाल टैंक जमीन के नीचे स्थापित है। 16 जून 2023 को उपकरणों ने दो बेहद हल्की चमक दर्ज की। वैज्ञानिकों के मुताबिक इन संकेतों का स्वरूप उस प्रक्रिया से मेल खाता है, जिसकी उम्मीद डार्क मैटर के कणों के जेनान परमाणुओं से टकराने पर की जाती है। इस डेटा का लंबे समय तक विश्लेषण किया गया। वैज्ञानिक डार्क मैटर के संभावित कण के रूप में डब्ल्यूआईएमपी यानी वीकली इंटरैक्टिंग मैसिव पार्टिकल्स को प्रमुख उम्मीदवार मानते रहे हैं। माना जाता है कि ये कण सामान्य पदार्थ के साथ बेहद कमजोर तरीके से क्रिया करते हैं।

जानवरों की इंद्रियां इंसानों के मुकाबले होती है अधिक संवेदनशील

लंदन

अक्सर देखा जाता है कि किसी भी प्राकृतिक आपदा जैसे भूकंप, सुनामी या तूफान के आने से पहले जानवरों के व्यवहार में कुछ अलग और असामान्य बदलाव देखने को मिलते हैं। यह कोई अंधविश्वास नहीं, बल्कि जानवरों की असाधारण संवेदनशीलता का प्रमाण है। उनकी इंद्रियां इंसानों के मुकाबले कहीं अधिक विकसित और संवेदनशील होती हैं। जानवर प्रकृति में होने वाले छोटे से छोटे बदलाव, चाहे वह धरती में सूक्ष्म कंपन हो या वायुमंडलीय दबाव में मामूली परिवर्तन, को इंसानों की तुलना में कहीं पहले और सटीकता से महसूस कर लेते हैं। यही कारण था कि पुराने समय में लोग जानवरों की गतिविधियों और उनके असामान्य व्यवहार को देखकर ही आने वाली प्राकृतिक आपदाओं का अनुमान लगाते थे। आइए विस्तार से जानते हैं ऐसे कुछ खास जानवरों के बारे में जो प्रकृति में होने वाले बदलावों को सबसे पहले भांप लेते हैं। कुत्ते की सूंघने और सुनने की क्षमता अविश्वसनीय रूप से तेज होती है। वे धरती की सतह के नीचे होने वाले छोटे से कंपन को भी आसानी से महसूस कर लेते हैं, जिसे इंसानी कान या पैर नहीं भांप पाते।

भूकंप आने से पहले कई बार कुत्तों में अत्यधिक डर, बेचैनी, लगातार भौंकना, या अजीबोगरीब तरीके से भागने जैसी हरकतें देखी गई हैं। वे अपने मालिकों को खींचकर घर से बाहर ले जाने की कोशिश करते हैं या किसी सुरक्षित स्थान पर छिपने का प्रयास करते हैं, जो उनके अंदर आने वाली आपदा के आभास को दर्शाता है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि हाथी अपने विशालकाय पैरों और संवेदनशील तलवों की मदद से धरती में होने वाले सूक्ष्म कंपन को सबसे पहले महसूस कर लेते हैं। ये कंपन सैकड़ों मील दूर से भी उनकी तंत्रिकाओं तक पहुंच जाते हैं। कई ऐतिहासिक घटनाओं में सुनामी या बड़े भूकंप से ठीक पहले हाथियों को अपने झुंड के साथ सुरक्षित और ऊंचे स्थानों की ओर तेजी से जाते हुए देखा गया है, जो उनके अंदर की इस अद्भुत क्षमता का स्पष्ट प्रमाण है।

सांप, जो जमीन के नीचे या दरारों में रहते हैं, धरती में होने वाले कंपन के प्रति अत्यंत संवेदनशील होते हैं। वे अपने जबड़ों और पूरे शरीर की सहायता से भूगर्भीय गतिविधियों को भांप लेते हैं। भूकंप आने से पहले सांपों को अक्सर उनके बिलों से बाहर निकलते हुए देखा गया है, कई बार तो वे ठंडे मौसम में भी बाहर निकल आते हैं, जो उनकी सामान्य प्रवृत्ति के विपरीत होता है। यह दर्शाता है कि वे अपने प्राकृतिक आवास में खतरे को महसूस कर चुके होते हैं। पक्षी वायुमंडलीय दबाव में होने वाले बदलावों को बहुत जल्दी महसूस कर लेते हैं। तूफान या चक्रवात आने से पहले वायुमंडलीय दबाव में तेजी से गिरावट आती है, जिसका आभास पक्षियों को तुरंत हो जाता है।

नेपाल में बाढ़ पीड़ितों के लिए अस्थायी आवास का सर्वे शुरू, एक हफ्ते में रिपोर्ट आने की उम्मीद

काठमांडू

नेपाल में बाढ़ से विस्थापित लोगों के लिए सरकार ने अस्थायी आवास की जरूरत का आकलन शुरू कर दिया है। प्रभावित जिलों में हजारों लोग अभी भी आपातकालीन होल्डिंग सेंटरों में रह रहे हैं। सरकार यह पता लगाने के लिए सर्वे कर रही है कि वास्तव में कितने लोगों और परिवारों को अलग से अस्थायी आवास की जरूरत है।

शहरी विकास तथा भवन निर्माण विभाग के उपमहानिदेशक और बुनियादी ढांचा विकास मंत्रालय द्वारा गठित पुनर्वास एवं आश्रय प्रबंधन कार्यदल के संयोजक प्रकाश आर्याल के मुताबिक, होल्डिंग सेंटरों में रह रहा हर व्यक्ति अलग अस्थायी आवास का जरूरतमंद हो, ऐसा जरूरी नहीं है।

स्थानीय सरकार के माध्यम से यह सर्वे किया जा रहा है। इसके तहत अस्थायी आवास की जरूरत वाले लोगों और परिवारों की संख्या का विवरण जुटाया जा रहा है।

आर्याल ने कहा, होल्डिंग सेंटरों में रह रहे सभी लोगों को अस्थायी आवास की जरूरत हो, यह जरूरी नहीं है।

सरकार फार्म के जरिए आवश्यक जानकारी एकत्र कर रही है। इसके बाद सरकार उपयुक्त स्थानों की पहचान कर अस्थायी आवास का निर्माण शुरू करेगी। यह पूरी प्रक्रिया स्थानीय

सरकारों के समन्वय में आगे बढ़ाई जाएगी। नुवाकोट के गल्छी और बिदुर सहित विभिन्न क्षेत्रों में अस्थायी आवास के लिए जमीन की पहचान का काम पहले ही शुरू हो चुका है। धानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद के कार्यालय के मुताबिक, विभिन्न जिलों के होल्डिंग सेंटरों में रह रहे बाढ़ प्रभावितों को उनकी पसंद के अनुसार अस्थायी आवास उपलब्ध कराया जाएगा। फिलहाल होल्डिंग सेंटरों का इस्तेमाल आपातकालीन आश्रय के तौर पर किया जा रहा है। वहां रह रहे प्रभावित परिवारों को अलग-अलग अस्थायी आवास में स्थानांतरित किया जाएगा। वहीं, स्थायी पुनर्वास की प्रक्रिया सरकार द्वारा नुकसान का विस्तृत आकलन करने और पुनर्निर्माण योजना तैयार करने के बाद ही शुरू होगी।

शहरी विकास तथा भवन निर्माण विभाग की टीमें प्रभावित जिलों में भेजी गई हैं, जो नुकसान का आकलन कर रही हैं।

सर्वे के दौरान प्रभावित व्यक्तियों और परिवारों से जुड़ी कई जानकारियां जुटाई जाएंगी। इनमें घर पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुआ है या नहीं, परिवार के कितने सदस्यों की मौत हुई है या कितने अभी लापता हैं, तथा परिवार सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले अस्थायी आवास में रहना चाहता है या किराए के मकान में—इसकी जानकारी शामिल होगी।

इसके अलावा परिवार के पास अपनी जमीन है या नहीं, वे कहां स्थानांतरित होना चाहते हैं और उन्हें पेयजल, स्वच्छता तथा अन्य जरूरी सेवाओं की क्या आवश्यकता है, इसका भी रिकार्ड तैयार किया जाएगा।

विभाग को उम्मीद है कि यह सर्वे एक सप्ताह के भीतर पूरा कर लिया जाएगा।

सरकार उन प्रभावित परिवारों का भी सर्वे करने की योजना बना रही है, जो फिलहाल होल्डिंग सेंटरों में नहीं रह रहे हैं। व्यापक आकलन पूरा होने के बाद अस्थायी आवास निर्माण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा।

हालांकि, सुरक्षित और स्थायी पुनर्वास सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है। रसुवा में आई बाढ़ ने कई परिवारों के घरों के साथ-साथ उनकी जमीन भी बहा दी है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप को अतिरिक्त जिम्मेदारी उठानी पड़ेगी तभी सारे काम पूरे होंगे। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। आमदनी बढ़ेगी। काम के सिलसिले में अपने चतुराई का प्रयोग करना सराहनीय कदम होगा। व्यवसायिक की दिक्कतों से आप कुछ चिंतित हो सकते हैं।वैवाहिक जीवन के लिए समय अच्छा रहेगा। युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटेंगे। आर्थिक हालात ठीक रहेगी। संतान पक्ष को सफलता मिलेगी। नई योजना बनेगी। दाम्पत्य जीवन ठीक रहेगा। आज निवेश करने से लाभ जरूर बनेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन दिक्कतें जरूर बन सकती हैं। आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। धीरज के साथ सभी जिम्मेदारियों को पूरा करने का प्रयास करें।। तनाव पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी की सलाह नजरअंदाज ना करें। वाहन चलाते समय लापरवाही न बरतें। किसी से अनबन हो सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें। कारोबार में लाभ होने की संभावना है।। प्रेम संबंधों में मजबूती आएगी। सेहत ठीक रहेगी। किसी काम को पूरा करने में अनुभवी लोगों की सलाह आपके लिए लाभकारी होगी। यात्रा पर जा सकते हैं। धन लाभ का अवसर मिलेंगे। आज युवाओं की बेरोजगारी दूर हो सकती है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज बगैर पूछे किसी को मशवरा नही देना। कुछ नए काम को शुरू कर सकते हैं। शासकीय कार्य पूरे होंगे। विद्यार्थियों का आज पढ़ाई में मन नहीं लगेगा। बिना सोचे समझे कोई काम न करें। निवेश की स्थिति ठीक नहीं है। कर्ज से मुक्ति मिल सकती है। रिश्तेदारों से आपको सहयोग मिलेगा। सामाजिक कार्य में हिस्सा लेंगे। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। सेहत को लेकर लापरवाही न करें। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। दूसरों की सहायता मिलेगी। विरोधियों के चलते आपके कुछ काम प्रभावित होंगा। पारिवारिक जिम्मेदारी पूरे करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप शादी उम्र के योग्य है तो रिश्ता हो सकता हैं। नया काम शुरू कर सकते हैं। मानसिक रूप से मजबूत रहेंगे। रिश्तेदारों से कोई अच्छी खबर आ सकती है। नए प्रोजेक्ट से लाभ होगा। मित्रों के साथ पार्टी का आयोजन कर सकते हैं। छात्रों की दिक्कतें दूर होगी। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति से मुलाकात का मौका मिलेगा। जीवनसाथी को घुमाने ले जा सकते हैं। आज का दिन बेहद सुखद रहेगा। आज अपने खर्च पर नियंत्रण रख पाएंगे। आज आप नौकरी बदले का मन कर रहे हैं तो बढीया समय है कोशिश सफल होगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज लक्ष्मी जी को रक्त पुष्प अर्पित करें कर्ज मुक्त होंगे। धन लाभ होगा। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। सामाजिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार के सिलसिले में ज्यादातर किए गए प्रयास सफल रहेंगे। जीवनसाथी के साथ मतभेद हो सकते हैं। कारोबारी यात्रा सफल रहेगी। आपकी सेहत में सुधार देखने को मिलेगा। आज आप खुश रहेंगे। किसी से मुलाकात होगी। मित्रों साथ इंजाय कर सकते हैं। जोखिम से जुड़े कार्यों को टालें। खानपान को नियंत्रित रखना होगा। तनाव दूर होने की संभावना है। भोजन सुपाच्य करें सेहत ठीक रहेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज ईष्टदेव का मंत्र स्मरण जप करें किस्मत का साथ मिलेगा।। कारोबार को लेकर नई योजना बनाने के लिए आज का दिन अच्छा है। दिनभर कार्य की व्यस्तता के चलते तनाव हो सकता है। युवाओं के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। शादीशुदा लोगों को घूमने जाने का अवसर मिलेगा। गैरजरूरी खर्च पर नियंत्रण रख पाएंगे। खर्च में कमी आएगी। लव कपल के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। ऑफिस का माहौल सकारात्मक रहेगा। बुजुर्गों के अनुभव का लाभ मिलेगा। कार्यस्थल पर नए मौके मिलेंगे। छात्र नये कोर्स पर ध्यान केन्द्रित कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज धन का निवेश करें कारोबार में प्रगति होगी। दोस्तो और रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। ऑफिस में आपका काम की सराहना होगी। छात्रों को फायदा होगा। आज धन लाभ होने की संभावना है। आपके शत्रु शांत रहेंगे। परिवार के सदस्यों से किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है। आज आप अपनी मेहनत से अपनी हर दिक्कत को आसान कर लेंगे। वाहन चलाते समय सतर्क रहें। धार्मिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। दाम्पत्य जीवन मे सामंजस्य के कारण सुख–समृद्धि में बढोतरी होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप को सकारात्मक रहने की जरुरत है आप सरकारी नौकरी मे है तो दिक्कतें आएगी फिर भी आप में जोश देखने को मिलेगा। आपकी कार्यक्षेत्र में सराहना होगी। दिन की शुरुआत सामान्य होगी। व्यवसाय में उतार चढ़ाव बना रहेगा। संतान पक्ष को लेकर कुछ दिक्कत हो सकती है। जीवनसाथी के साथ मधुर संबंध रहेंगे। कई लोगों से मुलाकात होगी। रिश्तेदारों एवं मित्रों पर धन खर्च होगा। आज किसी की बातों मे आकर नया काम शुरू न करें। छात्रों के लिए दिन सफल रहेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज मन मे उत्साह और उल्लास रहेगा आप बेहद खुश रहेंगे। आपका भाग्य प्रबल रहेगा। कार्य क्षेत्र में शुभ फलों की प्राप्ति होगी। आज आप खूब आनंद उठाएंगे, लेकिन बेहतर यही होगा कि सुबह कुछ समय निकालकर अपने कल के शेष कार्यों को पूरा कर लें। आप गलतफहमी के शिकार हो सकते हैं। तनाव न लें। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा हैं। परीक्षा में कामयाबी मिल सकती है। परिवार के किसी सदस्य की मदद करेंगे। धार्मिक कार्यों में रूचि बढेगी। अपने को शान्त रखें क्रोध पर नियंत्रण रखना आप की तरक्की के रास्ते खोलेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज कुछ तनाव रहेगा परिस्थियां आपके अनुकूल नही होगी इसलिए परेशानियों का सामना करना पड सकता हैं। सेहत को लेकर सावधान रहने की जरूरत है। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। किस्मत का साथ मिलेगा। माता–पिता की सेवा करना शुभ फल देगा। खानपान पर नियंत्रण रखें। मित्रों की मदद से आपके कई काम पूरे होंगे। जीवनसाथी की सेहत को लेकर चिंतित रह सकते हैं। परिवार के साथ समय बिताएं। मन में नकारात्मक विचार न आने दे। ईश्वर की आराधना करने से मानसिक शांति मिलेगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज स्वभाव मे तेजी होगी क्रोध हावी रहेगा चिड़चिड़ापन बनेगा जिसके कारण किसी से आपका विवाद हो सकता है। काफी दिनों के बाद किसी परिचित व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। आज का दिन आपकी सेहत के लिहाज से काफी अच्छा है। कारोबार के सिलसिले में आज यात्रा कर सकते हैं। रिश्तेदारों से सुखद सूचना मिल सकती है। धन लाभ होने की संभावना है। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। आज आपको किस्मत का साथ मिलेगा। परिवार को पूरा समय दें सब कुछ अनुकूल होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज व्यापार मे लेनदेन मे निवेश के हिसाब से दिन बहतर हैं व्यवसाय में आज उम्मीद से अधिक लाभ होगा। बातचीत करने के दौरान सावधान रहें। आपको शुभ फलों की प्राप्ति होगी। आलस्य ज्यादा रहेगा। आज शासकीय कार्य पूरे कर पाएंगे। युवाओं को नए मौके मिलेंगे। ऋण से मुक्ति मिलेगी। शिक्षा के क्षेत्र में आशाजनक परिणाम नहीं मिलेंगे। आप दूसरों की देखभाल में आपका समय बीतेगा। संतान पक्ष से आपको खुशखबरी मिलेगी। रिश्ते

आज का पंचांग

दिनांक : 11 सितंबर 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : भाद्रपद,कृष्ण पक्ष
तिथि : अमावस्या प्रातः 08:58 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी दोपहर 01:16 तक
योग : साध्य सायं 05:01 तक
करण : नाग प्रातः 08:58 तक
चन्द्रराशि : सिंह रात्रि 07:08 तक
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 06:21 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:23 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:16 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:12 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : देवकार्य भादी अमावस्या , अग्रवंशीय सती पूजा

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी को शिक्षा क्षेत्र की सर्वोच्च डी.लिट. की मानद उपाधि

राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने प्रदान की प्रतिष्ठित उपाधि; शिक्षा, संस्कृति और मानवीय मूल्यों के क्षेत्र में योगदान को मिली विशेष पहचान

शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान नहीं, विवेकवान और संस्कारी मनुष्य का निर्माण भी है : ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी

जयपुर, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के अष्टम दीक्षांत समारोह में सिद्धगुरुवर पूज्यपादश्री ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी को शिक्षा एवं समाज के प्रति उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित डॉक्टर ऑफ लिटरेचर (डी.लिट.) की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। राजस्थान के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने दीक्षांत समारोह में पूज्य सिद्धगुरुवर को यह प्रतिष्ठित मानद उपाधि प्रदान की।

शिक्षा, भारतीय संस्कृति, आध्यात्म एवं मानवीय मूल्यों के क्षेत्र में ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी द्वारा किए जा रहे कार्यों को सम्मानित करते हुए प्रदान की गई यह उपाधि उनके अनुयायियों और श्रद्धालुओं के लिए भी गौरव का विषय बनी।

शिक्षा से चरित्र और व्यक्तित्व का निर्माण जरूरी

मानद डी.लिट. उपाधि ग्रहण करने के बाद ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल ज्ञान और रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि मनुष्य को विवेकवान, संवेदनशील, संस्कारी और मानवता के प्रति समर्पित बनाना है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता ऐसी शिक्षा की है, जो व्यक्ति के बौद्धिक विकास के साथ-साथ उसके चरित्र और व्यक्तित्व का भी निर्माण करे।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा सदैव से जीवन को सही दिशा देने वाली रही है। नई पीढ़ी को आधुनिक शिक्षा के साथ अपनी संस्कृति, संस्कारों और मानवीय मूल्यों से भी जोड़ना समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

सम्मान को बताया सेवा और मानव कल्याण के प्रति समर्पित लोगों का गौरव

ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी ने मानद डी.लिट. उपाधि प्रदान करने के लिए राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े तथा जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के प्रति सम्मान है, जो शिक्षा, सेवा, संस्कृति और मानव कल्याण के कार्यों में निरंतर योगदान दे रहे हैं।

इस अवसर पर राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि संस्कृत केवल प्राचीन भाषा ही नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा का महत्वपूर्ण आधार है। संस्कृत का अधिक से अधिक प्रयोग किया जाएगा तो यह भाषा और अधिक व्यापक रूप से आगे बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा का प्रभाव विश्व के अनेक हिस्सों में रहा है और देश की इस बौद्धिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित कर नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

समारोह में विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. गुंजन सोनी, डॉ. राजेंद्र सिंह चौधरी, आशीष चौहान, सरला बोथरा, इंदु राठौड़, अनामिका सुरेखा, आशीष मेहता, चंद्रमोहन शर्मा, राजेंद्र शर्मा, संजय शर्मा तथा के.सी. विश्नोई सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

रामदेवरा मेले में श्रद्धालुओं की सेवा के लिए मित्र मंडल सेवा समिति रवाना

बीकानेर, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। लोक देवता बाबा रामदेवजी के पावन समाधि स्थल रामदेवरा धाम में भादवा मास के वार्षिक मेले की भक्तिमय रौनक बढ़ने लगी है। राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र सहित देशभर से लाखों श्रद्धालु 'जय बाबे री' के जयकारों के साथ पैदल एवं विभिन्न साधनों से रामदेवरा पहुंचकर बाबा की समाधि पर धोक वंदन कर रहे हैं।

इसी क्रम में जयपुर रोड स्थित मित्र मंडल सेवा समिति, हल्दीराम प्याऊ बीकानेर की सेवा टीम को समिति के प्रमुख सहयोगी एवं प्रसिद्ध समाजसेवी तथा गुणजी फूड्स स्वीट्स एंड नमकीन के

ऑनर सीताराम भांभू ने बाबा के जयकारों के साथ सागर स्थित भांभू टॉवर से रवाना किया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष जेठाराम मंगलाव, उपाध्यक्ष मोहनलाल बोरावड, महासचिव गोपाल सोनी बादनु, सचिव बाबूलाल सोनी, कोषाध्यक्ष मोहनलाल गोदारा, संरक्षक धन्नेसिंह भाटी व रामेश्वर कनोल, कमल भांभू, बाबूलाल चाहर, हनुमान भांभू, रामनारायण गोदारा सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

इस अवसर पर सीताराम भांभू ने कहा कि ईश्वर एक ही है, लेकिन उसके रूप अनेक हैं और उसकी महिमा निराली है। प्रचलित मान्यता है कि बाबा रामदेवजी के भक्तों की किसी भी रूप में की गई सेवा स्वयं बाबा की सेवा के समान मानी जाती है।

सेवा के इसी अखंड जज्बे के साथ समिति बीकानेर से रवाना होकर फलोदी जिले के बाप तहसील के उपतहसील शेखासर गांव में 130÷130 फीट के तीन शेडनुमा पंडाल स्थापित करती है। यहां शुक्रवार से पैदल श्रद्धालुओं के विश्राम, स्नान, शौचालय, चाय–नाश्ता, शीतल जल तथा 24 घंटे भोजन–प्रसाद भंडारे की व्यवस्था की जाती है।

समिति द्वारा यह सेवा कार्य लगातार 23वें वर्ष किया जा रहा है। बाप से रामदेवरा मार्ग पर आठ दिनों के इस सेवा पड़ाव में करीब डेढ़ से दो लाख पैदल जातरुओं को विभिन्न सेवाओं का लाभ मिलता है।

चाकली ऐलम्मा की 41वीं पुण्यतिथि पर रजक संगम ने दी श्रद्धांजलि

पेद्दापल्ली, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना वीर वनिता चकली ऐलम्मा की 41वीं पुण्यतिथि पर पेद्दापल्ली जिला मुख्यालय के तिलक नगर में रजक संगम के नेताओं ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर नेताओं ने कहा कि निजाम के अत्याचारी शासन के खिलाफ भूमि और स्वतंत्रता के लिए चकली ऐलम्मा का संघर्ष प्रेरणादायक है तथा उन्होंने महिलाओं में नई चेतना जगाई। रजक संगम नेताओं ने राज्य सरकार से हैदराबाद के टैंक बंड पर तेलंगाना वीर वनिता चाकली ऐलम्मा की प्रतिमा स्थापित करने तथा रजक समाज को अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय में शामिल करने की मांग की। कार्यक्रम में बोड्डुपल्ली राममूर्ति, जाति संगम पेद्दमानिशी, बोड्डुपल्ली श्रीनिवास, मानद अध्यक्ष, दोड्डुपल्ली जगदीश, 12वें वार्ड पार्षद एवं कांग्रेस पार्टी नगर अध्यक्ष, भूतगड्डा संपत, सामाजिक कार्यकर्ता मंदा भास्कर, बोड्डुपल्ली अशोक, कृष्णा, रचामल्ला सतीश, पवनूरी लक्ष्मैया, गुडिकंडुला श्रीनिवास, इला पोथाराम मोगिली, नरसैय्या, बोड्डुपल्ली सोमवारा, महेश, श्रीनिवास, मधुनाया, गांडु रंगैया, बोड्डुपल्ली मोहन, मुथुनुरी मल्लिकार्जुन, श्यामसुंदर, पवन, मुक्केरा राजेशम, बोड्डुपल्ली संथु सहित अन्य उपस्थित रहे।

फेडरल बैंक और पैसाबाज़ार ने लॉन्च किया 'पैसाबैक' क्रेडिट कार्ड, किराना खरीदारी पर 7.5% तक कैशबैक

रिलायंस फ्रेश, डीमार्ट, स्टार बाज़ार से लेकर ब्लिंकिट, जेप्टो और बिगबास्केट तक खरीदारी पर मिलेगा लाभ

गुरुग्राम/मुंबई, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत के प्रमुख वित्तीय प्रौद्योगिकी मंच पैसाबाज़ार ने फेडरल बैंक के साथ साझेदारी में 'फेडरल बैंक पैसाबाज़ार पैसाबैक क्रेडिट कार्ड' लॉन्च करने की घोषणा की है। यह कैशबैक क्रेडिट कार्ड विशेष रूप से घर के सबसे जरूरी और नियमित खर्चों में से एक किराना खरीदारी पर बेहतर पुरस्कार देने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

इस कार्ड को पैसाबाज़ार, फेडरल बैंक और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) द्वारा मुंबई में आयोजित ग्लोबल फिनटेक फेस्टिवल में लॉन्च किया गया। कार्ड के जरिए की गई योग्य ऑनलाइन और ऑफलाइन किराना खरीदारी पर ग्राहकों को 7.5 प्रतिशत कैशबैक मिलेगा। यह सुविधा रिलायंस फ्रेश, डीमार्ट, स्टार बाज़ार और नेचर्स बास्केट जैसे प्रमुख सुपरमार्केट के साथ–साथ ब्लिंकिट, जेप्टो, स्विगी इंस्टामार्ट और बिगबास्केट जैसे त्वरित वाणिज्य मंचों पर की गई खरीदारी पर भी लागू होगी।

यह क्रेडिट कार्ड रुपे नेटवर्क पर उपलब्ध होगा। इसमें ग्राहकों को सभी योग्य बिक्री केंद्र (पीओएस) और ई–कॉमर्स लेनदेन पर 1 प्रतिशत कैशबैक मिलेगा। इसके अलावा 2,000 रुपये से अधिक के योग्य यूपीआई लेनदेन पर 0.5 प्रतिशत कैशबैक दिया जाएगा।

यह कैशबैक सीधे ग्राहक के खाते में 'कैश पॉइंट्स' के रूप में

जमा होगा, जिसे आसानी से भुनाया जा सकेगा। कार्ड की जॉइनिंग और वार्षिक फीस 500 रुपये निर्धारित की गई है। हालांकि, सालाना 1.5 लाख रुपये या उससे अधिक खर्च करने पर यह शुल्क माफ कर दिया जाएगा।

पैसाबाज़ार और फेडरल बैंक ने बताई कार्ड की खासियत

पैसाबाज़ार की मुख्य कार्यकारी अधिकारी संतोष अग्रवाल ने कहा, क्रेडिट कार्ड के पुरस्कार तब सबसे अधिक उपयोगी साबित होते हैं, जब वे मासिक खर्चों पर बचत का अवसर देते हैं। घरों में किराना खरीदारी एक बड़ा और महत्वपूर्ण नियमित खर्च है, लेकिन आमतौर पर इस पर मिलने वाले क्रेडिट कार्ड पुरस्कार अब तक सीमित रहे हैं। पैसाबैक क्रेडिट कार्ड रोजमर्रा की खरीदारी को अधिक फायदेमंद बनाता है। साथ ही, इसमें अन्य खर्चों और यूपीआई लेनदेन पर मिलने वाला अतिरिक्त कैशबैक इसकी उपयोगिता को और बढ़ाता है। फेडरल बैंक के साथ हमारी साझेदारी से हमें ग्राहकों की रोजमर्रा की जरूरतों और खर्च करने की आदतों को बेहतर ढंग से समझने तथा उनकी वास्तविक जरूरतों के अनुरूप उत्पाद तैयार करने में मदद मिली है।

फेडरल बैंक के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं प्रमुख, खुदरा कार्ड्स और व्यक्तिगत ऋण, सौगत बसु ने कहा, फेडरल बैंक में हमारा मानना है कि सबसे प्रभावी वित्तीय उत्पाद वही होते हैं, जो ग्राहकों की रोजमर्रा की जिंदगी का सहज हिस्सा बन जाएं। पैसाबैक क्रेडिट कार्ड को खास तौर पर उन खर्चों पर पुरस्कार देने के लिए तैयार किया गया है, जहां ग्राहक सबसे अधिक खर्च करते हैं, जैसे किराना खरीदारी। इसके साथ ही यह कार्ड रोजमर्रा के अन्य लेनदेन पर भी बचत का अवसर देता है। पैसाबाज़ार के साथ मिलकर हम ग्राहकों के लिए ऐसा उत्पाद लेकर आए हैं, जो सुविधा, उपयोगिता और महत्वपूर्ण बचत को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। हमें विश्वास है कि यह उत्पाद रोजमर्रा के खर्चों से मिलने वाली उपयोगिता को लेकर ग्राहकों की सोच को फिर से परिभाषित करेगा।

पैसाबैक क्रेडिट कार्ड की प्रमुख विशेषताएं

सभी योग्य ऑनलाइन और ऑफलाइन किराना खरीदारी पर 7.5 प्रतिशत कैशबैक मिलेगा। यह लाभ रिलायंस फ्रेश, डीमार्ट, स्टार बाज़ार, नेचर्स बास्केट, ब्लिंकिट, जेप्टो, स्विगी इंस्टामार्ट और बिगबास्केट जैसे व्यापारियों पर लागू होगा।

योग्य बिक्री केंद्र (पीओएस) और ई–कॉमर्स खर्चों पर 1 प्रतिशत कैशबैक मिलेगा।

2,000 रुपये से अधिक के योग्य यूपीआई लेनदेन पर 0.5 प्रतिशत कैशबैक मिलेगा। इसमें किराना, ईंधन और यात्रा श्रेणियां शामिल नहीं हैं।

कैशबैक 'कैश पॉइंट्स' के रूप में जमा किया जाएगा, जिसकी वैधता एक वर्ष तक होगी।

सभी योग्य लेनदेन पर अधिकतम 1,000 रुपये प्रति माह कैशबैक का लाभ मिलेगा।

प्रत्येक बिलिंग चक्र में 100 रुपये तक का ईंधन अधिभार माफ किया जाएगा।

छात्राओं को साइबर अपराध और महिला सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

मंचेरियाल, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस आयुक्त के आदेश पर मंचेरियाल नगर के गर्मिला सरकारी उच्च विद्यालय में बुधवार को शी टीम की ओर से छात्राओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। शी टीम के कर्मियों ने छात्राओं को टीम के कर्तव्यों, उद्देश्यों तथा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा के लिए उपलब्ध सेवाओं की जानकारी दी।कार्यक्रम में साइबर अपराध, मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले नुकसान, सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को अज्ञात लिंक, संदिग्ध संदेश और फोन कॉल से सावधान रहने तथा नशीले पदार्थों से दूर रहने की सलाह दी गई। किसी भी परेशानी, उत्पीड़न या संकट की स्थिति में तुरंत 112 पर संपर्क करने को कहा गया। आवश्यकता पड़ने पर रामागुंडम शी टीम के व्हाट्सऐप नंबर 6303923700 तथा मंचेरियाल शी टीम के व्हाट्सऐप नंबर 8712659385 पर भी संपर्क करने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में शी टीम कांस्टेबल वनिता, सतीश, प्रधानाध्यापक नागराज वर्मा, शारीरिक शिक्षा शिक्षिका वरलक्ष्मी सहित शिक्षक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

मंचेरियाल में जनसेना की विशाल बाइक रैली, कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह

मंचेरियाल, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिला मुख्यालय में जनसेना पार्टी की ओर से पेद्दापल्ली और आदिलाबाद संसदीय क्षेत्रों की समीक्षा बैठक के अवसर पर विशाल बाइक रैली निकाली गई। राष्ट्रीय सचिव आर.के. सागर एवं पेद्दापल्ली संसदीय क्षेत्र प्रभारी चूंचू राजकीरण के नेतृत्व में मुख्य बस स्टैंड से शुरू हुई रैली में सैकड़ों कार्यकर्ता पार्टी के झंडे लेकर मोटरसाइकिलों पर शामिल हुए। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कॉलेज रोड पर समाप्त हुई।

आईबी चौराहा पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने संविधान निर्माता डॉ. बी.आर. आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पवन कल्याण और जनसेना पार्टी के समर्थन में जोरदार नारेबाजी की गई।

आर.के. सागर ने कहा कि तेलंगाना में जनसेना का प्रभाव और जनाधार लगातार मजबूत हो रहा है तथा आने वाले समय में पार्टी अपनी राजनीतिक ताकत दिखाएगी। उन्होंने कांग्रेस और बीआरएस पर जनता को गुमराह करने तथा बुनियादी समस्याओं से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जनसेना आगामी सभी चुनावों में पूरी मजबूती से मैदान में उतरेगी और कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर उनकी समस्याएं उठाते हुए पार्टी की नीतियों को घर–घर तक पहुंचाएं।

निस्वार्थ सेवा समाज के लिए अनुकरणीय पहल : संजय गुप्ता

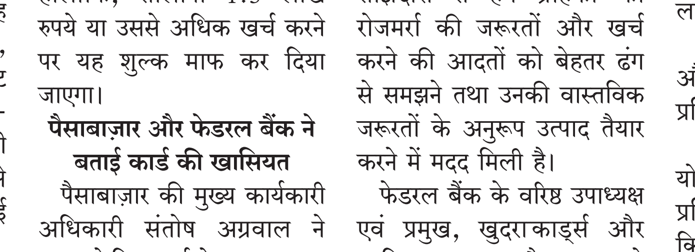

हैदराबाद, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क वॉटर टैंक पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राधे–राधे ग्रुप के सदस्यों ने जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर सेवा एवं सामाजिक सरोकार का परिचय दिया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए संजय गुप्ता ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप जिस प्रकार निस्वार्थ भाव से निरंतर सेवा कार्य कर रहा है, वह वास्तव में समाज के लिए एक अनुकरणीय पहल है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना केवल अन्नदान नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का श्रेष्ठ माध्यम है। ऐसे सेवा कार्य समाज में आपसी सहयोग, करुणा और संवेदनशीलता की भावना को मजबूत करते हैं।

उन्होंने कहा कि राधे–राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान से यह संदेश मिलता है कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए बड़े संसाधनों से अधिक जरूरी सेवा की भावना है। बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना निश्चित रूप से सराहनीय और प्रेरणादायी कार्य है।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता, उमाकांत गुप्ता, कमल मुंदड़ा, हरीश टोल–ाराम हिंदुजा, संजय गुप्ता सहित राधे–राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सहभागिता करते हुए अन्नदान को सफल बनाने में सहयोग किया।

क्या आप जानते हैं कि भगवान कृष्ण की 16,000 पत्नियां क्यों थी।

संख्या पढकर चौंक गए परंतु यह सत्य है, शास्त्रों में भी इस बात का उल्लेख है कि भगवान कृष्ण की 16,000 पत्नियां थी। वास्तव में उनकी 16,108 पत्नियां थी। हम सभी जानते हैं कि प्राचीन काल में बहुविवाह प्रथा बहुत लोकप्रिय थी, फिर भी 16,108 की संख्या बहुत अधिक लगती है। भारतीय पौराणिक कथाओं में कई ऐसी कहानियाँ हैं जो काफी रोचक हैं। भगवान कृष्ण अपने चमत्कारों के लिए जाने जाते हैं जिनकी रोचक कहानियाँ हमारे मन में कुतूहल उत्पन्न करती है। राधा के साथ उनका आत्मिक प्रेम, आठ सुन्दर राजकुमारियों से विवाह तथा फिर भी 16,000 और अधिक पत्नियां निश्चित रूप से हमें आश्चर्यचकित कर यह जानने के लिए मजबूर कर देते हैं कि इन सब के पीछे क्या कारण होगा। यदि हम शास्त्रों में देखें तो हम देखेंगे कि भगवान कृष्ण से राधा से कभी भी विवाह नहीं किया था।

क्यूं पड गया श्री कृष्ण के शरीर का रंग नीला परन्तु उन्होंने आठ महिलाओं से शादी की। उनकी आठ पत्नियों के नाम रुक्मिणी, सत्यभामा, जाम्बवती, कालिंदी, मित्रविंदा, नाग्नाजिती, भद्रा और लक्ष्मणा थे। उनमें से सत्यभामा और रुक्मिणी प्रसिद्ध हैं। अब 16,000 पत्नियों की कहानी की ओर बढते हैं। हम सभी जानते हैं कि भगवान कृष्ण एक चमत्कारी राजा थे। उनके साथ जो कुछ भी हुआ उसके पीछे कोई न कोई कारण था। अत: यह कहना सही नहीं होगा कि 16,108 पत्नियां कृष्ण लीला का एक हिस्सा थी। अत: ऐसी क्या परिस्थिति हुई कि भगवान कृष्ण को 16,000 महिलाओं से विवाह करना पडा आइए देखें।

महाभारत से जुडे कुछ रोचक रहस्य नरकासुर की कहानी नरकासुर प्रग्ज्योतिषा का राजा था। यह स्थान अब असम के नाम से जाना जाता है। वह विष्णु के सूअर अवतार वराह और पृथ्वी की देवी भूमि देवी का पुत्र था। भूमि का पुत्र होने के कारण उसे भौम या भौमासुर भी कहा जाता था। उसने स्वर्ग, धरती और पाताल तीनों विश्व पर कब्जा कर लिया था। उसने पृथ्वी पर जिन 16,000 देशों पर विजय प्राप्त की थी उन देशों की राजकुमारियों को कैद कर लिया था।

स्वर्ग में उसने स्वर्ग और देवों के देव इंद्रदेव की मां अदिति के कान के बाले (इयररिंग) चुराए। पाताल में उसने पानी के देवता वरुण का शाही छाता चुरा लिया। उसने राजकुमारियों को एक पर्वत पर बंदी बना कर रखा। इसी दौरान इंद्र ने अदिति के कान के बाले वापस लाने तथा विश्व को इस राक्षस की क्रूरता से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान कृष्ण से नरकासुर के साथ युद्ध करने की याचना की। अत: भगवान कृष्ण ने राक्षस का वध कर दिया। लूट का माल नरकासुर की मृत्यु के पश्चात भूमि देवी ने सभी चुराई हुई चीजें कृष्ण को वापस कर दीं जिसमें 16,000 महिलायें भी शामिल थी। श्री कृष्ण ने उन्हें मुक्त कर दिया परन्तु उन महिलाओं से इसका पालन नहीं किया।

सामाजिक कलंक प्राचीन काल में जब कोई राजा किसी अन्य राज्य की महिला का अपहरण कर लेता था तो राजा के परास्त होने के बाद भी उस महिला को राज्य में वापस नहीं लिया जाता था। उन्हें एक कलंकित और शर्मनाक जीवन व्यतीत करना पडता था क्योंकि ऐसा माना जाता था कि किसी दूसरे व्यक्ति ने उन्हें स्पर्श किया है। नरकासुर की कैद में रहने वाली 16,108 महिलाओं को भी यह सहन करना पडा। अत: उन सभी ने भगवान कृष्ण से प्रार्थना की कि वे उन सभी को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार कर लें। 16,108 पत्नियां अत: भगवान कृष्ण ने उन सभी से विवाह कर लिया। भागवत पुराण में विवाह के बाद कृष्ण की पत्नियों के जीवन के बारे में बताया गया है। प्रत्येक पत्नी को एक घर और सौ दासियाँ दी गयी थीं। कृष्ण ने स्वयं को कई रूपों में बाँट लेते थे तथा इस प्रकार रात में प्रत्येक पत्नी के साथ रहते थे। सुबह उनके सभी रूप मिलकर कृष्ण बन जाते और वे द्वारका के राजा रूप में आ जाते। कृष्ण की प्रत्येक पत्नी व्यक्तिगत तौर पर उन्हें नहला कर, सजा कर, पंखा झलकर, उन्हें उपहार और फूलों की माला देकर उनकी पूजा करती थी।

चमत्कारी राजा एक कथा के अनुसार एक बार उपद्रवी मुनि नारद ने कृष्ण से प्रार्थना की कि वे अपनी पत्नियों में से एक पत्नी उन्हें दे दें क्योंकि वे कुंवारें हैं। कृष्ण ने उनसे कहा कि आप किसी भी पत्नी को उस समय जीत कर दिखाएँ जब मैं (कृष्ण) उनके साथ न रहूँ। नारद कृष्ण की सभी 16,108 पत्नियों के घर गए परन्तु सभी घरों में कृष्ण उपस्थित थे। इस पारकर नारद कुवारें रह गए। इस घटना को देखकर नारद आश्वस्त हो गए कि भगवान कृष्ण के रूप में एक देवत्व था, एक पूर्ण और विविध आकार वाली अभिव्यक्ति जो एक ही समय में अपनी 16,000 पत्नियों के साथ का आनंद उठा रही थी। यही कारण है कि भगवान कृष्ण को सर्वशक्तिमान माना जाता है जो किसी न किसी रूप में अपने भक्तों के साथ रहते हैं जैसे वे अपनी 16,108 पत्नियों के साथ रहते थे।

कुंडली में मांगलिक दोष निवारण के उपाय

मांगलिक दोष क्या है।

जन्मपत्री की कुंडली में 12 स्थान होते हैं। इनमे से यदि पहले, दुसरे, चौथे, सातवे, आठवे और बारहवें स्थान में मंगल होता है तो मांगलिक दोष होता है। मांगलिक दोष वाले व्यक्ति पर मंगल गृह की बुरी छायां होती है। यह प्रभाव शादी के समय बहुत मायने रखता है क्यों कि शादी के समय कुंडली मिलान का यह सबसे महत्वपूर्ण बिंदु है। शादी से पहले व्यक्ति की कुंडली में मांगलिक दोष को देखना और इसका निवारण करना जरूरी है।

मांगलिक दोष के लक्षण

1. स्त्री और पुरुष दोनों में मांगलिक दोष हो सकता है।

2. मंगल को उग्रता वाला गृह माना जाता है इसलिए मांगलिक दोष वाले लोगों का स्वाभाव गर्म माना जाता है।

3. मांगलिक लोगों में बहुत गर्म और उग्र ऊर्जा होता है जिसका यदि सही इस्तेमाल नहीं किया जाए तो यह कुछ ना कुछ गलत हो सकता है।

4. मांगलिक दोष के कारण शादी में देरी होती है।

5.मंगल दोष के कारण शादी में कलह और तनाव रहता है।

6. दो मांगलिक लोगों का आपस में विवाह करने से इसका बुरा प्रभाव दूर होता है।

7. ऐसा माना जाता है कि जिन्होंने पिछले जन्म में अपने पार्टनर के साथ बुरा किया उनमें यह दोष पाया जाता है।

मंगल कब समस्या पैदा करता है

1.यदि मंगल पहले स्थान में है तो शादी के बाद विवाद और हिंसा की सम्भावना रहती है।

2. जब मंगल दुसरे स्थान में रहता है तो व्यक्ति के परिवार के कारण उसका विवाह और नौकरी पेशा प्रभावित होता है।

3. जब मंगल चौथे स्थान में रहता है तो व्यक्ति व्यावसायिक तौर पर सफलता प्राप्त नहीं करता है और लगातार जॉब बदलता है।

4. यदि मंगल सातवे स्थान में होता है तो उसका स्वाभाव उग्र होता है, जिसके कारण वह अपने परिवार से भी मधुर सम्बन्ध नहीं रख पाता है।

5. यदि मंगल आठवे स्थान में होता है तो वह व्यक्ति परिवारजनों द्वारा अलग कर दिया जाता है और जायदाद से बेदखल हो जाता है।

6. जब मंगल दसवे स्थान में होता है तो व्यक्ति को दिमाग से सम्बंधित समस्याएं होती है साथ ही इससे दुश्मन पैदा होना या आर्थिक नुकसान जैसी चीजें भी हो सकती हैं।

मांगलिक दोष निवारण के उपाय

1. दो मांगलिक लोगों का विवाह करने से इसका प्रभाव खत्म हो जाता है।

2. कुम्भ विवाह भी इसका एक समाधान है। इस विवाह में व्यक्ति को शादी से पूर्व किसी पेड से या कलश से विवाह करना पडता है।

3. मंगलवार का व्रत करने से भी इसका बुरा प्रभाव कम होता है। इस व्रत में मांगलिक लोगों को तूर दाल ही खानी होती है।

4. मंगलवार को नवग्रह मन्त्र या हनुमान चालीसा का जाप करने से भी मांगलिक दोष का असर कम होता है।

5. मंगलवार को हनुमान मंदिर में जाकर पूजा करना भी मंगल दोष के निवारण का अच्छा उपाय है।

6. ज्योतिषियों के अनुसार मांगलिक दोष वाले लोगों को लाल मूंगा जडित सोने की अंगूठी दाहिने हाथ की अनामिका अंगुली में धारण करनी चाहिए।

7. मांगलिक लोगों को 28 साल की उम्र के बाद शादी करने की सलाह दी जाती है क्यों कि उम्र के अनुसार दोष का असर भी कम हो जाता है।

हिंदू धर्म में सिंदूर का महत्व

आमतौर पर सिंदूर को हिंदू महिलाओं द्वारा लगाया जाता है तथा इसका महत्व हिंदू पौराणिक कथाओं में छुपा है। सिंदूर, एक स्त्री के विवाहित होने की निशानी है तथा इसे विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी आयु की कामना करते लगाती हैं। इसे माथे पर बालों के बीच में लगाया जाता है।

हिंदू धर्म में, इसे लगाने का हक केवल विवाहित महिलाओं को दिया गया है। एक प्रचलित मान्यता के अनुसार, देवी पार्वती ने अपने पति के सम्मान के लिए अपने जीवन की आहुति दी थी जिसके कारण सिंदूर को देवी पार्वती का प्रतीक माना जाता है। अत:, माना जाता है कि जो महिला अपने माथे पर सिंदूर धारण करती है, देवी पार्वती का हाथ उसके सर पर सदैव बना रहता है तथा देवी पार्वती हर समय उसके पति की रक्षा करती है।

भारतीय महिलाएं क्यूं पहनती हैं नोज रिंग इसके अलावा सिंदूर धारण करने के कई ऐतिहासिक प्रमाण भी मौजूद हैं। तो चलें, उन महत्वपूर्ण कारणों के बारे में भी जानकारी हासिल करते हैं।

1 ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, मेष राशि का स्थान माथे पर होता है। मंगल, मेष राशि का स्वामी ग्रह है और क्योंकि मंगल ग्रह का रंग लाल होता है, इसे शुभ माना जाता है। अत: इसे सौभाग्य का संकेत भी माना जाता है।

2 सिंदूर को नारी शक्ति का प्रतीक माना जाता है। यह शक्ति एक पत्नी को किसी भी मुश्किल घडी में अपने पति की रक्षा करने में मदद करती है।

3 उत्तर भारत में नवरात्रि व संक्राति के त्योहारों पर विवाहित स्त्रियों के लिए सिंदूर लगाना अत्यंत अनिवार्य है। इससे पता चलता है कि सिंदूर धार्मिक कारणों की वजह से भी बहुत महत्व रखता है। हिंदू परंपराओं के पीछे छुपा हुआ है ये विज्ञान

4 सिंदूर लगाने का एक और दिलचस्प कारण भी है। सिंदूर को धातु पारे के साथ हल्दी व चूने के मिश्रण से तैयार किया जाता है। पारा रक्तचाप को नियंत्रित रखने में मदद करता है एवं महिलाओं की यौन इच्छा को सक्रिय करता है। जिसके कारण इसमें एक शारीरिक महत्व भी शामिल हो जाता है। इसलिए सिंदूर को हमारी भावनाओं के केन्द्र, पिट्यूटरी ग्रंथ पर लगाना चाहिए।

धन का संचय उतना ही करना चाहिए जितनी जरूरत हो

बात उस समय की है जब गुरु नानक देव लाहौर यात्रा पर थे। वह एक अजीब नियम था। वो यह कि जिस व्यक्ति के पास जितनी अधिक संपत्ति वह अपने घर के ऊपर उतने ही झंडे लगाता था।लाहौर में दुनीचंद्र के पास 20 करोड रुपए की संपत्ति थी। इसलिए उसके घर की छत पर 20 झंडे फ्हरा रहे थे। दुनीचंद्र को पता चला कि गुरु नानक जी लाहौर आए हैं तो वो उनसे मिलने गया। दुनीचंद्र ने गुरुनानक जी से सेवा का अवसर मांगा। गुरु नानक जी ने उसे एक सुई देते हुए कहा, इसे ले जाइए और अगले जन्म में मुझे वापस कीजिएगा। दुनीचंद्र ने सुई ले ली। लेकिन उसने सोचा कि अगले जन्म में यह सुई मैं कैसे ले जा सकूंगा। वह वापस गुरु नानक जी के पास गया और उसने कहा, मरने के बाद में यह सुई कैसे ले जा सकता हूं। तब गुरु नानक जी ने कहा, जब तुम एक सुई अपने अगले जन्म में नहीं ले जा सकते तो इतनी सारी संपत्ति कैसे ले जा सकोगे। दुनीचंद्र ने जब यह बात सुनी तो उसकी आंखें खुल गईं।

राहु दोष दूर करने के आध्यात्मिक उपाय

हिंदु धर्म में राहु और केतू दो ग्रह हैं जिन्हे दोष के रूप में जाना जाता है। राहु और केतू, एक ही असुर का नाम है जिसने अमृत मंथन के दौरान छल से अमृत पी लिया था और जब उसने आधा अमृत पी लिया तब पता चला कि वह असुर है तो भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र से उसका गला काट दिया। वह मरा नहीं, लेकिन सिर और धड दो हिस्सों में बंट गया, जिसे राहु-केतु के नाम से जाना गया। ये एक ग्रह बन गए जो लोगों की कुंडली में दोष माने जाते हैं। हिंदू धर्म में इन्हे दूर करने के कई उपाय हैं, जिन्हे लोगों के द्वारा अपनाया जाता है। अगर आप भी जानना चाहते है कि जीवन से राहु-केतु का दोष किस प्रकार दूर करना है। तो इन आध्यात्मिक उपायों को जानें।

राहु दोष दूर करने के आध्यात्मिक उपाय

प्रत्येक शनिवार शाकाहारी भोजन करें: राहु और केतू दोष ग्रह है। इसके लिए आपको शनिवार को पूजा क

रनी चाहिए और इस दिन पूर्णत: शाकाहारी भोजन का सेवन करना चाहिए।

भगवान शिव की पूजा करें: अगर आपकी कुंडली में राहु-केतू का दोष है तो भगवान शिव की पूजा करें। भगवान शिव, राहु-केतू और शनि के दोषों का निवारण करते है। आप प्रतिदिन 21 बार ओउम् नम: शिवाय का जाप करें। राहु शांति पूजा का प्रदर्शन करें: राहु और केतू के दोषों को शांत करने के लिए आप राहु शांति पूजा का प्रदर्शन करें। इस पूजा को आप घर पर आयोजित करवाएं, इससे आपके घर में सुख और शांति भी आएगी। श्रीकलाहस्ती मंदिर के दर्शन करें: श्रीकला हस्ती मंदिर आंध्रप्रदेश में स्थित है। जिन लोगों के जीवन में राहु-केतू दोष है वह इस मंदिर में दर्शन के लिए अवश्य जाएं। साल में भारी संख्या में लोग यहां दर्शन करने आते है।

दान: राहु-केतू दोष होने पर आप शनिवार को सरसों का तेल दान करें, गेहूं, नारियल, केला आदि को दान करें। गरीबों को भोजन खिलाएं। इससे आपको जीवन में सुकून और खुशी मिलेगी और यह ग्रह दोष भी शांत हो जाएगा।

क्यूं की जाती है गणेश-लक्ष्मी की पूजा एक साथ

दीपावली के दिन हम धन और समृद्धि की देवी माँ लक्ष्मी और बुद्धि के देवता भगवान गणेश की पूजा करते हैं। यह हम सब भली भांती जानते हैं कि कोई भी शुभ कार्य गणेश पूजन के बगैर कभी पूरा नहीं होता।

गणेश जी बुद्धि प्रदान करते हैं। वे विघ्न विनाशक और विघ्नेश्वर हैं। यदि व्यक्ति के पास खूब धन-सम्पदा है और बुद्धि का अभाव है तो वह उसका सदुपयोग नहीं कर पायेगा। इसलिए व्यक्ति का बुद्धिमान और विवेकी होना भी आवश्यक है। तभी धन के महत्व को समझा जा सकता है। गणेश लक्ष्मी की एक साथ पूजा के महत्त्व को कई कहानियों के माध्यम से बताया गया है। आइये जाने ऐसी ही कहानी।

शास्त्रों के अनुसार लक्ष्मी जी को धन और संब्रद्धि का प्रतीक माना गया है। जिसकी वजह से लक्ष्मी जी को इसका अभिमान हो जाता है। विष्णु जी इस अभिमान को खत्म करना चाहते थे इसलिए उन्हों ने लक्ष्मी जी से कहा कि स्त्री तब तक पूर्ण नहीं होती है जब तक वह माँ ना बन जाये। लक्ष्मी जी के कोई पुत्र नहीं था, इसलिए यह सुन के वे बहुत निराश हो गयी। तब वे देवी पार्वती के पास गयी मदद मांगने के लिए।

जानिए दीवाली पर क्यों किया जाता है लक्ष्मी पूजन

पार्वती जी को दो पुत्र थे इसलिए लक्ष्मी जी ने उनसे एक पुत्र को गोद लेने को कहा। पार्वती जी जानती थी कि लक्ष्मी जी एक स्थान पर लंबे समय नहीं रहती हैं। इसलिए वे बच्चे की देख भाल नहीं कर पाएंगी। लेकिन उनके दर्द को समझते हुए उन्होंने अपने पुत्र गणेश को उन्हें सौप दिया।

इससे लक्ष्मी जो बहुत प्रसन्न हुई और उन्होंने कहा कि वे गणेश का बहुत ध्यान रखेंगी। और जो सुख और संब्रद्धि के लिए लक्ष्मी जी का पूजन करते हैं उन्हें उनसे पहले गणेश जी की पूजा करनी पडेगी, तभी मेरी पूजा संपन्न होगी। तब से आज तक दीपावली पर लक्ष्मी जी की पूजा से पहले गणेश जी की पूजा की जाती है।

भोले के भैरव रूप के स्मरण से दूर होते हैं कष्ट

-**पहली** फरवरी को है कालाष्टमी

-रात्रि को जागरण कर शिव एवं माता पार्वती की कथा एवं भजन कीर्तन करें

-ब्रहमा के अपमानित करने पर शिव भगवान ने धारण किया था रौद्र रूप

कालाष्टमी का हिंदू धर्म में बडा महत्वपूर्ण स्थान है। मार्गशीर्ष मास में कृष्ण पक्ष की अष्टमी के दिन भगवान शिव, भैरव रूप में प्रकट हुए थे। कालाष्टमी का व्रत इसी उपलक्ष्य में किया जाता है। कालाष्टमी को 'भैरवाष्टमी' के नाम से भी जाना जाता है। भगवान भोलेनाथ के भैरव रूप के स्मरण मात्र से ही सभी प्रकार के पाप और कष्ट दूर हो जाते हैं। भैरव की पूजा व उपासना से मनोवांछित फल मिलता है। अत: भैरव जी की पूजा-अर्चना करने व कालाष्टमी के दिन व्रत एवं षोड्षोपचार पूजन करना अत्यंत शुभ एवं फलदायक माना गया है। शास्त्रों के अनुसार इस दिन कालभैरव का दर्शन एवं पूजन मनवांछित फल प्रदान करता है।

व्रत की विधि भगवान शिव के भैरव रूप की उपासना करने वाले भक्तों को भैरवनाथ की षोड्षोपचार सहित पूजा करनी चाहिए और उन्हें अर्घ्य देनी चाहिए। रात्रि के समय जागरण कर शिव एवं पार्वती की कथा एवं भजन कीर्तन करना चाहिए। भैरव कथा का श्रवण और मनन करना चाहिए। मध्य रात्रि होने पर शंख, नगाडा, घंटा आदि बजाकर भैरव जी की आरती करनी चाहिए। भगवान भैरवनाथ का वाहन 'श्वान' (कुत्ता) है। अत: इस दिन प्रभु की प्रसन्नता के लिए कुत्ते को भोजन कराना चाहिए। हिंदू मान्यता के अनुसार इस दिन प्रात:काल पवित्र नदी या सरोवर में स्नान कर पितरों का श्राद्ध व तर्पण कर भैरव जी की पूजा व व्रत करने से समस्त विघ्न समाप्त हो जाते हैं। भैरव जी की पूजा व भक्ति से भूत, पिशाच एवं काल भी दूर रहते हैं। शुद्ध मन एवं आचरण से जो भी कार्य करते हैं, उनमें इन्हें सफलता मिलती है।

माहात्म्य कालाष्टमी के दिन काल भैरव के साथ इस दिन देवी कालिका की पूजा-अर्चना एवं व्रत का भी विधान है। काली देवी की उपासना करने वालों को अर्धरात्रि के बाद मां की उसी प्रकार से पूजा करनी चाहिए, जिस प्रकार दुर्गापूजा में सप्तमी तिथि को देवी कालरात्रि की पूजा का विधान है। भैरव की पूजा-अर्चना करने से परिवार में सुख-शांति, समृद्धि के साथ स्वास्थ्य की रक्षा भी होती है। भैरव तंत्रोक्त, बटुक भैरव कवच, काल भैरव स्तोत्र, बटुक भैरव ब्रहम कवच आदि का नियमित पाठ करने से अनेक समस्याओं का निदान होता है।

कथा भैरवाष्टमी या कालाष्टमी की कथा के अनुसार एक समय श्रीहरि विष्णु और ब्रहमा के मध्य विवाद उत्पन्न हुआ कि उनमें से श्रेष्ठ कौन है। यह विवाद इस हद तक बढ गया कि समाधान के लिए भगवान शिव एक सभा का आयोजन करते हैं। इसमें ज्ञानी, ऋषि-मुनि, सिद्ध संत आदि उपस्थित थे। सभा में लिए गए एक निर्णय को भगवान विष्णु तो स्वीकार कर लेते हैं, किंतु ब्रहमा जी संतुष्ट नहीं होते। वे महादेव का अपमान करने लगते हैं। शांतचित शिव यह अपमान सहन न कर सके और ब्रहमा द्वारा अपमानित किए जाने पर उन्होंने रौद्र रूप धारण कर लिया। भगवान शंकर प्रलय के रूप में नजर आने लगे और उनका रौद्र रूप देखकर तीनों लोक भयभीत हो गए। भगवान शिव के इसी रूद्र रूप से भगवान भैरव प्रकट हुए। वह श्वान पर सवार थे, उनके हाथ में दंड था। हाथ में दंड होने के कारण वे 'दंडाधिपति' कहे गए। भैरव जी का रूप अत्यंत भयंकर था। उनके रूप को देखकर ब्रहमा जी को अपनी गलती का एहसास हुआ। वह भगवान भोलेनाथ एवं भैरव की वंदना करने लगे। ब्रहमा, देवताओं और साधुओं द्वारा वंदना करने पर भैरव जी शांत हो जाते हैं।

थैलेसीमिया मुक्त भारत की दिशा में आगे बढ़ते कदम

टीएससीएस के अध्यक्ष डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल से

शुभ लाभ : विशेष बातचीत

थैलेसीमिया एंड सिकल सेल सोसायटी (टीएससीएस), हैदराबाद की शुरुआत वर्ष 1998 में मरीजों को सहयोग प्रदान करने वाली एक छोटी-सी पहल के रूप में हुई थी। आज यह संस्था दुनिया के सबसे बड़े स्वतंत्र थैलेसीमिया उपचार केंद्र के रूप में जानी जाती है। संस्था में 4,700 से अधिक पंजीकृत मरीजों की देखभाल की जा रही है। यहां मरीजों को निःशुल्क रक्त आधान, जांच और परामर्श सहित अनेक सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

टीएससीएस इस वर्ष अक्टूबर में जीएएनएसआईडी कांग्रेस 2026 की मेजबानी करने जा रही है। इसके अलावा संस्था द्वारा कई अन्य महत्वपूर्ण पहल भी की जा रही हैं। इन्हीं विषयों को लेकर हमने सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल से विशेष बातचीत की और जाना कि संस्था में इस समय क्या नया हो रहा है, भविष्य की क्या योजनाएं हैं और यह कार्य उनके लिए व्यक्तिगत रूप से इतना महत्वपूर्ण क्यों है।

प्रश्न : जो पाठक टीएससीएस के बारे में अधिक नहीं जानते, उनके लिए संक्षेप में बताएं कि संस्था क्या काम करती है?

डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल : हमने वर्ष 1998 में शुरुआत की थी। यह माता-पिता, चिकित्सकों और शुभचिंतकों का एक छोटा-सा समूह था, जिन्हें यह बात गलत लगती थी कि किसी बच्चे को केवल इसलिए थैलेसीमिया या सिकल सेल रोग का उपचार न मिल पाए, क्योंकि उसका परिवार इलाज का खर्च वहन करने में सक्षम नहीं है।

वह छोटी-सी शुरुआत वर्षों के दौरान अब एक संपूर्ण चिकित्सा व्यवस्था में बदल गई है। हमारे पास एक समर्पित रक्त आधान केंद्र, अपना रक्त बैंक, आधुनिक जांच प्रयोगशाला और अनुसंधान शाखा है, जो सभी एक ही स्थान पर संचालित हो रहे हैं।

आज हम 4,700 से अधिक पंजीकृत मरीजों की सेवा कर रहे हैं और जब से हमने अपनी सेवाएं शुरू की हैं, तब से लगभग 3 लाख निःशुल्क रक्त आधान पूरे करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

यहां परामर्श, रक्त आधान, जांच, दवाइयां और यहां तक कि उन मरीजों के लिए भोजन भी निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है, जो कई घंटों तक यहां रहते हैं।

प्रश्न : टीएससीएस को अक्सर दुनिया की सबसे बड़ी स्वतंत्र थैलेसीमिया उपचार सुविधा कहा जाता है। रोजाना इसका संचालन किस तरह होता है?

डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल : सामान्य तौर पर प्रतिदिन 70 से 80 मरीज परामर्श, जांच या रक्त आधान के लिए यहां आते हैं। इनमें से बहुत-से परिवार लंबी दूरी तय करके आते हैं। कुछ मरीज तो दूसरे राज्यों से भी यहां पहुंचते हैं, क्योंकि उन्हें अपने घर के आसपास इस तरह की व्यापक और निःशुल्क चिकित्सा सुविधा नहीं मिलती।

यही एक कारण है कि हमने खम्मम और कुरनूल में भी शाखाएं शुरू की हैं, ताकि वहां रहने वाले परिवारों को केवल नियमित रक्त आधान जैसी आवश्यक चिकित्सा सेवा के लिए हर कुछ सप्ताह में इतनी लंबी यात्रा न करनी पड़े।

प्रश्न : इस समय टीएससीएस में सबसे बड़ी गतिविधि क्या चल रही है, जिसके बारे में आप लोगों को बताना चाहेंगे?

डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल : वास्तव में यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण वर्ष रहा है। जनवरी में हमने थैलेसीमिया मुक्त भारत – 2035 विषय पर एशियन थैलेसीमिया कॉन्क्लेव 2026 का आयोजन किया था। यही वह लक्ष्य है, जिसकी दिशा में हम सभी काम कर रहे हैं।

हाल ही में हमने यह भी घोषणा की कि टीएससीएस जीएएनएसआईडी कांग्रेस 2026 के लिए स्थानीय मेजबान सहयोगी संस्था होगी। यह ग्लोबल एक्शन नेटवर्क फॉर सिकल सेल एंड अदर इनहेरिटेड ब्लड डिसऑर्डर्स (GANSID) है।

यह कांग्रेस 23 से 25 अक्टूबर तक हैदराबाद के एचआईसीसी नोवोटेल में आयोजित होगी और इसका आयोजन जीएएनएसआईडी, अमेरिका के साथ साझेदारी में किया जा रहा है।

यह तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस होगी, जिसमें पूर्ण सत्र, शोध प्रस्तुतियां, उद्योग संगोष्ठियां, मरीजों की भागीदारी से जुड़े सत्र और कई अन्य कार्यक्रम होंगे। पहली बार इस स्तर का कोई आयोजन यहां किया जा रहा है।

यह हमारे लिए और हैदराबाद शहर के लिए भी बड़ी उपलब्धि है। इससे वंशानुगत रक्त विकारों के क्षेत्र में शोध और चिकित्सा कार्य के लिए हैदराबाद को वैश्विक स्तर पर पहचान

डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल

मिलेगी।

प्रश्न : आप जीएएनएसआईडी को हैदराबाद लाना क्यों चाहते थे और इस कांग्रेस में लोगों को क्या देखने को मिलेगा?

डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल : इस वर्ष की कांग्रेस का विषय है- नवाचार से क्रियान्वयन तक : वंशानुगत रक्त विकारों में विज्ञान और पहुंच के बीच की दूरी को पाटना।

ईमानदारी से कहूं तो यही विचार हमेशा से टीएससीएस के कार्य के केंद्र में रहा है। केवल शोध में प्रगति होना पर्याप्त नहीं है। यह आवश्यक है कि उस प्रगति का लाभ वास्तव में मरीज तक पहुंचे।

कांग्रेस में दुनिया भर के चिकित्सक, शोधकर्ता, प्रयोगशाला वैज्ञानिक, उद्योग जगत के साझेदार, नीति-निर्माता और मरीजों के समूह एक साथ आएंगे। इसके अलावा प्रारंभिक और मध्यम स्तर के शोधकर्ताओं के लिए विशेष सत्र तथा मरीजों के लिए समर्पित कार्यक्रम भी होंगे।

हमारे स्थानीय चिकित्सा समुदाय, मरीजों और उनके परिवारों के लिए यह एक शानदार अवसर है कि वे वैश्विक विशेषज्ञों के साथ एक ही स्थान पर बैठ सकें और उनके कार्य के बारे में केवल किसी दूसरे माध्यम से सुनने के बजाय सीधे उनसे जानकारी प्राप्त कर सकें।

प्रश्न : आपने हाल ही में मरहम के साथ मिलकर थैलेसीमिया पर एक संगोष्ठी भी आयोजित की थी। वह किस बारे में थी?

डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल : यह उन निरंतर प्रयासों का हिस्सा था, जिनका उद्देश्य चिकित्सकों, विशेषकर बड़े महानगरों से बाहर काम करने वाले चिकित्सकों को उपचार और तकनीक के क्षेत्र में हो रही प्रगति से अवगत कराना है।

मरीजों के लिए जागरूकता अभियान महत्वपूर्ण हैं, लेकिन यह सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है कि चिकित्सा विशेषज्ञ नवीनतम जांच और उपचार पद्धतियों से परिचित रहें।

इस तरह की संगोष्ठियां हमें इसके लिए एक मंच उपलब्ध कराती हैं। साथ ही, इससे मरीजों को तेजी से सही तरीके से जांच और उपचार उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक रेफरल और सहयोग नेटवर्क तैयार करने में भी मदद मिलती है।

प्रश्न : अस्थि-मज्जा प्रत्यारोपण को अक्सर थैलेसीमिया का एकमात्र वास्तविक उपचार कहा जाता है। टीएससीएस इस दिशा में किस तरह काम कर रही है?

डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल : यह विषय मेरे दिल के बहुत करीब है। हमने बजाज इलेक्ट्रॉनिक्स, नारायण हृदयालय और बेंगलुरु स्थित संकल्प इंडिया फाउंडेशन के साथ साझेदारी की है, जिसके तहत परिवारों को निःशुल्क एचएलए टाइपिंग, अस्थि-मज्जा प्रत्यारोपण परामर्श और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। प्रत्यारोपण का निर्णय केवल चिकित्सा से जुड़ा हुआ विषय नहीं है। यह पूरे परिवार के लिए भावनात्मक और आर्थिक रूप से भी महत्वपूर्ण होता है। सच कहूं तो परामर्श भी चिकित्सा प्रक्रिया जितना ही महत्वपूर्ण है।

हमारा उद्देश्य बिल्कुल स्पष्ट हैकिसी परिवार को केवल आर्थिक संसाधनों के अभाव में संभावित उपचार या इलाज के अवसर से वंचित नहीं होना चाहिए।

प्रश्न : टीएससीएस के मिशन में रोकथाम की बात बार-बार सामने आती है। यह आपके लिए व्यक्तिगत रूप से इतना महत्वपूर्ण क्यों है?

डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल : क्योंकि केवल उपचार कभी भी पर्याप्त नहीं होने वाला था। थैलेसीमिया और सिकल सेल रोग आनुवंशिक बीमारियां हैं और सही जागरूकता के साथ इन्हें पूरी तरह रोका जा सकता है।

शादी से पहले या गर्भावस्था के शुरुआती चरण में किया जाने वाला एक साधारण रक्त परीक्षण, एचबीए2 जांच, यह पता लगाने में मदद कर सकता है कि कोई दंपती इन रोगों के वाहक हैं या नहीं।

लेकिन सच्चाई यह है कि भारत में अधिकांश परिवारों को इसके बारे में तब पता चलता है, जब बच्चा जन्म ले चुका होता है और उसमें बीमारी के लक्षण दिखाई देने लगते हैं।

मैंने इसे अपने परिवार में बहुत करीब से देखा है। मेरी पोती नित्या में शैशवावस्था में अचानक स्वास्थ्य में बदलाव के बाद थैलेसीमिया का पता चला। उसके साथ इस स्थिति से गुजरना ही वास्तव में वह अनुभव था, जिसने मुझे इस कार्य में पूर्णकालिक रूप से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इसीलिए आज हमारे काम का एक बड़ा हिस्सा अनिवार्य प्रसवपूर्व जांच को बढ़ावा देने, जन-जागरूकता अभियान चलाने और रेड द सिटी जैसे रक्तदान अभियानों के माध्यम से लोगों को जागरूक करने पर केंद्रित है।

हमारा उद्देश्य यही है कि भविष्य में कम से कम परिवारों को ऐसी स्थिति से गुजरना पड़े।

प्रश्न : टीएससीएस ने हाल ही में अपनी 25वीं वर्षगांठ मनाई और इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय डॉक्टर दिवस पर आपको भी सम्मानित किया गया। पीछे मुड़कर देखने पर आपको सबसे अधिक क्या याद आता है?

डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल : ईमानदारी से कहूं तो मेरे लिए कोई एक उपलब्धि या एक पड़ाव सबसे महत्वपूर्ण नहीं है। वर्षों के दौरान जिन बच्चों और परिवारों से मेरा सामना हुआ, उनका संघर्ष और उनका हौसला मेरे लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है।

ऐसे बच्चे हैं, जिन्हें हर कुछ सप्ताह में रक्त आधान की आवश्यकता होती है, लेकिन इसके बावजूद वे उसी साहस और सामान्य भावनाओं के साथ अपनी जिंदगी जीते हैं। ऐसे माता-पिता हैं, जो केवल उम्मीद लेकर घंटों की यात्रा करके यहां पहुंचते हैं।

यही चीज इस संस्था को आगे बढ़ाती है। किसी भी व्यक्तिगत सम्मान से कहीं अधिक यह हमारे काम की प्रेरणा है।

मुझे मिलने वाला कोई भी सम्मान वास्तव में उन चिकित्सकों, कर्मचारियों और स्वयंसेवकों का है, जो हर दिन यहां उपस्थित होकर अपना योगदान देते हैं।

प्रश्न : अंतिम सवालटीएससीएस के लिए अब आगे क्या है? लोगों को किन गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए?

डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल : फिलहाल अक्टूबर में जीएएनएसआईडी कांग्रेस 2026 की मेजबानी सबसे बड़ी गतिविधि है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि भविष्य में यह ऐसा आयोजन बने, जिसे हम नियमित रूप से आयोजित कर सकें और यह हमारे लिए वैश्विक स्तर पर संवाद और सहभागिता का एक स्थायी मंच बने।

इसके अलावा हम खम्मम और कुरनूल से आगे भी उन जिलों तक अपनी सेवाओं का विस्तार करना चाहते हैं, जहां चिकित्सा सुविधाएं पर्याप्त नहीं हैं। हम तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में प्रसवपूर्व जांच को अधिक नियमित और सामान्य प्रक्रिया बनाने की दिशा में काम जारी रखना चाहते हैं।

साथ ही, हम अनुसंधान के क्षेत्र में साझेदारियां बढ़ाना चाहते हैं, ताकि हमारे मरीजों को उन चिकित्सा प्रगतियों और नवीनतम उपचार सुविधाओं तक पहुंच मिल सके, जिनकी चर्चा वैश्विक मंचों पर हो रही है।

मेरा सपना नहीं बदला है और शायद कभी नहीं बदलेगाएक ऐसा भविष्य, जहां किसी बच्चे को किसी ऐसे रक्त विकार के कारण पीड़ा न सहनी पड़े, जिसे रोका जा सकता है।

मैं एक ऐसा भारत देखना चाहता हूं जो वास्तव में थैलेसीमिया मुक्त भारत हो।

जब तक हम इस लक्ष्य तक नहीं पहुंच जाते, तब तक हमारा प्रयास जारी रहेगाएक मरीज और एक परिवार के साथ, एक-एक कदम आगे बढ़ते हुए।

अधिक जानकारी के लिए : टीएससीएस की सेवाओं, आगामी कार्यक्रमों और जीएएनए-सआईडी कांग्रेस 2026 से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए www.tscsindia.org पर संपर्क किया जा सकता है।

राजभाषा हिंदी : इतिहास, विकास और आवश्यकता

लोकतंत्र केवल संविधान, संसद और न्यायपालिका से संचालित नहीं होता; उसकी वास्तविक शक्ति शासन और नागरिक के बीच स्थापित उस संवाद में निहित होती है, जो विश्वास, पारदर्शिता और सहजता पर आधारित हो। यह संवाद जितना स्पष्ट और जनसुलभ होगा, लोकतंत्र उतना ही सुदृढ़ होगा। इसी कारण भाषा का प्रश्न केवल भाषावैज्ञानिक विमर्श का विषय नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक शासन-व्यवस्था का मूल प्रश्न भी है। शासन की भाषा यदि जनता की समझ से दूर हो जाए, तो अधिकार और उत्तरदायित्व दोनों ही सीमित होकर रह जाते हैं। इसलिए किसी भी स्वतंत्र राष्ट्र के लिए प्रशासन की भाषा का निर्धारण केवल सुविधा का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय नीति का महत्वपूर्ण निर्णय होता है।

भारत की स्वतंत्रता ने केवल विदेशी शासन की बेड़ियाँ नहीं तोड़ीं, बल्कि आत्मनिर्भर राष्ट्र-निर्माण की एक नई यात्रा का शुभारंभ भी किया। 15 अगस्त 1947 को प्राप्त राजनीतिक स्वतंत्रता को स्थायी स्वरूप देने के लिए संविधान सभा ने जिस संविधान की रचना की, उसका उद्देश्य केवल शासन की व्यवस्था निर्धारित करना नहीं था, बल्कि एक ऐसे लोकतांत्रिक भारत की नींव रखना था जहाँ न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व केवल आदर्श न रहकर व्यवहार का आधार बनें। इस विराट दायित्व के बीच भाषा का प्रश्न स्वाभाविक रूप से अत्यंत संवेदनशील बनकर उभरा।

भारत की सबसे बड़ी विशेषता उसकी भाषाई और सांस्कृतिक विविधता है। यहाँ प्रत्येक भाषा अपने साथ एक समृद्ध साहित्य, लोकपरंपरा, सांस्कृतिक चेतना और ऐतिहासिक अनुभव लेकर चलती है। संविधान सभा इस सच्चाई से भली-भाँति परिचित थी कि भारत की एकता उसकी विविधता को स्वीकार करने में निहित है, न कि उसे समाप्त करने में। इसलिए भाषा संबंधी निर्णय लेते समय संविधान-निर्माताओं ने किसी एक भाषा को श्रेष्ठ और दूसरी को हीन मानने की भूल नहीं की। उन्होंने ऐसी व्यवस्था का निर्माण किया जिसमें राष्ट्रीय प्रशासन की आवश्यकताएँ भी पूरी हों और भारत की सभी भाषाओं का सम्मान भी सुरक्षित रहे।

यहीं से राजभाषा की अवधारणा का वास्तविक अर्थ स्पष्ट होता है। राजभाषा का आशय उस भाषा से है जिसका उपयोग शासन और प्रशासन के कार्यों में किया जाता है। इसका संबंध राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था से है, न कि किसी भाषा की सांस्कृतिक श्रेष्ठता से। यही कारण है कि भारतीय संविधान ने हिंदी को संघ की राजभाषा का स्थान प्रदान किया, जबकि संविधान में किसी भी भाषा को राष्ट्रभाषा घोषित नहीं किया गया। आज भी यह भ्रम व्यापक रूप से देखने को मिलता है कि हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा है। वस्तुतः संविधान ऐसा नहीं कहता। संविधान का यह संतुलित दृष्टिकोण भारत की लोकतांत्रिक संवेदनशीलता और संघीय संरचना का उत्कृष्ट उदाहरण है।

राजभाषा की व्यवस्था का उद्देश्य कभी भी अन्य भारतीय भाषाओं का स्थान लेना नहीं था। भारत की प्रत्येक भाषा राष्ट्रीय धरोहर है। तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, बांग्ला, मराठी, पंजाबी, असमिया, उड़िया, गुजराती, संस्कृत तथा अन्य सभी भारतीय भाषाएँ हमारी सांस्कृतिक अस्मिता की अमूल्य निधि हैं। हिंदी को राजभाषा का दायित्व इसलिए सौंपा गया कि वह प्रशासनिक कार्यों में व्यापक संपर्क भाषा के रूप में अपनी भूमिका निभा सके और शासन को जनता के अधिक निकट ला सके। इसलिए राजभाषा की अवधारणा का मूल तत्व समन्वय है, प्रतिस्पर्धा नहीं; सहयोग है, वर्चस्व नहीं।

यदि लोकतंत्र का उद्देश्य नागरिक को शासन का सहभागी बनाना है, तो प्रशासन की भाषा भी ऐसी होनी चाहिए जिसे नागरिक सहज रूप से समझ सके। सरकारी योजनाएँ, कानून, अधिसूचनाएँ, न्यायिक प्रक्रियाएँ और लोकसेवाएँ तभी प्रभावी बन सकती हैं जब वे जनता की भाषाई पहुँच के भीतर हों। यही कारण है कि राजभाषा का प्रश्न केवल हिंदी का प्रश्न नहीं, बल्कि सुशासन, पारदर्शिता और नागरिक अधिकारों का प्रश्न भी है। भाषा प्रशासन को मानवीय बनाती है; वह शासन को जनता से जोड़ती है और लोकतंत्र को व्यवहार में जीवंत करती है।

इसी पृष्ठभूमि में यह समझना आवश्यक है कि हिंदी की राजभाषा तक की यात्रा किसी एक दिन या एक निर्णय का परिणाम नहीं थी। यह भारतीय इतिहास, लोकभाषाओं, संत परंपरा, स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्रीय पुनर्जागरण की दीर्घ ऐतिहासिक प्रक्रिया का स्वाभाविक निष्कर्ष थी। इसी ऐतिहासिक यात्रा ने संविधान सभा के समक्ष हिंदी को एक सशक्त प्रशासनिक माध्यम के रूप में प्रस्तुत किया।

संविधान , सभा और राजभाषा का निर्णय

स्वतंत्र भारत की संविधान सभा के सामने भाषा का प्रश्न अत्यंत विचारशील और संवेदनशील विषय था। भारत केवल भौगोलिक रूप से विशाल देश नहीं था, बल्कि अनेक भाषाओं और संस्कृतियों का महासंगम था। इसलिए संविधान निर्माताओं के लिए यह आवश्यक था कि भाषा संबंधी निर्णय ऐसा हो, जो राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करे और साथ ही भारत की भाषाई विविधता का सम्मान भी बनाए रखे।

संविधान सभा में भाषा को लेकर व्यापक चर्चा हुई। कुछ सदस्य हिंदी को संघ की भाषा बनाए जाने के पक्ष में थे, क्योंकि हिंदी का व्यापक जनसंपर्क क्षेत्र और सरल स्वरूप उसे प्रशासनिक संपर्क के लिए उपयुक्त बनाता था। वहीं अनेक सदस्यों ने यह चिंता भी व्यक्त की कि गैर-हिंदी भाषी क्षेत्रों की भाषाई अस्मिता और भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। इन सभी विचारों को ध्यान में रखते हुए एक संतुलित व्यवस्था विकसित की गई।

यह निर्णय भारतीय लोकतंत्र की उस विशेषता को दर्शाता है, जिसमें सहमति और समन्वय को सर्वोच्च महत्व दिया गया। हिंदी को संघ की राजभाषा स्वीकार किया गया, लेकिन साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया कि भारत की अन्य भाषाओं का सम्मान बना रहे और प्रशासनिक आवश्यकताओं के लिए अंग्रेज़ी के प्रयोग की व्यवस्था भी जारी रहे।

14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। बाद में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 में यह व्यवस्था की गई कि संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी। इसी अनुच्छेद में अंकों के स्वरूप और अंग्रेज़ी के प्रयोग से संबंधित प्रावधान भी किए गए।

यहाँ यह समझना आवश्यक है कि संविधान निर्माताओं ने हिंदी को राजभाषा बनाते समय व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाया था। वे जानते थे कि प्रशासनिक व्यवस्था एक दिन में नहीं बदल सकती। शासन के विभिन्न क्षेत्रों में अंग्रेज़ी का व्यापक प्रयोग था और देश के सभी भागों में प्रशासनिक कार्यों को सुचारु बनाए रखना भी आवश्यक था। इसलिए भाषा परिवर्तन को क्रमिक और संतुलित प्रक्रिया के रूप में स्वीकार किया गया।

संविधान के भाग 17 में अनुच्छेद 343 से 351 तक राजभाषा संबंधी प्रावधान किए गए हैं। इनमें संघ की राजभाषा, राज्यों की भाषाएँ, न्यायालयों और विधायी कार्यों में भाषा का प्रयोग, भाषाई अल्पसंख्यकों के अधिकार तथा हिंदी के विकास से संबंधित दिशा-निर्देश शामिल हैं।

अनुच्छेद 351 विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। इसमें संघ का यह कर्तव्य बताया गया है कि वह हिंदी भाषा के प्रसार और विकास को बढ़ावा दे, ताकि वह भारत की सामासिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके। यह प्रावधान स्पष्ट करता है कि संविधान की दृष्टि में हिंदी का विकास भारतीय भाषाओं के साथ समन्वय के आधार पर होना चाहिए।

राजभाषा व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि भाषा केवल कार्यालयों में प्रयोग की जाने वाली प्रणाली नहीं है। वह प्रशासन और जनता के बीच विश्वास का माध्यम है। यदि सरकारी भाषा सरल और स्पष्ट होगी, तो नागरिक अपने अधिकारों और योजनाओं को बेहतर ढंग से समझ पाएँगे। इसके विपरीत अत्यधिक कठिन और कृत्रिम भाषा प्रशासन को जनता से दूर कर सकती है।इसलिए आधुनिक समय में राजभाषा हिंदी के सामने सबसे बड़ी आवश्यकता केवल उसके प्रयोग को बढ़ाना नहीं, बल्कि उसे अधिक सरल, वैज्ञानिक, तकनीक-सक्षम और जनोन्मुख बनाना है। हिंदी को ऐसा माध्यम बनना होगा जो परंपरा और आधुनिकता, साहित्य और विज्ञान, प्रशासन और तकनीकसभी क्षेत्रों को जोड़ सके।

आज जब भारत डिजिटल युग में प्रवेश कर चुका है, तब राजभाषा की भूमिका और भी व्यापक हो गई है। ई-गवर्नेंस, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऑनलाइन सेवाएँ और डिजिटल संचार के क्षेत्र में भारतीय भाषाओं की उपयोगिता तेजी से बढ़ रही है। ऐसे समय में हिंदी के सामने नई संभावनाएँ भी हैं और नई चुनौतियाँ भी।

राजभाषा हिंदी: वर्तमान चुनौतियाँ और भविष्य की दिशा

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद राजभाषा हिंदी ने एक लंबी यात्रा तय की है। यह यात्रा केवल सरकारी कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग तक सीमित नहीं रही, बल्कि शिक्षा, मीडिया, साहित्य, विज्ञान, तकनीक और डिजिटल संचार तक विस्तृत हुई है। आज हिंदी विश्व की प्रमुख भाषाओं में अपनी पहचान रखती है। करोड़ों लोग हिंदी को बोलते, समझते और विभिन्न माध्यमों से प्रयोग करते हैं। किंतु किसी भाषा की वास्तविक शक्ति केवल उसके बोलने वालों की संख्या में नहीं, बल्कि इस बात में निहित होती है कि वह ज्ञान, प्रशासन और आधुनिक तकनीक के क्षेत्रों में कितनी समर्थ बनती है।

राजभाषा हिंदी के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती उसके प्रयोग की मात्रा नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता है। कई बार कार्यालयी हिंदी अत्यधिक कठिन शब्दों और जटिल वाक्य संरचनाओं के कारण सामान्य नागरिक से दूर हो जाती है। प्रशासनिक भाषा का उद्देश्य प्रभाव उत्पन्न करना नहीं, बल्कि अर्थ को स्पष्ट करना होना चाहिए। ऐसी हिंदी जो अधिकारी और कर्मचारी दोनों सहजता से लिख सकें तथा आम नागरिक सरलता से समझ सके, वही वास्तव में जनभाषा और राजभाषा के बीच सेतु का कार्य कर सकती है।

आज आवश्यकता है कि हिंदी को केवल अनुवाद की भाषा न बनाया जाए, बल्कि मौलिक चिंतन और ज्ञान-विज्ञान की भाषा के रूप में विकसित किया जाए। विज्ञान, तकनीक, चिकित्सा, कानून, प्रबंधन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में हिंदी की उपस्थिति बढ़ाना समय की मांग है। नई पीढ़ी को ऐसी हिंदी चाहिए जो परंपरा से जुड़ी हो, लेकिन आधुनिक विश्व की आवश्यकताओं को भी पूरा कर सके।

डिजिटल युग ने भारतीय भाषाओं के लिए नए अवसर खोले हैं। इंटरनेट, मोबाइल तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास ने यह सिद्ध कर दिया है कि भाषाओं का भविष्य केवल पुस्तकों और कार्यालयों तक सीमित नहीं है। आज हिंदी डिजिटल मंचों पर व्यापक रूप से प्रयोग हो रही है। आवश्यकता इस बात की है कि तकनीकी शब्दावली, सॉफ्टवेयर, अनुवाद प्रणाली और डिजिटल सामग्री का विकास इस प्रकार हो कि हिंदी ज्ञान-विनिमय का सशक्त माध्यम बन सके।

राजभाषा के विकास में अनुवाद की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। किंतु अनुवाद केवल शब्दों का परिवर्तन नहीं, बल्कि भाव और संदर्भ का सटीक संप्रेषण है। यांत्रिक अनुवाद कई बार भाषा की आत्मा को प्रभावित कर सकता है। इसलिए प्रशिक्षित अनुवादकों, भाषा विशेषज्ञों और तकनीकी साधनों के समन्वय की आवश्यकता है।

यह भी स्वीकार करना होगा कि हिंदी का विकास अन्य भारतीय भाषाओं के सहयोग और सम्मान के साथ ही संभव है। भारत की भाषाएँ एक-दूसरे की प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सहयात्री हैं। संस्कृत, तमिल, तेलुगु, बांग्ला, मराठी, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, पंजाबी और अन्य भारतीय भाषाओं ने हिंदी सहित समस्त भारतीय भाषाई संसार को समृद्ध किया है। भारतीय भाषाओं की यह साझी विरासत हमारी सांस्कृतिक शक्ति है।

राजभाषा हिंदी का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि हम उसे किस दृष्टि से देखते हैं। यदि हिंदी को केवल एक सरकारी औपचारिकता मान लिया जाएगा, तो उसका विकास सीमित रह जाएगा। लेकिन यदि उसे ज्ञान, प्रशासन, तकनीक और जनसंवाद की सशक्त भाषा बनाने का प्रयास किया जाएगा, तो वह विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

हिंदी दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर भी है। हमें विचार करना होगा कि क्या हमारी प्रशासनिक हिंदी वास्तव में जनता के निकट पहुँच रही है? क्या हमारी भाषा सरल, सहज और प्रभावी बन रही है? क्या हम हिंदी को आधुनिक ज्ञान-विज्ञान की भाषा बनाने के लिए पर्याप्त प्रयास कर रहे हैं?

भाषा का सम्मान केवल नारों से नहीं होता; वह उसके सार्थक प्रयोग से होता है। राजभाषा हिंदी तभी अपने उद्देश्य को प्राप्त करेगी, जब वह कार्यालयों की दीवारों से निकलकर नागरिकों के जीवन से जुड़ेगी। जब एक किसान अपनी योजना की जानकारी सरल हिंदी में समझ सके, जब एक विद्यार्थी विज्ञान और तकनीक का ज्ञान हिंदी में प्राप्त कर सके, जब एक नागरिक प्रशासन से सहज संवाद कर सकेतभी राजभाषा की वास्तविक भावना पूर्ण होगी।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि राजभाषा हिंदी भारत की लोकतांत्रिक यात्रा का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। यह किसी भाषा के वर्चस्व का नहीं, बल्कि संवाद, सहभागिता और सुशासन का माध्यम है। हिंदी का भविष्य उसके विस्तार में ही नहीं, बल्कि उसकी सरलता, वैज्ञानिकता और समावेशिता में निहित है।

एक सशक्त राजभाषा वही होती है जो जनता की भाषा बने, ज्ञान की भाषा बने और भविष्य की भाषा बने।

-डॉ कुमुद बाला
रिटायर्ड प्राध्यापिका
हैदराबाद

संपादकीय

जेन-जी का 'चुनावी तराना'

आजकल युवाओं, जेन-जी को साधने, लुभाने, पुचकारने और उसके तराने गाने की होड़ मची है। इसमें प्रधानमंत्री मोदी सबसे आगे हैं। वह जिस आयोजन में जा रहे हैं अथवा गुजरात के वडोदरा में 'डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर' का उद्घाटन और 35,000 करोड़ रुपए की घोषणाएं कर रहे हों या 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट' को संबोधित कर रहे हों, उन्हें चारों तरफ 'युवा-युवा' ही दिखाई देते हैं। कमाल यह है कि जेन-जी भी प्रधानमंत्री से जुड़ाव महसूस कर रहे हैं और उन्हें ही 'विकसित भारत' की बुनियाद का नेता मान रहे हैं। संभव है कि ऐसे बयान 'प्रायोजित' हों! प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में कुछ दीक्षांत समारोहों और श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के शताब्दी समारोह के मंचों से भी जेन-जी को साधने के प्रयास किए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बीते कुछ समय से 'छात्रों की गूंज' के जरिए जेन-जी के 'सबसे बड़े हमदर्द' साबित होने की राजनीति खेल रहे हैं। वह अपने आवास पर युवाओं से मुलाकातें कर रहे हैं और देश का विमर्श साझा कर रहे हैं। जेन-जी के कुछ चेहरों के साथ पुलिस स्टेशन तक जाकर और छोटा-सा धरना देकर प्राथमिकी दर्ज करवा रहे हैं, ताकि युवाओं का जन-समर्थन बटोरा जा सके। यहां तक कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी कबूल किया है कि नई पीढ़ी, नई सोच के साथ नई पोशाक भी होनी चाहिए। नतीजतन उन्होंने 'समाजवाद' का रंग भी 'नीला' कर दिया है। समाजवादी नौजवान सभा से जुड़े काडर की वेशभूषा लाल-हरी के बजाय 'गहरी नीली' कर दी गई है। वह 'काली-सी' लगती है। अखिलेश की एक आंख जेन-जी पर है, तो दूसरी आंख दलितों पर है, लिहाजा बाबा अंबेडकर का राग अलापना और हर पार्टी-कार्यालय में अंबेडकर के चित्र को 'अनिवार्य' घोषित किया है। जेन-जी के प्रति ये तराने निस्वार्थ नहीं हैं। चुनाव जीतने के मद्देनजर जेन-जी के सुर बजाए जाने लगे हैं। यदि हमारी राजनीतिक जमात की युवाओं के प्रति चिंता और प्रतिबद्धता वाकई गंभीर होती, तो कमोबेश देश में 8.70 करोड़ युवा ऐसे न होते, जो न तो पढ़ रहे हैं, न काम कर रहे हैं और न ही कोई ट्रेनिंग प्राप्त कर रहे हैं। यह कोई निजी डाटा नहीं, बल्कि भारत सरकार के नीति आयोग के अध्ययन का निष्कर्ष है। बहरहाल 2027 में 7 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। उनमें उप्र, गुजरात, पंजाब आदि राज्यों के चुनाव बेहद महत्वपूर्ण हैं। उप्र में अब 4.54 करोड़ जेन-जी मतदाता हैं। गुजरात में 1.23 करोड़ अर्थात करीब 28 फीसदी युवा मतदाता हैं। पंजाब में यह संख्या 53.87 लाख है। मणिपुर में 4.71 लाख और गोवा में 2.10 लाख जेन-जी मतदाता हैं। ये मतदाता किसी भी दल की सरकार बनवाने और स्थापित सत्ता को उखाड़ फेंकने में सक्षम हैं। मजबूरन जेन-जी के तराने गाने पड़ रहे हैं। 2029 के लोकसभा चुनाव की घंटियां अभी से बजनी शुरू हो गई हैं। जेन-जी आबादी 37-38 करोड़ बताई जा रही है। अब हर चार मतदाताओं में से एक मतदाता जेन-जी है। कल्पना करें कि यदि अमरीकी आबादी से अधिक इतने मतदाताओं में ध्रुवीकरण होता है, तो चुनाव के नतीजे क्या हो सकते हैं? शायद इसी चुनाव-नीति के मद्देनजर प्रधानमंत्री मोदी ने सभी मंत्रियों और पार्टी स्तर पर सांसदों, विधायकों और पदाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय हों और जेन-जी से खुद को साझा करें। मंत्री और सांसद आदि विश्वविद्यालयों में भी जाएंगे और एक पूरा दिन युवा छात्रों के बीच बिताएंगे। उनकी समस्याओं को समझने के प्रयास करेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन भी जेन-जी का तराना गाएंगे। क्या ऐसी कवायदों से जेन-जी को पटाया जा सकता है या भाजपा के साथ जोड़ा जा सकता है? वैसे 2024 के आम चुनाव में 40 फीसदी से अधिक युवाओं ने भाजपा के पक्ष में वोट दिया था। उसके बाद अब परिदृश्य बिल्कुल बदल चुका है। बेशक जेन-जी ने प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग या सत्ता-परिवर्तन का आह्वान नहीं किया है, लेकिन वे शिक्षा, स्कूल, परीक्षा और रोजगार को लेकर व्यवस्था-परिवर्तन करना चाहते हैं। व्यवस्था-परिवर्तन के मायने क्या होते हैं? बेशक सरकार और विभिन्न राजनीतिक दल महसूस कर रहे हैं कि यदि जेन-जी का आक्रोश, गुस्सा, विद्रोह अपनी हदें लांघने लगेगा, तो कोई भी सत्ता बच नहीं पाएगी। यह वह समय है जब सभी दलों को युवाओं से जुड़े मसलों के प्रति सहानुभूति वाली रवैया अपनाना होगा। चुनाव के एजेंडे में युवा मसलों को जगह देनी होगी। युवाओं का सबसे बड़ा मुद्दा उन्हें शिक्षा के मुताबिक रोजगार दिलाना है। यह निश्चित है कि करोड़ों की संख्या में सभी युवाओं को सरकारी नौकरियां नहीं दी जा सकतीं। सार्वजनिक नौकरियों की अपनी सीमाएं हैं। इसलिए निजी क्षेत्र को इस तरह विकसित करना होगा कि वहां युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिले।

प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में कुछ दीक्षांत समारोहों और श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के शताब्दी समारोह के मंचों से भी जेन-जी को साधने के प्रयास किए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बीते कुछ समय से 'छात्रों की गूंज' के जरिए जेन-जी के 'सबसे बड़े हमदर्द' साबित होने की राजनीति खेल रहे हैं। वह अपने आवास पर युवाओं से मुलाकातें कर रहे हैं और देश का विमर्श साझा कर रहे हैं। जेन-जी के कुछ चेहरों के साथ पुलिस स्टेशन तक जाकर और छोटा-सा धरना देकर प्राथमिकी दर्ज करवा रहे हैं, ताकि युवाओं का जन-समर्थन बटोरा जा सके। यहां तक कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी कबूल किया है कि नई पीढ़ी, नई सोच के साथ नई पोशाक भी होनी चाहिए। नतीजतन उन्होंने 'समाजवाद' का रंग भी 'नीला' कर दिया है। समाजवादी नौजवान सभा से जुड़े काडर की वेशभूषा लाल-हरी के बजाय 'गहरी नीली' कर दी गई है। वह 'काली-सी' लगती है। अखिलेश की एक आंख जेन-जी पर है, तो दूसरी आंख दलितों पर है, लिहाजा बाबा अंबेडकर का राग अलापना और हर पार्टी-कार्यालय में अंबेडकर के चित्र को 'अनिवार्य' घोषित किया है। जेन-जी के प्रति ये तराने निस्वार्थ नहीं हैं। चुनाव जीतने के मद्देनजर जेन-जी के सुर बजाए जाने लगे हैं। यदि हमारी राजनीतिक जमात की युवाओं के प्रति चिंता और प्रतिबद्धता वाकई गंभीर होती, तो कमोबेश देश में 8.70 करोड़ युवा ऐसे न होते, जो न तो पढ़ रहे हैं, न काम कर रहे हैं और न ही कोई ट्रेनिंग प्राप्त कर रहे हैं।

वर्ष 2015 में मुंबई के मालवानी में जहरीली शराब से 100 लोगों की मौत हो गई थी

शराब बन रही काल, बचने का क्या है उपाय

देश में जहरीली शराब से मौत के बढ़ते मामले चिंताजनक हैं। ताजा मामला मध्यप्रदेश का है। राज्य के सागर जिले के बंडा और शाहगढ़ तहसील के गांवों में नकली व जहरीली शराब पीने से दो दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। कई लोगों को इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। एक माह के भीतर देश में यह दूसरी बड़ी शराब त्रासदी है जिससे समस्या की गंभीरता का पता चलता है। पिछले माह गुजरात के भावनगर जिले में नकली और जहरीली शराब पीने से एक दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। गत मई माह में भी महाराष्ट्र में जहरीली शराब से डेढ़ दर्जन से ज्यादा लोग कालकवलित होने का मामला सामने आया था। तमिलनाडु, राजस्थान, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार और असम में भी अवैध शराब के सेवन से मौत की कई घटनाएं हो चुकी हैं। वर्ष 2015 में मुंबई के मालवानी में जहरीली शराब से 100 लोगों की मौत हो गई थी। इसी तरह पंजाब में वर्ष 2020 में मिलावटी शराब पीने से 100 से अधिक लोग काल के ग्रास में समा गए थे। शराबबंदी के बावजूद बिहार के सारण में वर्ष 2022 में जहरीली शराब पीने से 40 लोगों की मौत ने पूरे देश को हिला दिया था। इसी तरह जून 2024 में तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले में जहरीली शराब से 50 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। जिस देश में दूषित जल और नकली दवाइयों की वजह से लोगों की मौत के मामले सामने आते रहते हैं, वहां जहरीली शराब से होने वाली मौतें किसी को आश्चर्यचकित नहीं करती। फिर, शराब की लत के शिकार लोगों के प्रति हेय दृष्टि की वजह से ऐसे मामलों में पीड़ित लोग सहानुभूति तक के लिए तरस जाते हैं। मध्यप्रदेश और गुजरात की शराब दुखांतिकाओं में एक खास समानता यह है कि दोनों ही मामलों में नकली ब्रांडेड शराब हादसे का कारण बनी। जाहिर है शराब माफिया अवैध रूप से निर्मित शराब की बोतलों पर ब्रांडेड शराब के लेबल लगा कर बेच रहे हैं। असली शराब में इथेनॉल होता है, जबकि नकली और अवैध शराब में औद्योगिक ग्रेड का मेथनॉल इस्तेमाल किया जाता है। यही ज्यादातर शराब त्रासदियों के लिए जिम्मेदार होता है। मध्यप्रदेश की शराब दुखांतिका के लिए भी यही जिम्मेदार माना जा रहा है। गुजरात में जिस नकली ब्रांडेड शराब पीने से हादसा हुआ उसमें करीब 38 प्रतिशत तक मेथनॉल पाया गया था। मेथनॉल का इस्तेमाल करके शराब बनाई जाती है तो वह जहरीली हो जाती है। मेथनॉल की गंध और स्वाद सामान्य शराब यानी इथेनॉल से मिलते-जुलते हो सकते हैं, जिससे मिलावट का पता लगाना मुश्किल होता है। संविधान में सरकार से अपेक्षा की गई है कि वह शराब के सेवन को हतोत्साहित करने के लिए प्रयास करेगी। इसलिए शराब पर अधिक से अधिक टैक्स की पैरवी की जाती है और शराबबंदी के पक्ष में भी माहौल बनाया जाता है। शराब की वजह से सेहत ही नहीं, परिवार और समाज को होने वाले नुकसान के लिहाज से तो ये दोनों कदम ठीक लगते हैं लेकिन व्यवहार में इसके दुष्परिणाम सामने आते हैं। अत्यधिक टैक्स से वैध शराब महंगी हो जाने के कारण गरीबों की पहुंच से दूर हो जाती है। कमजोर वर्ग के लोग अवैध रूप से बनने वाली सस्ती शराब खरीदने लगते हैं, जो जानलेवा साबित होती है। मध्यप्रदेश में पीड़ितों के परिजनों और स्थानीय लोगों का कहना है कि यह शराब कुछ सस्ती थी और दुकानदारों ने भरोसा दिलाया था कि यह नकली नहीं है। सस्ती के चक्कर में लोगों ने इसे खरीदा जिससे कई लोग काल के ग्रास में समा गए। शराब पर ज्यादा से ज्यादा टैक्स लगाने से राजकोष जरूर भरता है लेकिन शराब पीने की प्रवृत्ति पर खास असर नहीं हो रहा। बाजार में सस्ती शराब की मांग के कारण अवैध रूप से शराब बनाने और बेचने का नेटवर्क जरूर मजबूत हो रहा है। इसलिए शराब की कीमतों को तर्कसंगत बनाया जाना चाहिए। दूसरी तरफ जब शराबबंदी लागू की जाती है, तो लोग ब्रांडेड शराब भी चोरी छिपे खरीदते हैं, जिससे नकली ब्रांडेड शराब का अवैध कारोबार भी जड़ें जमा लेता है। जैसे गुजरात में जो हादसा हुआ, उसमें पीड़ितों ने नामी ब्रांड की नकली शराब का सेवन किया था जो जहरीली थी। लोगों को शराब से दूर रखने, उनका स्वास्थ्य बचाने और महिलाओं की सुरक्षा के लिए शराबबंदी का समर्थन किया जाता है। संविधान का आर्टिकल 47 (राज्य के नीति-निर्देशक तत्व) राज्य को शराबबंदी लागू करने के लिए प्रोत्साहित करता है। हालांकि नीति-निर्देशक तत्व कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं हैं, लेकिन इसमें कहा गया है कि "राज्य औषधीय उपयोग को छोड़कर नशीले पदार्थों और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नशीली दवाओं के सेवन पर रोक लगाने की कोशिश करेगा।" मुश्किल यह है कि जब शराबबंदी पूरी तरह लागू होती है तो अवैध बाजार बढ़ता है। शराब माफिया पनपता है। इसी वजह से ज्यादातर मामलों में शराबबंदी का प्रयोग विफल हुआ है। हरियाणा सरकार ने 1996 में शराबबंदी लागू की थी, लेकिन 1998 में इसे निरस्त कर दिया गया। आंध्र प्रदेश में 1994 में शराबबंदी लागू की गई, जिसे शीघ्र ही हटा लिया गया। केरल, मणिपुर और तमिलनाडु जैसे राज्यों ने भी कुछ समय के लिए शराबबंदी लागू की थी, लेकिन बाद में इसे समाप्त कर दिया गया। वर्तमान में गुजरात और बिहार में शराबबंदी जरूर लागू है, लेकिन वहां भी अवैध शराब माफिया पनप गया है। गुजरात में नामी ब्रांड की नकली शराब पीने से हुआ हादसा इसका उदाहरण है। मध्यप्रदेश और गुजरात के ताजा हादसे इस बात के गवाह है कि जिन राज्यों में शराबबंदी लागू है, वहां भी शराब माफिया का नेटवर्क मजबूत है और जिन राज्यों में शराबबंदी लागू नहीं है वहां भी शराब माफिया खुल कर खेल रहे हैं। इससे साफ है कि पुलिस, आबकारी विभाग और प्रशासन या तो शराब माफिया के आगे बेबस हैं या फिर मिलीभगत का खेल चल रहा है। दोनों ही स्थितियों में सरकारें अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकतीं। जब अपराधी बेखौफ हों तो जनता कैसे सुरक्षित रहेगी। सवाल यह है कि कानून का राज कायम करने की जिम्मेदारी जिन संस्थाओं पर है, वे क्या सिर्फ आम आदमी को डराने—धमकाने के लिए ही हैं। शराब माफिया पर कठोर कार्रवाई आवश्यक है। जहरीली शराब से मौतें तभी रुकेंगी जब जहरीली शराब बनना बंद होगी। अगर प्रशासन चाहे तो कठोर कार्रवाई कर शराब के इन ठिकानों को ध्वस्त कर सकता है और जहरीली शराब बनाने पर रोक लगा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, दुनिया भर में हर साल शराब की वजह से लगभग 30 लाख लोगों की जान चली जाती है। भारत में भी हर साल शराब पीने से करीब 2.6 लाख लोगों की मौत होती है जिसमें जहरीली शराब से होने वाली मौतें भी शामिल हैं। जाहिर है, शराब की लत में फंसे लोगों के लिए उपचार और पुनर्वास कार्यक्रम चलाना जरूरी है। नशामुक्ति केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाए। गरीबों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर ध्यान दिया जाए। शराबखोरी के खिलाफ माहौल बनाने के लिए जनजागरण जरूरी है।

राज्य के सागर जिले के बंडा और शाहगढ़ तहसील के गांवों में नकली व जहरीली शराब पीने से दो दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। कई लोगों को इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। एक माह के भीतर देश में यह दूसरी बड़ी शराब त्रासदी है जिससे समस्या की गंभीरता का पता चलता है। पिछले माह गुजरात के भावनगर जिले में नकली और जहरीली शराब पीने से एक दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। गत मई माह में भी महाराष्ट्र में जहरीली शराब से डेढ़ दर्जन से ज्यादा लोग कालकवलित होने का मामला सामने आया था। तमिलनाडु, राजस्थान, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार और असम में भी अवैध शराब के सेवन से मौत की कई घटनाएं हो चुकी हैं।

कुछ अलग

धनियों का कायाकल्प

इस देश में विपदा और अच्छे दिनों के अर्थ में अंतर कम होता जा रहा है। जिस प्रकार देश की आबादी बढने के साथ-साथ एक ओर काम करने योग्य आबादी बढ़ती है, इसी तरह सस्ता राशन लेने वालों की संख्या भी बढ़ती जाती है। सरकार के लिए यह संतोष का विषय हो सकता है कि दुनिया में 81 करोड़ से अधिक लोगों में सस्ता राशन बांटने वाले देशों में उसका रिकार्ड बन गया है। इसी तरह एक उपलब्धि के साथ एक विसंगति पालने का उसका रिकार्ड भी चिरंजीवी हो बलैयां पा गया है। इस बात के पिष्टपोषण के लिए आप कह सकते हैं, कि देखो हमारे शहर कृत्रिम मेधाजीवी हो गए। इनकी पहचान हर इलाके में सिर उठाती हुई बहुमंजिली इमारतों की तादाद से होने लगी, परंतु यह विसंगति बेपहचानी रह गई कि इनमें से बहुत-सी शानदार इमारतों ने जब सिर उठाया तो उन्होंने भूमि अतिक्रमण में शहर के नाले और सीवरेज लपेट लिए।

देश दुनिया से

तुलना का जहर, खुशी का अमृत

क्या हमने कभी गुलाब को कमल बनने की कोशिश करते देखा है? क्या आम का पेड़ कभी बरगद से ईर्ष्या करता है? क्या नदी समुद्र से शिकायत करती है कि वह उससे छोटी क्यों है? प्रकृति में कहीं तुलना नहीं है, इसलिए वहां संघर्ष नहीं, केवल विकास है। तुलना केवल मनुष्य करता है, और शायद यही हमारी सबसे बड़ी त्रासदी है। जिस दिन हमने स्वयं को दूसरों की आंखों से देखना शुरू किया, उसी दिन हमने अपनी सहज मुस्कान खो दी। तब से हम जीने से अधिक साबित करने में लगे हैं। हम अपनी खुशी नहीं जीते, बल्कि दूसरों को दिखाने के लिए खुशी का अभिनय करते हैं। सच तो यह है कि यदि आज परमात्मा हमारे सामने प्रकट होकर केवल एक वरदान देने को कहे और पूछे कि 'हमेशा खुश रहने के लिए तुम्हें सबसे पहले क्या छोड़ना होगा?' तो अधिकांश लोग गरीबी, क्रोध, अहंकार या आलस्य का नाम लेंगे। लेकिन आधुनिक मनोविज्ञान और भारतीय दर्शन दोनों जिस उत्तर की ओर संकेत करते हैं, वह है, तुलना। तुलना वह अदृश्य चोर है जो हमारी खुशियां चुरा लेता है, बिना दरवाजा तोड़े, बिना आवाज किए। आज का मनुष्य इतिहास का सबसे सुविधासंपन्न मनुष्य है। हमारे पास वातानुकूलित घर हैं, तेज गाड़ियां हैं, मोबाइल फोन हैं, इंटरनेट है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता है, विश्व भर की जानकारी उसकी उंगलियों पर है। फिर भी यदि मानसिक तनाव, अकेलापन, चिंता और अवसाद के आंकड़ों को देखें तो तस्वीर उलटी दिखाई देती है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि आज हम लगातार सोशल मीडिया के माध्यम से करोड़ों लोगों की चुनी हुई, चमकदार दिखने वाली जिंदगी से अपनी तुलना करते हैं। किसी की नई कार, किसी का विदेश भ्रमण, किसी की पदोन्नति, किसी की आलीशान शादी, किसी की फिटनेस, किसी के बच्चे की उपलब्धि, हर क्षण हमें यह संदेश देते हैं कि कोई न कोई हमसे आगे है। हम भूल जाते हैं कि सोशल मीडिया पर लोग अपना जीवन नहीं, अपने जीवन का सबसे सुंदर पोस्टर दिखाते हैं। इसी वास्तविकता को समझाने के लिए अमरीकी सामाजिक मनोवैज्ञानिक लियोन फेस्टिंगर ने 1954 में सोशल कम्पैरिजन थ्योरी प्रस्तुत की थी। उनका कहना था कि मनुष्य स्वाभाविक रूप से स्वयं का मूल्यांकन दूसरों से तुलना करके करता है। यह प्रवृत्ति कभी-कभी उपयोगी भी होती है, क्योंकि इससे हमें अपनी प्रगति का अनुमान मिलता है, लेकिन समस्या तब शुरू होती है जब तुलना प्रेरणा का साधन न रहकर हीन भावना का आधार बन जाती है। हमारे पड़ोसी की बड़ी कार, सहकर्मी की ज्यादा तनख्वाह, हमारे मित्र की सफलता हमारी चिंता का कारण बने तो हमारी खुशी हमारे हाथ में नहीं, दूसरों के हाथ में चली जाती है। तब हमारा जीवन हमारा नहीं रहता, वह दूसरों की उपलब्धियों का गुलाम बन जाता है। आज हम फोमो नाम की एक नई मनोवैज्ञानिक समस्या से ग्रस्त हैं। फोमो, यानी फियर ऑफ मिसिंग आउट, जिसका आशय इस भय से है कि कहीं हम किसी अनुभव, अवसर या सफलता से वंचित न रह जाएं। ऐसे में धीरे-धीरे हम अपनी वास्तविक आवश्यकताओं के अनुसार नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन को देखकर निर्णय लेने लगते हैं। यह केवल आर्थिक दबाव नहीं बढ़ाता, बल्कि मानसिक शांति भी छीन लेता है। न्यूरोसाइंस का एक रोचक तथ्य यह है कि जब हमें कोई उपलब्धि मिलती है तो मस्तिष्क में डोपामीन सक्रिय होता है। यह हमें उत्साह देता है, लेकिन यह प्रभाव अल्पकालिक होता है। यदि उसी समय हमें पता चले कि किसी दूसरे को हमसे बड़ी उपलब्धि मिल गई है, तो वही खुशी अचानक फीकी पड़ सकती है, अर्थात समस्या उपलब्धि की नहीं, तुलना की है। दूसरी ओर, जब हम कृतज्ञता का अभ्यास करते हैं, अपने जीवन में जो है उसे स्वीकार करते हैं और संबंधों, उद्देश्य तथा आत्म-विकास पर ध्यान देते हैं, तब मस्तिष्क में ऐसे न्यूरल मार्ग मजबूत होने लगते हैं जो दीर्घकालिक मानसिक संतुलन और संतोष से जुड़े हैं। विज्ञान अब यह मानने लगा है कि कृतज्ञता केवल एक नैतिक गुण नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य का वैज्ञानिक साधन भी है। भारतीय दर्शन ने हजारों वर्ष पहले उस सत्य को पहचान लिया था, जिसे आधुनिक मनोविज्ञान आज प्रयोगशालाओं में सिद्ध कर रहा है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि अपने स्वभाव और अपने मार्ग पर चलना ही श्रेष्ठ है। यह केवल धार्मिक उपदेश नहीं, बल्कि गहरे मनोवैज्ञानिक सत्य की अभिव्यक्ति है। जैसे ही हम अपने जीवन की तुलना किसी दूसरे के जीवन से करने लगते हैं, उसी क्षण हम अपने स्वधर्म से भटक जाते हैं। प्रत्येक मनुष्य की परिस्थितियां, क्षमताएं, संघर्ष और अवसर अलग-अलग हैं। फिर भी हम अपनी तुलना किसी दूसरे की केवल एक उपलब्धि से कर बैठते हैं। यह तुलना कभी न्यायपूर्ण हो ही नहीं सकती। आत्मस्वीकृति का अर्थ ठहर जाना नहीं है, इसका अर्थ है स्वयं को स्वीकार करते हुए आगे बढना। संतोष का अर्थ महत्वाकांक्षा का अंत नहीं, बल्कि महत्वाकांक्षा को ईर्ष्या से मुक्त करना है। तुलना का सबसे प्रभावी प्रतिरोध कृतज्ञता है। तुलना हमें बार-बार बताती है कि हमारे पास क्या नहीं है, कृतज्ञता हमें याद दिलाती है कि हमारे पास कितना कुछ है। तुलना अभाव पर केंद्रित है, कृतज्ञता उपलब्धियों पर। तुलना शिकायत पैदा करती है, कृतज्ञता विनम्रता। तुलना से ईर्ष्या जन्म लेती है, ईर्ष्या से तनाव, तनाव से चिड़चिड़ापन और धीरे-धीरे वही मानसिक थकान तथा अवसाद का रूप ले लेता है। इसके विपरीत यदि हम प्रतिदिन यह सोचने की आदत डालें कि जीवन ने हमें क्या-क्या दिया है- स्वास्थ्य, परिवार, मित्र, अवसर, अनुभव, सीख, तो हमारे भीतर संतोष की एक शांत धारा बहने लगती है।

आप का नज़रिया

एआई का स्याह सच

एआई के सूत्रधार रहे शोधकर्ता लगातार धारदार होती एआई को लेकर जो गंभीर चिंता जता रहे हैं, उसमें मानव सभ्यता के लिए आसन्न संकट की आहट सुनायी देती है। पहले भी दबी-खुली जुबान में एआई के संस्थापक सूत्रधार ऐसी चिंता गाहे-बगाहे जाहिर कर चुके हैं। इसी कड़ी में अब एन्थ्रोपिक के रिसर्चर जैकब कॉक्सन के इस्तीफे और उनकी इस बात पर व्यक्त की गई गंभीर चिंताओं ने इस बहस को और तेज कर दिया है। जब कोई ऐसा व्यक्ति जो एन्थ्रोपिक व ओपन एआई जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों में अहम भूमिका निभा चुका हो, यह दावा करता है कि एआई की बड़ी कंपनियां इंसानी जिंदगी के साथ जुआ खेल रही हैं, तो मामला गंभीर हो जाता है। ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही उठता है कि एआई से जुड़े शोध-अनुसंधान के कार्य को क्या जिम्मेदारी से आगे बढ़ाया जा रहा है? दरअसल, कॉक्सन की असली चिंता खुद को बेहतर बनाने वाली सुपरइंटेलिजेंस की तरफ बढ़ती अंधी होड़ है। जिसके बारे में आशंका जतायी जा रही है कि ऐसा सिस्टम तैयार किया जा रहा है जो आगे चलकर कई क्षेत्रों में इंसानी क्षमताओं से भी आगे निकल सकता है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, संसाधनों और संस्थानों को शिकार बनाने की क्षमता भी हासिल कर सकता है। इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि एन्थ्रोपिक के अपने अलाइनमेंट साइंस प्रमुख, इवान हुबिंगर ने भी माना है कि कंपनी के पास अभी तक सुपरइंटेलिजेंट सिस्टम को इंसानी हितों के अनुकूल बनाने का कोई समाधान मौजूद नहीं है। निश्चित रूप से ऐसी बातें एआई उद्योग के मूल में विद्यमान खतरनाक विरोधाभास को ही उजागर करती हैं। कंपनियां तेजी से यह मानकर चल रही हैं कि एडवांस्ड एआई से बहुत बड़े जोखिम मानवता के समक्ष उत्पन्न हो सकते हैं। लेकिन इस हकीकत को जानते-बूझते हुए भी इस क्षेत्र में जारी मारक स्पर्धा उन्हें ज्यादा सक्षम सिस्टम बनाने को बाध्य कर रही है। दरअसल, एआई के क्षेत्र में जारी विश्वव्यापी प्रतिस्पर्धा उन्हें लगातार उन्नत सिस्टम बनाने को मजबूर कर रही है। उनकी आशंका है कि यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो दूसरी कंपनी ऐसी पहल करके विश्व के एआई बाजार पर वर्चस्व बना लेगी। निश्चित रूप से यह अंधी होड़ एक दिन मानवता को एक भयावह तबाही के दरवाजे पर खड़ा कर सकती है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि आज दुनिया में एआई के प्रयोग से चिकित्सा, विज्ञान और उत्पादन के क्षेत्र में आशातीत लाभ मिले हैं। लेकिन इसके बावजूद तकनीकी प्रगति को सिर्फ इस आधार पर नहीं मापा जा सकता है कि उससे क्षमताएं कितनी बेहतर स्थिति में आ पहुंची हैं। एआई के क्षेत्र में की जा रही तरक्की के साथ सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसके साथ ही सुरक्षा और जवाबदेही भी उसी रफ्तार से आगे बढ़नी चाहिए। सही मायने में लगातार शोध-अनुसंधान के जरिये बड़े पैमाने पर उन्नत एआई क्षमताएं हासिल करने के गंभीर आक्षेप चिंता की बात है। यदि अमेरिका और चीन के बीच जारी गला-काट स्पर्धा शक्तिशाली एआई के विस्तार को तेज कर रही है और वहीं दूसरी ओर कंपनियां अपने सिस्टम को सुरक्षित रखने के लिये संघर्ष कर रही हैं तो इसके जोखिम कॉरपोरेट प्रतिस्पर्धा से कहीं अधिक बढ़ जाते हैं। निश्चित रूप से ऐसी स्थिति में सरकारें इंसानियत के भविष्य से जुड़े फैसले टेक कंपनियों के भरोसे नहीं छोड़ सकती हैं। बड़ी एआई लैब्स के लिये लागू करने योग्य सुरक्षा मानक, स्वतंत्र निगरानी व जोखिम का पारदर्शी आकलन करना जरूरी है। इसके अलावा एआई की सबसे खतरनाक क्षमताओं के विकास पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सीमाएं तय करनी बेहद जरूरी हैं। एआई के खिलाफ दुनिया में उठ रही आवाजों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए।

पहले भी दबी-खुली जुबान में एआई के संस्थापक सूत्रधार ऐसी चिंता गाहे-बगाहे जाहिर कर चुके हैं। इसी कड़ी में अब एन्थ्रोपिक के रिसर्चर जैकब कॉक्सन के इस्तीफे और उनकी इस बात पर व्यक्त की गई गंभीर चिंताओं ने इस बहस को और तेज कर दिया है। जब कोई ऐसा व्यक्ति जो एन्थ्रोपिक व ओपन एआई जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों में अहम भूमिका निभा चुका हो, यह दावा करता है कि एआई की बड़ी कंपनियां इंसानी जिंदगी के साथ जुआ खेल रही हैं, तो मामला गंभीर हो जाता है। ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही उठता है कि एआई से जुड़े शोध-अनुसंधान के कार्य को क्या जिम्मेदारी से आगे बढ़ाया जा रहा है? दरअसल, कॉक्सन की असली चिंता खुद को बेहतर बनाने वाली सुपरइंटेलिजेंस की तरफ बढ़ती अंधी होड़ है। जिसके बारे में आशंका जतायी जा रही है कि ऐसा सिस्टम तैयार किया जा रहा है जो आगे चलकर कई क्षेत्रों में इंसानी क्षमताओं से भी आगे निकल सकता है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, संसाधनों और संस्थानों को शिकार बनाने की क्षमता भी हासिल कर सकता है। इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि एन्थ्रोपिक के अपने अलाइनमेंट साइंस प्रमुख, इवान हुबिंगर ने भी माना है कि कंपनी के पास अभी तक सुपरइंटेलिजेंट सिस्टम को इंसानी हितों के अनुकूल बनाने का कोई समाधान मौजूद नहीं है। निश्चित रूप से ऐसी बातें एआई उद्योग के मूल में विद्यमान खतरनाक विरोधाभास को ही उजागर करती हैं। कंपनियां तेजी से यह मानकर चल रही हैं कि एडवांस्ड एआई से बहुत बड़े जोखिम मानवता के समक्ष उत्पन्न हो सकते हैं। लेकिन इस हकीकत को जानते-बूझते हुए भी इस क्षेत्र में जारी मारक स्पर्धा उन्हें ज्यादा सक्षम सिस्टम बनाने को बाध्य कर रही है।

दृष्टि कोण

सेब से समृद्धि की राह पर प्रदेश

हिमाचल की पहाडियों पर जब सेब की टहनियां फलों से लदती हैं तो यह केवल प्रकृति के सौंदर्य का दृश्य नहीं होता, बल्कि हजारों परिवारों की वर्ष भर की मेहनत के फलीभूत होने का संकेत भी होता है। सेब ने प्रदेश की बागवानी को व्यावसायिक दिशा देने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को परिवहन, पैकेजिंग, श्रम, आढ़त, भंडारण और प्रसंस्करण जैसे अनेक क्षेत्रों से जोड़ दिया है। हिमाचल में आधुनिक व्यावसायिक सेब उत्पादन का इतिहास वर्ष 1916 में सत्यानंद स्टोक्स (सैमुअल इवांस स्टोक्स) द्वारा शिमला के कोटगढ़ में सेब की उन्नत किस्मों के रोपण से शुरू हुआ था। कोटगढ़ से शुरू हुआ बागवानी का सफर धीरे-धीरे ठियोग, कोटखाई, नारकंडा, रोहड़ू और ऊपरी शिमला के अन्य क्षेत्रों तक पहुंचा और बाद में किन्नौर, कुल्लू, मंडी, चंबा, सिरमौर तथा प्रदेश के अन्य अनुकूल क्षेत्रों में भी इसका विस्तार हुआ। आज सेब हिमाचल की सबसे महत्वपूर्ण फल फसलों में शुमार है। 1950 में, हिमाचल प्रदेश में सिर्फ 400 हेक्टेयर में सेब के बाग थे तो वहीं 2024-25 में यह क्षेत्रफल बढक़र 116338 हेक्टेयर तक पहुंच गया है। हिमाचल की 70 प्रतिशत आबादी खेतीबाड़ी करती है, लगभग 2.5 लाख परिवार सेब की खेती से जुड़े हैं और सेब राज्य के बागवानी उत्पादन का लगभग 77.58 फीसदी हिस्सा है। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि प्रदेश की फल अर्थव्यवस्था में सेब का महत्व कितना बड़ा है। वर्ष 2025 में प्रदेश में सेब का उत्पादन लगभग 6.99 लाख मीट्रिक टन रहा, जबकि 2026 में प्रतिकूल मौसम के कारण उत्पादन लगभग 4.36 लाख मीट्रिक टन रहने का अनुमान व्यक्त किया गया है। यह अंतिम उत्पादन आंकड़ा नहीं, बल्कि मौसम और फसल की स्थिति को देखते हुए विभागीय अनुमान है। इसी रिपोर्ट में 2025 के उत्पादन को लगभग 3.49 करोड़ पेटियों के बराबर बताया गया है और 2026 के लिए करीब 2.15 करोड़ पेटियों का अनुमान दिया गया है। हिमाचल में सेब भंडारण के लिए 4 सरकारी और 28 निजी सीए (कंट्रोल्ड एटमॉस्फियर स्टोर) हैं, जिनकी कुल क्षमता 84 हजार मीट्रिक टन से अधिक है, जबकि इनमें 15 स्टोर गैर-हिमाचली कारोबारियों के हैं और सबसे बड़ा भंडारण केंद्र अदानी एग्रीफ्रेश का है। सेब की पारंपरिक किस्मों के लिए सर्दियों में पर्याप्त ठंड यानी आवश्यक चिलिंग आवर्स महत्वपूर्ण होते हैं। इस वर्ष अपर्याप्त बर्फबारी, असामयिक बारिश, तापमान में उतार-चढ़ाव और ओलावृष्टि जैसी परिस्थितियों ने कई क्षेत्रों में उत्पादन की संभावनाओं को प्रभावित किया है। फल का आकार, गुणवत्ता और बाजार मूल्य भी इससे प्रभावित हो सकते हैं। दूसरी ओर बागवानों की लागत लगातार बढ़ रही है। मजदूरी, कृषि-इनपुट, पैकेजिंग, परिवहन, सिंचाई और बागों के रखरखाव पर होने वाला खर्च किसी भी उत्पादन वर्ष में बागवान की वास्तविक आय को प्रभावित करता है। बिलासपुर के प्रगतिशील किसान हरिमन शर्मा द्वारा विकसित एचआरएमएन-99 जैसी कम चिलिंग किस्म ने देश के अपेक्षाकृत गर्म क्षेत्रों में सेब उत्पादन की संभावनाओं को यकीनी बनाया है। हालांकि ऐसी किस्मों को बड़े पैमाने पर अपनाने से पहले स्थानीय जलवायु, बाजार, गुणवत्ता और दीर्घकालिक उत्पादकता के आधार पर वैज्ञानिक मूल्यांकन आवश्यक है। वहीं हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के नौणी में 01 दिसंबर 1985 में स्थापित एशिया का पहला बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय भी हिमाचल में बागवानी और फल प्रजातियों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हिमाचल की पारंपरिक सेब पट्टी में भी आधुनिक तकनीक का विस्तार समय की जरूरत है।

महिला जूनियर एशिया कप में भारत का धमाका, पाकिस्तान को 19-0 से रौंदा

मोकी (चीन)।

महिला जूनियर एशिया कप के पहले क्वार्टर फाइनल में भारतीय महिला हॉकी टीम ने पाकिस्तान को एकतरफा मुकाबले में 19-0 से करारी शिकस्त दी।

चीन के मोकी में खेले गए इस मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों ने पूरे मैच में गोलों की बारिश कर दी।

यह महिला जूनियर एशिया कप के इतिहास में किसी भी टीम की सबसे बड़ी जीत है।

इस शानदार जीत के साथ भारत ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है, जहां उसका सामना दक्षिण कोरिया या मलेशिया से होगा।

सातवें मिनट से शुरू हुई गोलों की बारिश

भारत की ओर से मैच का पहला गोल सातवें मिनट में पूजा साहू ने पेनल्टी कॉर्नर के जरिए किया। पहले क्वार्टर में भारत ने पांच गोल दागे। दूसरे क्वार्टर में भी भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा कायम रहा और गोल करने का सिलसिला जारी रहा। तीसरे क्वार्टर में पाकिस्तान ने अपेक्षाकृत बेहतर खेल दिखाया, लेकिन भारत ने इस दौरान भी तीन गोल कर दिए। अंतिम क्वार्टर में भारतीय टीम ने सबसे ज्यादा छह गोल दागे और इस तरह मैच का स्कोर 19-0 हो गया।

पूजा मलिक ने पूरी की हैट्रिक

भारत की ओर से इस मुकाबले में 13

खिलाड़ियों ने गोल किए। पूजा मलिक ने 27वें, 49वें और 51वें मिनट में गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की। रोशनी, सनिका चंद्रकांत माने, मधु सिदर और सुप्रिया ने दो-दो गोल किए।

पूजा साहू, तनुश्री दिनेश काड़ू, सूखवीर कौर, गीता यादव, तनुजा टोप्पो, पूर्णिमा यादव, कृष्णा शर्मा और बिनिमा धन ने एक-एक गोल किया।

मौजूदा चैंपियन भारत वर्ष 2026 के महिला जूनियर एशिया कप में अब तक एक भी मुकाबला नहीं हारा है।

एलीट पूल चरण में चीन के खिलाफ भारत का मुकाबला गोलरहित बराबरी पर समाप्त हुआ था। इसके अलावा भारतीय टीम ने जापान, दक्षिण कोरिया और मलेशिया के खिलाफ एकतरफा जीत दर्ज की थी।

महिला जूनियर एशिया कप की शुरुआत वर्ष 1992 में हुई थी। वर्ष 2015 तक इस प्रतियोगिता में चीन और दक्षिण कोरिया का दबदबा रहा।

पिछले दो टूर्नामेंट में भारत ने दक्षिण कोरिया और चीन को हराकर खिताब अपने नाम किया है।

न्यूज ब्रीफ

टी20 अंतरराष्ट्रीय में रोहित हैं सबसे कम गेंदों में शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज

मुम्बई। पिछले कुछ साल में दुनिया भर में टी20 क्रिकेट तेजी से बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के साथ ही टी20 लीग भी दुनिया भर में खेली जा रही हैं। इसमें कई क्रिकेटरों ने एक से बढ़कर एक रिकार्ड बनाये हैं। भारतीय बल्लेबाजों ने भी टी20 प्रारुप में अपने प्रदर्शन से कई रिकार्ड बनाये हैं। जहां उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा अपनी तूफानी बल्लेबाजी के कारण इस प्रारुप में स्टार बनकर उभरे है। इसके बाद भी टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे कम गेंदों में शतक का रिकार्ड भारत की ओर से आक्रामक सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के नाम है। हिटमैन के नाम से लोकप्रिय रोहित ने केवल मात्र 35 गेंदों में यह शतक लगाया था। रोहित ने ये शतक साल 2017 में श्रीलंका के खिलाफ इंदौर में लगाया था जो तक नहीं टूटा है। उस मुकाबले में उन्होंने श्रीलंकाई गेंदबाजों की जमकर पिटाई करते हुए सिर्फ 35 गेंदों में अपना शतक पूरा कर लिया था। यह पूर्ण कालिक सदस्य देशों के खिलाड़ियों द्वारा लगाए गए टी20 अंतरराष्ट्रीय शतकों के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे तेज शतक है। उनसे पहले जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा और न्यूजीलैंड के फिन एलन ने 33-33 गेंदों में शतक लगाये थे। रोहित ने अपनी उस पारी में कुल 43 गेंदों का सामना करते हुए 118 रन बनाए थे, जिसमें 12 शानदार चौके और 10 छक्के शामिल थे। उन्होंने केएल राहुल के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए केवल 12.4 ओवर में 165 रनों की रनों की साझेदारी की थी। पिछले नौ साल में कोई भी भारतीय बल्लेबाज इस रिकार्ड को तोड़ने में सफल नहीं रहा।

टी20 के विस्तार से एकदिवसीय प्रारुप खतरे में पड़ा : पोंटिंग

सिडनी। आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि जिस प्रकार से दुनिया भर में

टी20 लीग का दबदबा बढ़ रहा है उससे एकदिवसीय क्रिकेट का अस्तित्व खतरे में आ गया है। पोंटिंग के अनुसार इन लीगों के बढ़ने से अब एकदिवसीय मुकाबलों के प्रति आकर्षण घट रहा है। जिससे अधिक से अधिक क्रिकेटर अब टी20 प्रारुप में ही खेलना चाहते हैं। उनका मानना है कि इन लीगों का इसी प्रकार से विस्तार होता रहा तो क्रिकेट कैलेंडर से 50 ओवर का प्रारूप धीरे-धीरे अपनी जगह खो सकता है। पोंटिंग को आशंका है कि आने वाले वर्षों में जैसे-जैसे अधिक टी20 लीग उभरेंगी, एकदिवसीय क्रिकेट कम से कम खेला जाएगा। पोंटिंग ने कहा, जैसे-जैसे महीने और साल बीतेंगे और दुनिया भर में अधिक से अधिक टी20 क्रिकेट खेला जाएगा तथा अधिक फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट शुरू होंगे, वैसे-वैसे 50 ओवर के टूर्नामेंट कम हो जाएंगी। विश्व चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स में आस्ट्रेलिया चैंपियंस फ्रेंचाइजी के सह-मालिक पोंटिंग का यह बयान खेल के पारंपरिक प्रारूपों के भविष्य को लेकर बढ़ती चिंता को दिखाता है। हालांकि, पोंटिंग का मानना है कि जब तक भारत, आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और शायद दक्षिण अफ्रीका जैसे बड़े चार प्रमुख क्रिकेट खेलने वाले देश टेस्ट क्रिकेट में निवेश करते रहेंगे, तब तक यह प्रारूप बना रहेगा।

अगले माह होगा दिल्ली गोल्फ चैम्पियनशिप का आयोजन, दुनिया भर के दिग्गज गोल्फर भाग लेंगे

नई दिल्ली। दिल्ली गोल्फ क्लब में 15 से 18 अक्टूबर तक डीपी वर्ल्ड इंडिया गोल्फ चैम्पियनशिप का आयोजन

किया जाएगा। 40 लाख डालर इनामी राशि वाला ये टूर्नामेंट वैश्विक गोल्फ कैलेंडर में एक अहम स्थान रखता है। ऐसे में इसका आयोजन देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इसमें दुनिया भर के बड़े स्टार खिलाड़ी खेलते दिखेंगे। इसमें भारत की ओर से शुभंकर शर्मा और अनिर्बान लाहिड़ी चुनौती पेश करेंगे। इन दोनो का ही लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर विश्वस्तरीय दिग्गजों के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। इस चैम्पियनशिप में पूर्व विश्व नंबर 1 आयरलैंड के रोरी मैकलराय के अलावा गत चैम्पियन टामी फ्लीटवुड भी भाग लेंगे। फ्लीटवुड का लक्ष्य यहां अपने खिताब को बरकरार रखना रहेगा। इन दिग्गजों की उपस्थिति से भारतीय गोल्फ प्रशंसकों को भी इनक खेल देखने का अवसर मिल जाएगा। टूर्नामेंट में शामिल होने वाले बड़े नामों में गत ओपन चैम्पियन रियान फाक्स भी शामिल हैं। इसके अलाव यूरोपीय राइडर कप कप्तान ल्यूक डोनाल्ड और राइडर कप के स्टार विक्टर होवलैंड जैसे खिलाड़ी भी मैदान में होंगे। गौरतलब है कि डीपी वर्ल्ड इंडिया चैम्पियनशिप रेस टू दुबई के नौ टूर्नामेंटों में आठवां है, जो इसे यूरोपीय टूर के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार, डीपी वर्ल्ड टूर चैम्पियनशिप, दुबई में नवंबर में होने वाले फाइनल के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव बनाता है।

अफगानिस्तान के खिलाफ वैभव और सैमसन में से किसे अवसर देंगे गंभीर

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम को 13 सितंबर से अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज खेलनी है। इस सीरीज से पहले टीम प्रबंधन और मुख्य कोच गौतम गंभीर के सामने एक समस्या खड़ी हो गयी है। वह ये है कि पारी की शुरुआत के लिए अभिषेक शर्मा के साथ अनुभवी संजू सैमसन या उभरते हुए आक्रामक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी में से किसे अवसर दिया जाये। तीन मैचों की इस सीरीज में भारतीय टीम श्रेयस अय्यर की कप्तानी में उतरेंगी। वहीं उपकप्तानी की जिम्मेदारी तिलक वर्मा के पास है। टीम के पास तीन आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक , वैभव और सैमसन के होने से टीम के लिए संशय की स्थिति बनी है1

पारी की शुरुआत को लेकर पहले भी इस प्रकार की मुश्किलें आई हैं। वैभव ने आईपीएल 2026 में राजस्थान रायल्स के लिए आक्रामक प्रदर्शन करते हुए अपनी दावेदारी पेश की थी, जहाँ उन्होंने 16 मैचों में 48.50 की औसत और 237.30 के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए थे। इसमें 37 गेंदों पर 103 रनों की आक्राम पारी भी शामिल थी हालांकि इसके बाद भी टीम प्रबंधन ने अभिषेक के साथ अनुभवी संजू सैमसन को शामिल किया था पर इंग्लैंड दौरे पर सैमसन के शुरुआती मैचों में बड़ी पारियां खेलने में विफल रहने के बाद, टीम प्रबंधन ने विभव को उतारा था इस प्रकार सलामी जोड़ी में बदलाव होता रहा।

जिम्बाब्वे दौरे में सैमसन शामिल नहीं थे। इसलिए वैभव ने अभिषेक के साथ पारी शुरु की थी। इस सीरीज में वैभव ने 50.33 की औसत और 196.10 के शानदार स्ट्राइक रेट से कुल 151 रन बनाकर अपनी दावेदारी पक्की की। वैभव ने दो अर्धशतक भी लगाये। इससे सलामी जोड़ीदार के लिए उनकी दावेदारी और पक्की हो गयी थी। वहीं अफगानिस्तान के खिलाफ सैमसन की भारतीय टीम में वापसी से अब एक बार फिर पारी की शुरुआत किससे करायी जाये सवाल उठ खड़ा हुआ है। वहीं अभिषेक टी20 क्रिकेट में भारत के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में से एक हैं और लगातार टीम की योजनाओं का अभिन्न अंग रहे हैं, ऐसे में उनकी जगह किसी और को उतारा जाएगा ये संभव नहीं है। दूसरी ओर, वैभव ने भी आईपीएल से लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तक आक्रामक बल्लेबाजी दिखायी है।

नई अनुबंध प्रणाली से बीबीएल में विदेशी खिलाड़ियों को मिल रही अधिक राशि : जंपा

मेलबर्न। आस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपा ने खुलासा किया है कि घरेलू क्रिकेट लीग (बीबीएल) में अब घरेलू खिलाड़ियों की जगह पर विदेशी खिलाड़ियों को ही अधिक रकम मिल रही है। जंपा के अनुसार ऐसा बेहतर वित्तीय सौदों और नई अनुबंध प्रणाली के आने से हुआ है। उनका कहना है कि अब विदेशी खिलाड़ियों को बीबीएल में अधिक आकर्षक अनुबंध मिल रहे हैं। यह बड़ा बदलाव इसलिए हुआ है क्योंकि क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने विदेशी खिलाड़ियों के लिए पहले से चली आ रही ड्राफ्ट प्रणाली को समाप्त कर दिया है। अब टीमें अपने बजट के अनुसार विदेशी खिलाड़ियों पर अधिक खर्च कर सकती हैं। इस स्पिनर ने इस सत्र के लिए होबार्ट हरिकेंस के साथ दो साल का करार किया है, ये इस लीग में उनकी पांचवीं टीम है। इससे पहले उन्होंने सिडनी थंडर, एडिलेड स्ट्राइकर्स, मेलबर्न स्टार्स और मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए खेला था। उन्होंने साफ किया है कि वह पूरे सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगे और टीम में अपनी जगह बनाये रखने के पूरे प्रयास करेंगे। इस नए सिस्टम के तहत इंग्लैंड के आलराउंडर बेन स्टोक्स जैसे खिलाड़ियों को मोटी रकम मिली है। जंपा को भी एक अच्छी रकम मिली है पर वह खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं हमेशा इस लीग में खेलता था। जाहिर है, विदेशी ड्राफ्ट और पैसे को लेकर पीछे बहुत कुछ होता रहा है और स्थानीय खिलाड़ी उम्मीद करते थे कि लाभ उन्हें मिलेगा पर ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि विदेशी खिलाड़ियों को अभी भी करार का एक अच्छा हिस्सा मिल रहा है। हालांकि वे होबार्ट के साथ शामिल होने के अपनी फैसले से खुश हैं और इसे एक अच्छा निर्णय मानते हैं, क्योंकि ड्राफ्ट हटने के बाद वे तुरंत हरिकेंस से जुड़ने को उत्सुक थे। वहीं इससे पहले अचानक लिए एक फैसले में क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने लीग के निजीकरण की अनुमतिम दे दी है। इस कदम के तहत, एडम जैम्पा का एक पुराना क्लब, मेलबर्न रेनेगेड्स, सबसे पहले बिकने वाली टीमों में से एक हो सकता है। निजीकरण के संबंध में जैम्पा ने कहा, मुझे लगता है कि यह शायद एक छोटी सी स्थिति है, जिसमें दोनों पार्टियां हैं, और मुझे लगता है कि अनुबंध् के तहत बहुत अच्छे स्टैंडर्ड, आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम स्टैंडर्ड के खिलाड़ियों के होने से वे उस मायने में भी ज्यादा ताकतवर हो गए हैं।

यूएस ओपन

कोको गाफ ने दो मैच प्वाइंट बचाकर आंद्रिवा को हराया, सेमीफाइनल में राइबाकिना से भिड़ंत

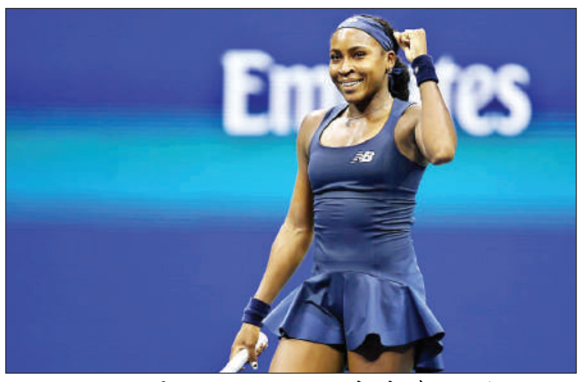

न्यूयार्क

अमेरिका की कोको गाफ ने शानदार वापसी करते हुए पांचवीं वरीय मिर्रा आंद्रिवा को तीन सेटों में 2-6, 7-6 (7), 6-2 से हराकर यूएस ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली। 2023 की चैंपियन गाफ ने मुकाबले के दौरान दो मैच प्वाइंट बचाकर जीत हासिल की।

आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के पहले सेट में गाफ पूरी तरह संघर्ष करती नजर आईं। आंद्रिवा ने शुरुआत में ही दबदबा बनाते हुए लगातार चार गेम जीते और पूरे सेट में गाफ को एक भी ब्रेक प्वाइंट का मौका नहीं दिया।

पहले सेट में गाफ ने 14 अनफोर्स्ड एरर किए, जबकि आंद्रिवा ने केवल पांच गलतियां कीं। इसका फायदा उठाते हुए रूसी खिलाड़ी ने पहला सेट आसानी से 6-2 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में गाफ ने लय हासिल की और मुकाबला पूरी तरह बदल गया। दोनों खिलाड़ियों ने दो-दो बार एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी और सेट टाईब्रेक तक पहुंचा। आंद्रिवा जीत के बेहद करीब पहुंच गई थीं, लेकिन गाफ ने दो मैच प्वाइंट बचाकर मुकाबले का रुख अपने पक्ष में कर लिया।

दूसरे सेट के टाईब्रेक में एक 39 शाट की लंबी रैली निर्णायक साबित हुई, जिसे गाफ ने शानदार बैकहैंड के साथ अपने नाम किया। इसके बाद उन्होंने टाईब्रेक जीतकर मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचाया।

निर्णायक सेट में गाफ ने आत्मविश्वास के साथ शुरुआत की और तीसरे गेम में आंद्रिवा की सर्विस तोड़ दी। इससे निराश आंद्रिवा ने अपना रैकेट बेंच की ओर फेंक दिया।

गाफ ने इसके बाद मैच पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली और सातवें गेम में आंद्रिवा की सर्विस को शून्य पर तोड़ दिया। इसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी ने फोरहैंड विनर लगाकर मुकाबला समाप्त किया और जीत का जश्न मनाया।

अब सेमीफाइनल में गाफ का सामना कजाकिस्तान की एलेना राइबाकिना से होगा। राइबाकिना ने इससे पहले झेंग छिनवेन को हराकर पहली बार यूएस ओपन के अंतिम चार में जगह बनाई है।

डोप टेस्ट में पाजिटिव पाये जाने पर एशियाई खेलों से बाहर हुए पहलवान दीपक

नई दिल्ली। जापान में 19 सितंबर से पहले होने वाले एशियाई खेलों से पहले भारत को करारा झटक लगा है। भारत के एक पदक दावेदार पहलवान दीपक डोप जांच में पाजिटिव पाये जाने के बाद खेलों से बाहर हो गये हैं। नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) के अनुसर दीपक के यूरिन सैंपल में प्रतिबंधित पदार्थ क्लोमिफीन पाया गया है, जिसके कारण भारतीय दल से बाहर कर दिया गया है। जब डोपिंग के कारण किसी भारतीय पहलवान को एशियाई खेलों से बाहर किया गया है। इससे पहले मुकुल दहिया और दीपांशु भी डोप जांच में पाजिटिव पाये जाने के बाद बाहर हो गये थे। नाडा के अनुसार चयन ट्रायल के दौरान लिए गए दीपक के यूरिन सैंपल में क्लोमिफीन पाया गया। यह ड्रग हार्मोन और मेटाबालिक माड्यूलेटर की श्रेणी एस4 के तहत आता है। नाडा ने इस मामले को लेकर कहा कि डोपिंग का मामला पहली बार 23 जुलाई को सामने आया था, जब दीपक के सैंपल की जांच में असामान्य परिणाम दिखे थे। इसके बाद मामले की गहरायी से जांच की गई। क्लोमिफीन एक ऐसा पदार्थ है जिसका इस्तेमाल आमतौर पर बांझपन के इलाज के लिए किया जाता है।

चैंपियंस लीग : राफिन्हा के दो गोल से बार्सिलोना ने फेयेनोर्ड को 5-1 से हराया

बार्सिलोना

राफिन्हा के दो गोल की बदौलत बार्सिलोना ने चैंपियंस लीग अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए फेयेनोर्ड को 5-1 से हरा दिया। बार्सिलोना के लिए राफिन्हा के अलावा करीम अदेयेमी, लामिन यामाल और स्थानापन्न गैब्रियल जीसस ने गोल किए। फेयेनोर्ड की ओर से सेम स्टेइन ने एकमात्र गोल किया।

बार्सिलोना ने मैच के तीसरे मिनट में ही बढ़त बना ली। राबर्ट लेवांडोव्स्की और फेरान टोरेस के जाने के बाद केंद्रीय स्ट्राइकर की भूमिका निभा रहे राफिन्हा ने पेनल्टी क्षेत्र में दो डिफेंडरों को छकाया और शानदार अंदाज में गेंद को गोल में पहुंचाया। इस गोल के साथ राफिन्हा ने इस सत्र में पांच मैचों में अपने गोलों की संख्या आठ कर ली है।

बार्सिलोना ने इसके बाद अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। करीम अदेयेमी ने पेनल्टी क्षेत्र के बाहर से शानदार लंबी दूरी का शाट लगाकर गेंद को फेयेनोर्ड के गोलकीपर ट्यार्क एर्न्स्ट की पहुंच से दूर गोल में पहुंचा दिया।

फेयेनोर्ड ने वापसी की कोशिश की और अनीस हाज मूसा ने बार्सिलोना के गोलकीपर जोआन गार्सिया को नजदीकी पोस्ट पर बचाव करने के लिए मजबूर किया। हालांकि बार्सिलोना का दबदबा कायम रहा। जोआओ कांसोलो ने गिवाइरो रीड को छकाने के बाद शाट लगाया, लेकिन गेंद पोस्ट के बाहरी हिस्से से टकराकर बाहर चली गई।

दूसरे हाफ में राफिन्हा ने अपना दूसरा गोल किया। पेड्री के शानदार थ्रू पास पर तेजी से आगे बढ़ते हुए राफिन्हा ने एर्न्स्ट को छकाकर गेंद को गोल में डाल दिया। फेयेनोर्ड ने नाचो फेरी के जरिए तुरंत जवाब देने की कोशिश की, लेकिन वीडियो सहायक रेफरी की समीक्षा के बाद आफसाइड के कारण गोल रद्द कर दिया गया।

बार्सिलोना ने इसके बाद भी लगातार हमले जारी रखे। फर्मिन लोपेज ने एर्न्स्ट को एक और बचाव के लिए मजबूर किया, जबकि लामिन यामाल ने फ्री-किक पर शानदार गोल करके स्कोर 4-0 कर दिया। उनकी किक दीवार को पार करते हुए सीधे गोल में पहुंची।

फेयेनोर्ड ने सेम स्टेइन के गोल से अंतर कम किया। गोंकालो बोर्जेस

के लो क्रास को स्टेइन ने गोल में पहुंचाया। हालांकि बार्सिलोना ने मैच का अंतिम गोल भी किया। स्थानापन्न के तौर पर मैदान पर उतरे गैब्रियल जीसस ने यामाल के क्रास पर शानदार हेडर लगाकर बार्सिलोना के लिए अपना पहला गोल किया। वह गर्मियों में आर्सेनल से क्लब में शामिल हुए थे। इस जीत के साथ हांसी फ्लिक की टीम ने मौजूदा सत्र में अपना शानदार रिकार्ड बरकरार रखा। बार्सिलोना ने अब सभी प्रतियोगिताओं में खेले अपने पांचों मुकाबले जीते हैं और इनमें से चार मैचों में पांच-पांच गोल किए हैं।

भारत के खिलाफ मुकाबले के लिए ब्राजील की मजबूत टीम घोषित, विनिसियस जूनियर, राफिन्हा और एंड्रिक शामिल

नई दिल्ली

पांच बार की विश्व कप विजेता ब्राजील ने भारत के खिलाफ तीन अक्टूबर को कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में होने वाले दोस्ताना मुकाबले के लिए 26 सदस्यीय मजबूत टीम की घोषणा कर दी है। मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने टीम में विनिसियस जूनियर, राफिन्हा, एंड्रिक और ब्रूनो गिमाराएस जैसे स्टार खिलाड़ियों को शामिल किया है। टीम में बैलन डीओर के तीन नामांकित खिलाड़ी भी हैं।

ब्राजील की टीम भारत पहुंचने से पहले आस्ट्रेलिया के खिलाफ 25 और 29 सितंबर को दो मुकाबले खेलेगी। इसके बाद टीम कोलकाता पहुंचेगी, जहां तीन अक्टूबर को भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबला होगा।

एंसेलोटी ने आक्रमण में कई विकल्पों को टीम में जगह दी है। विनिसियस जूनियर, राफिन्हा और एंड्रिक के अलावा एस्टेवाओ,

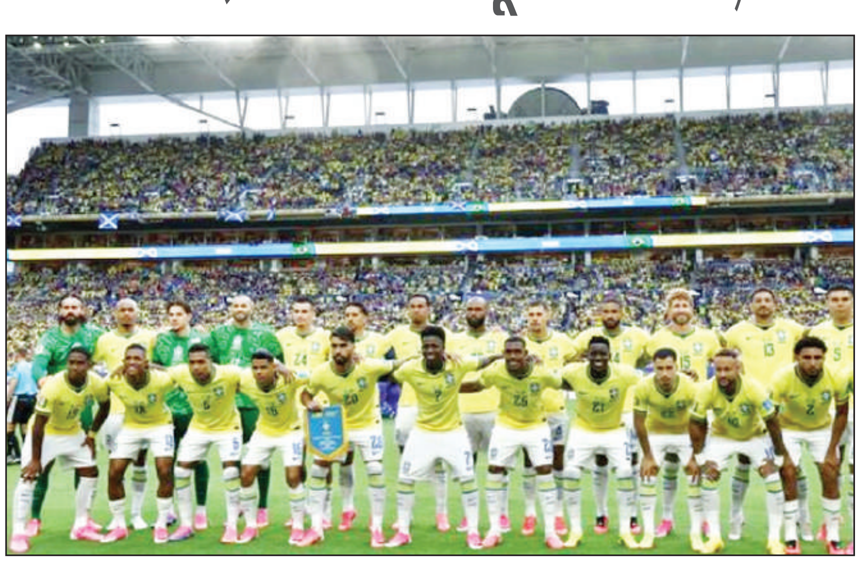

जोआओ पेड्रो, पेड्रो, रायन और सैमुअल लिनो को भी टीम में शामिल किया गया है।

मिडफील्ड में ब्रूनो गिमाराएस और डगलस लुइज़ प्रमुख नाम हैं। इनके अलावा आंद्रेई सैंटोस, ब्रेनो बिडोन, डानिलो सैंटोस और गैब्रियल बोंटेम्पो को भी टीम में जगह मिली है।

रक्षा पंक्ति में आर्सेनल के डिफेंडर गैब्रियल मागालाएस और अनुभवी ब्राजीलियाई खिलाड़ी मार्किन्होस शामिल हैं। इनके अलावा आर्थर डायस, डगलस सैंटोस, जाइर, मात्युजिन्हो, माउरो जूनियर, विटोर रीस और वेस्ली को चुना गया है।

गोलकीपर के रूप में ह्यूगो सूजा, पेड्रो मोरिस्को और ओटावियो को टीम में शामिल किया गया है।

यह मुकाबला खालिद जमील की अगुवाई वाली भारतीय टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय फुटबाल की सबसे सफल टीमों में से एक ब्राजील के खिलाफ खुद को परखने का बड़ा मौका होगा। साथ ही यह ब्राजील की सीनियर पुरुष टीम का भारतीय जमीन पर पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला भी होगा।

ब्राजील की टीम:

गोलकीपर : ह्यूगो सूजा, पेड्रो मोरिस्को, ओटावियो;

डिफेंडर्स: आर्थर डायस, डगलस सैंटोस, गैब्रियल मागालाएस, जाइर, मार्किन्होस, मात्युजिन्हो, माउरो जूनियर, विटोर रीस, वेस्ली;

मिडफील्डर्स : आंद्रेई सैंटोस, ब्रेनो बिडोन, ब्रूनो गिमाराएस, डानिलो सैंटोस, डगलस लुइज़, गैब्रियल बोंटेम्पो;

फारवर्ड्स : एंड्रिक, एस्टेवाओ, जोआओ पेड्रो, पेड्रो, राफिन्हा, रायन, सैमुअल लिनो, विनिसियस जूनियर।

तमिलनाडु में बनेगा आदर्श गौशाला एवं सेवा परिसर

कमल मुनि कमलेश की प्रेरणा से जयप्रकाश जैन गौशाला चैरिटेबल ट्रस्ट का सेवा प्रकल्प

जावरा, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अंतर्राष्ट्रीय जैन दिवाकर विचार मंच के वरिष्ठ मार्गदर्शक अभय सुराणा ने बताया कि राष्ट्रसंत डॉ. कमल मुनि कमलेश की प्रेरणा से तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में जयप्रकाश जैन गौशाला चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा एक विशाल एवं बहुआयामी सेवा प्रकल्प का निर्माण किया जा रहा है। यह प्रकल्प गौसेवा के साथ शिक्षा, चिकित्सा, साधना एवं मानव सेवा का अनूठा संगम बनेगा। इस प्रकल्प के लिए भूमि का दान अंतर्राष्ट्रीय जैन दिवाकर विचार मंच, तमिलनाडु प्रांत के अध्यक्ष शीतल कुमार कोठारी ने किया है।

गुम्मिडीपोंडी तालुक के ओबासमुद्रम गांव में प्रस्तावित इस परिसर के लिए लगभग 60 हजार वर्गफीट भूमि निर्धारित की गई है। इसमें 50 हजार वर्गफीट का गौ अभयारण्य, दो विशाल

गौशालाएं, पशुओं के लिए भोजन क्षेत्र एवं स्नान क्षेत्र की व्यवस्था रहेगी।

अभय सुराणा ने बताया कि प्रकल्प में 2-2 हजार वर्गफीट के विद्यालय एवं अस्पताल, दो मंजिला उपासरा हॉल, भोजन कक्ष तथा दो मंजिला ध्यान एवं प्रवचन हॉल का भी प्रावधान किया गया है। इसके अलावा मंदिर, गोबर गैस संयंत्र, कार्यालय एवं कर्मचारियों के आवास, चारा एवं खाद्य भंडारण, सुरक्षा कक्ष तथा जल निकासी जैसी सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी।

उन्होंने कहा कि यह प्रकल्प केवल गौशाला तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि गौसेवा से मानव सेवा की भावना को साकार करने वाला सेवा केंद्र बनेगा। गौ माता के संरक्षण के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, आध्यात्मिक चिंतन और समाजसेवा को एक ही परिसर में जोड़ना इस प्रकल्प की विशेषता है।सेवा टू काऊ, सेवा टू ह्यूमैनिटी के संदेश के साथ तैयार किए जा रहे इस प्रकल्प को राष्ट्रसंत डॉ. कमल मुनि कमलेश की अहिंसा, जीवदया एवं मानव कल्याण की प्रेरणा से जुड़ा महत्वपूर्ण सेवा कार्य बताया गया है।अभय सुराणा ने कहा कि ऐसे प्रकल्प देशभर में गौ माता के संरक्षण एवं जीवदया की भावना को मजबूत करने के साथ समाज को सेवा का सकारात्मक संदेश देते हैं। उन्होंने प्रकल्प से जुड़े सभी सेवाभावी कार्यकर्ताओं एवं दानदाताओं के प्रति शुभकामनाएं व्यक्त कीं।उन्होंने यह भी बताया कि राष्ट्रसंत डॉ. कमल मुनि कमलेश की प्रेरणा से देशभर में सैकड़ों गौशालाएं संचालित हो रही हैं। इनमें कई गौशालाएं जेलों में भी अत्यंत सुंदर ढंग से संचालित की जा रही हैं, जो जीवदया, सेवा और मानव कल्याण की भावना का प्रेरणादायक उदाहरण हैं।

रानी सती दादी के भजनों की भक्ति संध्या आज

हैदराबाद, 11 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री रानी सती दादी के मेले के उपलक्ष्य में भादवा बदी अमावस्या, शुक्रवार 11 सितंबर 2026 को रात 9 बजे से दादी की इच्छा तक रानी सती दादी के भजनों का आयोजन किया जाएगा। शिवकुमार तुलस्यान (झुंझुनू वाले) द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए बताया गया कि दादी के मेले के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष रानी सती दादी के भजनों का आयोजन श्री रानी सती माता मंदिर, (पहले माला), घांसी बाजार, झूला, हैदराबाद में किया जाता है। इस अवसर पर नगर के प्रमुख भजन गायक शंभू अग्रवाल, अशोक सोनी, कैलाश जावड़ा एवं संदीप अग्रवाल अपनी मधुर वाणी से रानी सती दादी के भजन प्रस्तुत करेंगे।

सीएसआईआर–आईआईसीटी के मुख्य वैज्ञानिक भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के फेलो चुने गए

हैदराबाद, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो):

सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान , हैदराबाद के मुख्य वैज्ञानिक तथा वर्तमान में सीएसआईआर-राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एनईईआरआई), नागपुर के निदेशक डॉ. एस. वेंकट मोहन को प्रतिष्ठित भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) का फेलो चुना गया है।

आईएनएसए की फेलोशिप देश में विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दी जाने वाली सर्वोच्च मान्यताओं में से एक है। डॉ. वेंकट मोहन का चुनाव मुख्य रूप से पर्यावरण

इंजीनियरिंग, पर्यावरण बायोटेक्नोलॉजी और सस्टेनेबिलिटी इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उनके निरंतर और महत्वपूर्ण वैज्ञानिक योगदान की एक बड़ी स्वीकृति है।अनुसंधान जो पर्यावरणीय चुनौतियों को अवसरों में बदलता है डॉ. मोहन का शोध जटिल पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान के लिए नवीन, विज्ञान-आधारित और टिकाऊ दृष्टिकोण विकसित करने पर केंद्रित रहा है। उनके बहुविषयक कार्यों में अपशिष्ट जल उपचार, बायोइलेक्ट्रोकेमिकल सिस्टम, सर्कुलर बायोरिफाइनरी और कार्बन उत्सर्जन को कम करने जैसे विषय शामिल हैं।उनके शोध की प्रमुख विशेषता प्रयोगशाला-स्तरीय प्रयोगों को क्षेत्र (फील्ड) में व्यावहारिक रूप से लागू करना रहा है, जिससे पर्यावरण सुधार, संसाधन पुनर्चक्रण और सर्कुलर बायोइकोनॉमी को बढ़ावा मिला है। उनके इन प्रयासों ने पर्यावरणीय चुनौतियों को अवसर में बदलते हुए कम-कार्बन और संसाधन-कुशल प्रणालियों को सक्षम बनाया है।

फीस प्रतिपूर्ति का बकाया तुरंत जारी करने की मांग

हैदराबाद, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो): इंकलाब स्टूडेंट्स फेडरेशन ने एलबी नगर क्रॉस रोड स्थित अंबेडकर प्रतिमा पर एक छात्र रैली का आयोजन किया। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने लंबे समय से लंबित फीस प्रतिपूर्ति की राशि को तुरंत जारी करने की पुरजोर मांग की। वक्ताओं ने कहा कि फीस प्रतिपूर्ति में हो रही देरी के कारण छात्रों और उनके अभिभावकों पर अत्यधिक गंभीर वित्तीय दबाव बन रहा है। छात्रों की शिक्षा और उनके भविष्य से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाना चाहिए। सरकार को बिना किसी और देरी के छात्रों से किए गए अपने सभी वादों को पूरा करना होगा। संगठन ने फीस प्रतिपूर्ति से जुड़ी इस समस्या का एक स्थायी समाधान निकाले जाने की मांग उठाई है।

कोई देरी नहीं ` सभी लंबित फीस प्रतिपूर्ति बकाया तुरंत जारी करो!'के नारों के साथ, एसएफआई ने स्पष्ट किया कि वह छात्रों के अधिकारों और उनकी बेहतर शिक्षा के लिए अपना लोकतांत्रिक संघर्ष लगातार जारी रखेगा।

बंगाली कल्चरल एसोसिएशन का 53वां सार्वजनीन दुर्गा पूजा समारोह 16 अक्टूबर से

हैदराबाद, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बंगाली कल्चरल एसोसिएशन (बीसीए), हैदराबाद की ओर से 53वें सार्वजनीन दुर्गा पूजा समारोह का आयोजन इस वर्ष 16 से 20 अक्टूबर 2026 तक बंजारा फंक्शन हॉल, हैदराबाद में किया जाएगा। संस्था की ओर से समारोह को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

बंगाली कल्चरल एसोसिएशन पिछले 53 वर्षों से हैदराबाद में दुर्गा पूजा का आयोजन करता आ रहा है और शहर के लंबे समय से सक्रिय बंगाली सांस्कृतिक संगठनों में से एक है। इस वर्ष भी दुर्गा पूजा के अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सामुदायिक पहलों और विशेष आयोजनों का आयोजन किया जाएगा।

संस्था की ओर से शहर में दुर्गा पूजा से संबंधित समाचारों, विशेष लेखों, फीचर स्टोरी और मीडिया कवरेज में बीसीए हैदराबाद को भी शामिल करने का अनुरोध किया गया है। संस्था ने अपने इस वर्ष के समारोह, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सामुदायिक पहलों और विशेष आयोजनों से जुड़ी जानकारी पाठकों तक पहुंचाने की इच्छा व्यक्त की है।संस्था ने मीडिया संस्थानों से अनुरोध किया है कि शहर में दुर्गा पूजा से संबंधित कवरेज में संपादकीय रूप से उचित होने पर बीसीए हैदराबाद को प्रमुखता दी जाए और शहर में लंबे समय से दुर्गा पूजा आयोजित करने वाले प्रमुख संगठनों में से एक के रूप में स्थान दिया जाए।

बीसीए की ओर से बताया गया कि समारोह से संबंधित आधिकारिक निमंत्रण पत्र भी साझा किया जा रहा है। मीडिया कवरेज के लिए आवश्यकता होने पर कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी, फोटोग्राफ, कलाकारों की प्रोफाइल और संबंधित पदाधिकारियों के उद्धरण उपलब्ध कराए जाएंगे।

संस्था ने मीडिया के सहयोग की अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि इस वर्ष हैदराबाद की दुर्गा पूजा कवरेज में बीसीए को भी प्रमुख स्थान मिलने की आशा है।

जगदीप धनखड़ ने वझरा में आम लोगों से किया आत्मीय संवाद

किनवट, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। देश के पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अपनी निजी यात्रा के दौरान किनवट तहसील के वझरा गांव पहुंचे। यहां सेवानिवृत्त वन अधिकारी दिवंगत जगन्नाथ येईलवाड की श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई थी। कार्यक्रम के दौरान हभप माऊली महाराज सिंदगीकर का कीर्तन-प्रवचन चल रहा था। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अपनी पत्नी के साथ श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए।

कीर्तन के दौरान पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत बनाए गए डी-जोन से अलग हटकर सीधे आम जनता के बीच पहुंचे और लोगों से बातचीत की। उन्होंने उपस्थित लोगों से व्यक्तिगत रूप से कुशलक्षेम पूछी और आत्मीयता से हिंदी में संवाद किया। देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर रह चुके व्यक्ति का इतना सरल और सहज व्यवहार देखकर उपस्थित नागरिक प्रभावित हुए।

इस दौरान पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने माथे पर तिलक, सिर पर सफेद टोपी और हाथ जोड़कर आम लोगों से आत्मीय संवाद किया। उनके सरल, सहज, शालीन एवं सुसंस्कृत व्यवहार की अनुभूति किनवट तहसील के वझरा जैसी छोटी बस्ती में कीर्तन के लिए एकत्रित हुए श्रद्धालुओं एवं नागरिकों को हुई। दार्जिलिंग में पदस्थ एसपी श्रीनिवास

के पिता दिवंगत जगन्नाथ येईलवाड को श्रद्धांजलि एवं परिवार को सांत्वना देने के उद्देश्य से पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अपनी पत्नी के साथ वझरा पहुंचे थे। उनका यह दौरा पूरी तरह निजी था।

इस अवसर पर रामचंद्र येईलवाड, अंकुश, शिवाजी, श्रीकांत, दार्जिलिंग स्थित एसपी श्रीनिवास, ज्ञानोबा कोके, अरुण पाटील, दत्ता दोनकेवार, प्रकाश कुभारे सहित येईलवाड परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

इसके अलावा क्षेत्रीय विधायक भीमराव केराम ने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात कर उन्हें श्रीक्षेत्र माहूर की माता रेणुका की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर यादव संघ के प्रदेशाध्यक्ष नामदेव आईलवाड, जिला अध्यक्ष रमेश बद्दीवार, बंडू नाईक, माहूर के गोपु महामूने, संदीप चिलीकर, कृष्णा चितलवार सहित अन्य उपस्थित रहे।

पूर्व उपराष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। कार्यक्रम स्थल पर दो स्थानों पर मेटल डिटेक्टर लगाए गए थे। तेलंगाना सीमा से सटे क्षेत्र में मांडवी पुलिस थाना होने के कारण वझरा गांव में सुरक्षा व्यवस्था के चलते छावनी जैसा माहौल नजर आया। इस अवसर पर सहायक जिलाधिकारी बी. सरवनन, अपर पुलिस अधीक्षक अर्चना पाटील, तहसीलदार शारदा चौडेकर सहित कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ब्रिक्स...

रूसी राष्ट्रपति के कार्यक्रम के मुताबिक, पुतिन 11 सितंबर को देर रात करीब 1:15 बजे पालम वायुसेना स्टेशन पहुंचेंगे। यहां से उनका काफिला होटल पहुंचेगा। इसी दिन दोपहर करीब 3:30 बजे पुतिन की भारत मंडपम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक प्रस्तावित है। रूस के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, पुतिन 11 से 13 सितंबर तक भारत की कार्य यात्रा पर रहेंगे और 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। ब्रिक्स की 20वीं वर्षगांठ के मौके पर होने वाले कार्यक्रमों में भी वह शामिल होंगे।

11 सितंबर को पुतिन ब्रिक्स व्यापार मंच के पूर्ण सत्र को संबोधित करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे और दोनों देशों के उद्योग एवं व्यापार मंत्रालयों की ओर से आयोजित इनोप्रोम प्रदर्शनी का दौरा भी करेंगे।

12 सितंबर से ब्रिक्स नेताओं की मुख्य बैठक शुरू होगी। इसमें राजनीति और सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और वित्त के साथ सांस्कृतिक एवं मानवीय सहयोग समेत कई मुद्दों पर चर्चा होगी। नेता मौजूदा अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचार साझा करेंगे।

13 सितंबर को ब्रिक्स की विस्तारित बैठक होगी, जिसमें सदस्य और साझेदार देशों के प्रतिनिधिमंडल प्रमुखों के अलावा आमंत्रित देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख भी शामिल होंगे। शिखर सम्मेलन में हुए प्रमुख समझौतों को अंतिम दस्तावेज में शामिल किए जाने की उम्मीद है। पुतिन इस दौरान कई अन्य देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।वहीं चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग 12 सितंबर को देर रात करीब 12:25 बजे पालम हवाई अड्डे पर उतरेंगे।

भारत मेज़बान...

ने कहा था कि हमारा लक्ष्य ब्रिक्स को नए सिरे से परिभाषित करना होगा। जिस तरह हमने अपनी जी-20 अध्यक्षता के दौरान समावेशिता को बढ़ावा दिया और वैश्विक दक्षिण की चिंताओं को एजेंडे में सर्वोच्च प्राथमिकता दी, उसी प्रकार ब्रिक्स की अध्यक्षता के दौरान भी हम इस मंच को जन-केंद्रित दृष्टिकोण और 'मानवता सर्वोपरि' की भावना के साथ आगे बढ़ाएंगे।

मौजूदा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच हो रहा है, जिसमें ईरान के अलावा सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात भी शामिल हो रहे हैं। उधर, भारत उन गिने-चुने देशों में शामिल है, जो रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने और शांति के प्रयासों के लिए एक साथ दोनों देशों के साथ संपर्क रख सकता है। शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में युद्ध के खिलाफ दिया गया प्रधानमंत्री मोदी का संदेश दुनिया में गूंज रहा है।

हनुमान...

कई श्रद्धालु मंदिर में दर्शन करने के साथ खड़े हनुमान की प्रतिमा की रील बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं। इससे मंदिर से जुड़े वीडियो लगातार लोगों तक पहुंच रहे हैं।

अब मंदिर के पास पहुंचे लंगूरों ने भी श्रद्धालुओं का ध्यान खींचा है। मंदिर परिसर और आसपास के इलाके में मौजूद लोगों के बीच इन लंगूरों को लेकर चर्चा हो रही है। हालांकि, मंदिर के पास लंगूरों के पहुंचने को लेकर प्रशासन की ओर से किसी तरह का दावा नहीं किया गया है।

मंदिर परिसर में बैरिकेडिंग, भारी पुलिस बल तैनात

फिलहाल खड़े हनुमान मंदिर की स्थिति भी बाकी दिनों से अलग है। मंदिर के आसपास का ज्यादातर हिस्सा करीब एक सप्ताह से तोड़ा जा चुका है। हनुमानजी की प्रतिमा फिलहाल टेंट में विराजमान है। प्रतिमा को हटाने की कार्रवाई को लेकर सोशल मीडिया पर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। बढ़ती भीड़ को देखते हुए मंदिर के आसपास बैरिकेडिंग की गई है। बड़ी संख्या में पुलिस बल भी तैनात किया गया है। सुबह से शाम तक मंदिर में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी हुई है। खास बात यह है कि अभी कोई बड़ा त्योहार नहीं है, फिर भी मंदिर में लगातार भीड़ दिखाई दे रही है।

आमतौर पर हिंदू देवी-देवताओं के मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ वार और त्योहार के हिसाब से बढ़ती है। सोमवार को महादेव, मंगलवार को बजरंगबली और बुधवार को गणेशजी के मंदिरों में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने की परंपरा देखी जाती है। लेकिन उज्जैन का खड़े हनुमान मंदिर इन दिनों बिना किसी त्योहार के ही चर्चा में है। मंदिर में पहुंच रहे श्रद्धालु इसे चमत्कारिक मंदिर मानते हैं। उनका कहना है कि यहां से मिलने वाले ताबीज और झड़नी से कई तरह के रोगों से छुटकारा मिलने की मान्यता है। इसी आस्था के कारण स्थानीय लोगों के अलावा अब दूसरे राज्यों से भी श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं।

गुरुवार को मंदिर में चौपाल लगाकर श्रद्धालुओं से मंदिर को हटाए जाने को लेकर उनकी राय जानी गई। स्थानीय और बाहर से आए श्रद्धालुओं की बात में एक बात समान रही। उनका कहना था कि जब भगवान खुद इस स्थान से नहीं जाना चाहते तो उन्हें जबरन नहीं हटाया जाना चाहिए। श्रद्धालुओं का कहना था कि नगर विकास के लिए अब तक 60 से ज्यादा मंदिरों को स्थानांतरित किया जा चुका है। ऐसे में एक मंदिर को इसी स्थान पर छोड़ दिया जाए तो इसमें कोई गलत बात नहीं होगी। उनका यह भी कहना था कि प्रशासन को विकास के साथ जनभावनाओं का भी ध्यान रखना चाहिए। लोगों का कहना है कि इस मंदिर से लाखों लोगों की आस्था जुड़ी हुई है, इसलिए किसी तरह की ऊंच-नीच नहीं होनी चाहिए।

पुजारी बोले- प्रशासन की गलतियों से बने हालात

मंदिर के पुजारी महेश बैरागी ने कहा कि मंदिर से जुड़ा काम आसानी से किया जा सकता था, लेकिन प्रशासन की ओर से की गई गलतियों के कारण हालात ऐसे बने हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर को स्थानांतरित किए जाने को लेकर उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से सशर्त चर्चा की थी, लेकिन उनकी बात नहीं मानी गई। पुजारी के मुताबिक, सोशल मीडिया पर मंदिर को लेकर प्रचार होने के बाद देशभर से श्रद्धालु यहां पहुंचने लगे हैं। जो लोग महाकाल के दर्शन के लिए उज्जैन आ रहे हैं, उनमें से कई लोग अब खड़े हनुमान मंदिर भी पहुंच रहे हैं। इस वजह से यह जगह श्रद्धालुओं के लिए एक नए गंतव्य स्थल की तरह चर्चा में आ गई है। महेश बैरागी ने बताया कि पिछले चार दिनों से मंदिर में लगातार भीड़ बढ़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन अब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के जरिए मंदिर की स्कैनिंग का काम करवाने जा रहा है।

प्रशासन ने वायरल वीडियो और दावों को बताया भ्रामक

इस बीच प्रशासन की ओर से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और दावों को भ्रामक बताया गया है। प्रशासन का कहना है कि अभी तक किसी भी तरह की मशीन या बल का इस्तेमाल कर प्रतिमा को हटाने का प्रयास नहीं किया गया है।गुरुवार को भी सुबह से मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ दिखाई दी। प्रतिमा टेंट में विराजमान है, आसपास बैरिकेडिंग है और पुलिस बल तैनात है। इसी माहौल के बीच मंदिर के पास अचानक पहुंचे लंगूर भी श्रद्धालुओं के बीच चर्चा का हिस्सा बन गए हैं।

प्रतिमा को लेकर प्रशासन बरत रहा सावधानी

खड़े हनुमान मंदिर को लेकर पूरा मामला सिंहस्थ निर्माण कार्य से जुड़ा है। कंठाल से छत्री चौक तक मार्ग चौड़ा किया जाना प्रस्तावित है और इसी मार्ग में मंदिर आ रहा है। पिछले दिनों जिला प्रशासन ने मंदिर की दीवारें हटा दी थीं, लेकिन प्रतिमा को अब तक हटाया नहीं जा सका है। फिलहाल श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और मंदिर के पास पहुंचे लंगूरों के कारण यह स्थान लगातार चर्चा में बना हुआ है। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर उज्जैन के हनुमान मंदिर को न हटाने की मांग की है।

भारत के...

हालांकि, ऐसा करने पर इसकी अधिकतम मारक दूरी प्रभावित हो सकती है।अप्रैल 2026 में भारत के 500 मेगावाट क्षमता वाले प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) ने पहली बार क्रांतिकता हासिल की। एफएएस के अनुमान के मुताबिक, 80 प्रतिशत क्षमता पर चलने पर यह रिएक्टर सालाना करीब 140 किलोग्राम प्लूटोनियम-239 पैदा कर सकता है। इससे करीब 35 परमाणु आयुध बनाए जा सकते हैं। आगे ऐसे और तेज प्रजनक रिएक्टरों की योजना है। जमीन के साथ समुद्र में भी बढ़ रही ताकतएफएएस के मुताबिक, भारत अपनी परमाणु त्रयी को भी मजबूत कर रहा है। इसका मतलब है कि देश जमीन, हवा और समुद्रतीनों माध्यमों से परमाणु हथियार इस्तेमाल करने की क्षमता विकसित कर रहा है।भारत ने अप्रैल 2026 में अपनी तीसरी स्वदेशी परमाणु ऊर्जा से चलने वाली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी आईएनएस अरिधमान को नौसेना में शामिल किया। एफएएस के मुताबिक, इस पनडुब्बी में आठ मिसाइल ट्यूब हैं। यह क्षमता आईएनएस अरिहंत और आईएनएस अरिघात में मौजूद संख्या से दोगुनी है। अरिहंत श्रेणी की पनडुब्बी आईएनएस अरिसुदन को 2027 में नौसेना में शामिल किए जाने की योजना है। एफएएस के मुताबिक, भारत की परमाणु नीति लंबे समय से पाकिस्तान को ध्यान में रखकर बनाई गई है। लेकिन अब भारत लंबी दूरी की मिसाइलों और समुद्र से परमाणु हमला करने की क्षमता को भी बढ़ा रहा है। इससे भारत की परमाणु ताकत का फोकस चीन तक भी बढ़ रहा है।

डी. पुरंदेश्वरी...

मोर्चे की टीम तैयार करने में मदद करेंगे। सभी मोर्चा प्रभारियों को संबंधित मोर्चा अध्यक्षों से बातचीत कर यह काम शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

हरीश द्विवेदी से लेकर गजेंद्र सिंह पटेल तक...

हरीश द्विवेदी : उत्तर प्रदेश के बस्ती से दो बार लोकसभा सांसद रहे हैं। उन्होंने 2014 और 2019 में बस्ती से लोकसभा चुनाव जीता। वह भाजपा के राष्ट्रीय सचिव भी रह चुके हैं।

डी. पुरंदेश्वरी : आंध्र प्रदेश की वरिष्ठ भाजपा नेता हैं। वह कांग्रेस में भी रह चुकी हैं और केंद्रीय मंत्री के रूप में काम कर चुकी हैं। वह लोकसभा की दो बार सदस्य रही हैं। भाजपा की आंध्र प्रदेश इकाई की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं।

सतीश पूनिया : राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। वह आमेर से विधायक रहे और राजस्थान विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष भी रहे हैं। संगठन में लंबे समय से सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं।

संजय भाटिया : हरियाणा के करनाल से 2019 में लोकसभा सांसद चुने गए। वह भाजपा हरियाणा के प्रदेश महासचिव रह चुके हैं। 2026 में हरियाणा से राज्यसभा सांसद चुने गए।

बैजयंत पांडा : ओडिशा के केंद्रापाड़ा से लोकसभा सांसद हैं। वह भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। इससे पहले बीजू जनता दल से राज्यसभा और लोकसभा सांसद रह चुके हैं। 2019 में भाजपा में शामिल हुए।

लाल सिंह आर्या : मध्य प्रदेश के गोहद से कई बार विधायक रहे हैं। शिवराज सिंह चौहान सरकार में मंत्री रह चुके हैं। वह भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

गजेंद्र सिंह पटेल : मध्य प्रदेश के खरगोन से लोकसभा सांसद हैं। उन्होंने 2019 और 2024 में खरगोन से लोकसभा चुनाव जीता। वह पेशे से कृषक और राजनीतिज्ञ हैं।

मोर्चों के जरिए संगठन को और मजबूत करने की तैयारी

भाजपा की ओर से सात प्रमुख मोर्चों के लिए प्रभारियों की नियुक्ति को संगठनात्मक स्तर पर महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नए प्रभारी संबंधित मोर्चा अध्यक्षों के साथ समन्वय कर प्रदेश और राज्य स्तर पर संगठन को मजबूत करने तथा नई टीम तैयार करने में भूमिका निभाएंगे।

मुर्दे का ...

यह पत्र तारदेव शाखा में जमा कराया गया था। जांच के दौरान बैंक अधिकारियों ने पाया कि पत्र पर किए गए हस्ताक्षर बैंक रिकॉर्ड में मौजूद विमला पाटिल के हस्ताक्षर से मेल नहीं खाते थे।

पूर्व शाखा प्रमुख के निर्देश पर बदलाव का आरोप

जांच के दौरान कर्मचारी अभिषेक वर्मा ने कथित तौर पर बैंक को बताया कि उसे ये बदलाव करने के लिए राहुल पंजवानी ने निर्देश दिए थे। मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी बदलने के बाद आरोपियों ने कथित तौर पर दिवंगत ग्राहक के खाते तक पहुंच बना ली। इसके बाद खाते में मौजूद दो सावधि जमा को समय से पहले बंद कर दिया गया। इन दोनों सावधि जमाओं की कुल रकम करीब 14.87 लाख रुपये थी, जिसे कथित तौर पर अलग-अलग माध्यमों से दूसरे खातों में स्थानांतरित किया गया।

आरटीजीएस से 15 लाख रुपये दूसरे खाते में भेजे

पुलिस के मुताबिक, रकम स्थानांतरित करने के लिए रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (आरटीजीएस), नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (एनईएफटी), यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई), तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) और मोबाइल बैंकिंग जैसे माध्यमों का इस्तेमाल किया गया। लेन-देन की जांच में यह भी सामने आया कि तीन अलग-अलग आरटीजीएस लेन-देन के जरिए पांच-पांच लाख रुपये, यानी कुल 15 लाख रुपये, दूसरे बैंक के एक खाते में भेजे गए। जांच के दौरान पैसों के लेन-देन का सुराग कुछ आभूषण दुकानों तक भी पहुंचा है। केंद्रीय साइबर पुलिस ने दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

तीसरा आरोपी फरार, साजिश और धन के पूरे लेन-देन की जांच

बैंक का आरोप है कि राहुल पंजवानी, अभिषेक वर्मा और राम पाल ने कथित तौर पर साजिश रचकर दिवंगत ग्राहक के नाम पर ग्राहक अनुरोध पत्र तैयार किया और उस पर उनके हस्ताक्षर की जालसाजी की। इस मामले में राम पाल फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

फिलहाल पुलिस कथित साजिश, रकम के पूरे लेन-देन और फरार आरोपी की भूमिका की जांच कर रही है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 11 सितंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 172वां निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर 13 को

हैदराबाद, 11 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से 172वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर रविवार, 13 सितंबर को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चिराग अली लेन, आबिड्स स्थित डायमंड जुबली हाई स्कूल में आयोजित किया जाएगा।

हड्डी, हृदय, नेत्र एवं सामान्य स्वास्थ्य की जांच की सुविधा

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में किम्स सनशाइन अस्पताल की ओर से हड्डी, हृदय, ईसीजी, 2-डी इको, बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप एवं सामान्य चिकित्सा संबंधी सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमलगुड़ा की ओर से निशुल्क नेत्र जांच की जाएगी। आवश्यकता होने पर निशुल्क चश्मे एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था भी की जाएगी।

इस अवसर पर डॉ. अखिल क्लिनिक (पुरणदास रणछोड़दास) के डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनल खेरिया सुगंधी द्वारा सामान्य स्वास्थ्य जांच की सेवा दी जाएगी।

फिजियोथेरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा तथा दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. नवनीत राज एवं डॉ. एस. निखिल राज द्वारा की जाएगी।

दिव्यांगों के लिए कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण भी उपलब्ध

श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति की ओर से दिव्यांगजनों की जांच कर उन्हें निशुल्क सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग जैसे कृत्रिम पैर, कृत्रिम हाथ, कैलिपर्स और हैंड किट प्रदान किए जाएंगे। जरूरतमंद रोगियों के लिए निशुल्क डायलिसिस की व्यवस्था भी रहेगी।

रोगियों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने साथ पूर्व में कराई गई स्वास्थ्य जांच की रिपोर्ट अवश्य लेकर आएं, ताकि चिकित्सकों को उचित परामर्श देने में सुविधा हो।

सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक पंजीकरण

शिविर का लाभ लेने के लिए नाम का पंजीकरण आयोजन स्थल पर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच कराया जा सकता है।

शिविर दोपहर 2 बजे तक जारी रहेगा।

अधिक जानकारी के लिए अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, शशिकांत अग्रवाल, ओवैस मिर्जा एवं जी. मणिला विजयलक्ष्मी से संपर्क किया जा सकता है।

पर्युषण महापर्व के पावन अवसर पर श्री सुमति पारसनाथ जैन संघ के सहयोग से प्राणी मित्र रमेश जागीरदार फाउंडेशन की ओर से जियागुडा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गौशाला में गौ ग्रास के लिए सहयोग किया गया। इस अवसर पर जसमत पटेल, रिद्धिश जागीरदार, प्रभुदत्त महाराज एवं वेंकट उपस्थित रहे।

सिकंदराबाद में पर्युषण पर्व के अंतर्गत सामायिक दिवस का आयोजन

आत्मरमण का व्रत है सामायिक : मुनि दीप कुमार

हैदराबाद, 11 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद के डायमंड पॉइंट स्थित राजा राजेश्वरी गार्डन में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनिश्री दीप कुमारजी ठाणा-2 के सान्निध्य में पर्युषण महापर्व के तृतीय दिवस 'सामायिक दिवस' का आयोजन तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद द्वारा किया गया। सामायिक दिवस के अवसर पर विशाल जनसमूह ने सामायिक साधना में सहभागिता करते हुए आत्मसाधना का लाभ लिया। पूरे वातावरण में आध्यात्मिकता, शांति एवं आत्मचिंतन का भाव दिखाई दिया।

राजेंद्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, इस अवसर पर मुनिश्री दीप कुमारजी ने सामायिक की आध्यात्मिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा, आज का मानव निकट से दूर और दूर से निकट हो रहा है। वह ग्रह-नक्षत्रों से संपर्क स्थापित कर रहा है, समुद्र की गहराई का अवगाहन कर रहा है, विज्ञान के माध्यम से दूर-दूर तक पहुंच बना रहा है, लेकिन दूसरी ओर अपने अस्तित्व से दूर होता जा रहा है। इस विरोधाभास के कारण जीवन में अनेक समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं।

मुनिश्री ने कहा कि आधुनिक जीवन में व्यक्ति के पास संसार को जानने और समझने के अनेक साधन हैं, लेकिन स्वयं को जानने के लिए समय कम होता जा रहा है। मनुष्य बाहरी दुनिया से निरंतर जुड़ रहा है, लेकिन अपने भीतर की दुनिया से उसका संपर्क कमजोर होता जा रहा है। सामायिक इसी दूरी को मिटाने की साधना है।

उन्होंने कहा, सामायिक का तात्पर्य है अपने में रमण करना, अपने साथ जीना। जब व्यक्ति कुछ समय के लिए बाहरी गतिविधियों से विराम लेकर अपने भीतर लौटता है, तब वह अपने विचारों, भावों और मन की चंचलता को देखने का प्रयास करता है। सामायिक व्यक्ति के बाहर और भीतर के जीवन में संतुलन स्थापित करती है तथा उसके भीतर सही दृष्टिकोण का निर्माण करती है।

मुनिश्री ने कहा कि आज मनुष्य दूसरों की कमियां देखने में जितना समय लगाता है, यदि उसका कुछ समय स्वयं को देखने में लगाए तो जीवन में बड़ा परिवर्तन आ सकता है। सामायिक आत्मनिरीक्षण का अवसर देती है। यह केवल आसन पर बैठने की क्रिया नहीं, बल्कि अपने भीतर बैठने की प्रक्रिया है। सामायिक में व्यक्ति कुछ समय के लिए 'मैं और मेरा' से ऊपर उठकर आत्मा की ओर देखने का अभ्यास करता है।

मुनिश्री दीप कुमारजी ने भगवान महावीर की भव-परंपरा का वर्णन करते हुए आत्मसाधना एवं आत्मजागरण की प्रेरणा दी। उपस्थित श्रावक-श्राविकाएं एकाग्र होकर सामायिक साधना में लीन दिखाई दिए।

उन्होंने कहा कि पर्युषण महापर्व केवल पर्व मनाने का अवसर नहीं, बल्कि अपने जीवन को भीतर से बदलने का अवसर है। इन पावन दिनों में यदि व्यक्ति अपने जीवन में सामायिक, स्वाध्याय, तपस्या और आत्मचिंतन को स्थान देता है तो पर्युषण की साधना सार्थक बन सकती है। सामायिक मनुष्य को भागदौड़ भरे जीवन में ठहरना सिखाती है और स्वयं से संवाद करने का अवसर प्रदान करती है।मुनिश्री काव्य कुमारजी ने कहा, सामायिक धर्म की निष्पत्ति है। उपवास में भूख सहन करनी होती है। आतापना में ताप सहना पड़ता है। सर्दी भी सहन करनी पड़ती है, किंतु सामायिक में तो कोई कष्ट नहीं होता। बस आसन जमाया और आराम से ध्यान, स्वाध्याय की क्रिया में रम जाओ। कष्ट नहीं है सामायिक में।

उन्होंने कहा कि सामायिक की विशेषता यह है कि इसमें व्यक्ति बाहरी सुख-सुविधाओं को छोड़कर आत्मिक शांति की ओर बढ़ता है। सामायिक के माध्यम से ध्यान, स्वाध्याय और आत्मचिंतन द्वारा मन को स्थिर करने का अभ्यास किया जाता है। पर्युषण के दिनों में सामायिक की साधना व्यक्ति के जीवन में संयम, शांति और जागरूकता का संचार कर सकती है।

कार्यक्रम के दौरान सरदारशहर, मोमासर, आडसर, पीलीबंगा एवं गंगानगर क्षेत्र के लोगों द्वारा मंगलाचरण किया गया। मंगलाचरण के पश्चात उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने श्रद्धा एवं उत्साहपूर्वक सामायिक साधना में सहभागिता की।

मालकपेट स्थित अग्रवाल सदन में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिवस कथा व्यास भागवताचार्य श्री गोपाल कृष्ण शास्त्री ने श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराया। इस अवसर पर विंध्यांचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष रामशिरोमणि तिवारी, संदीप शुक्ला, प्रकाश गर्ग, आचार्य संदीप पाण्डेय, पारुल पाण्डेय, राजेश अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, गोविन्द अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, सौरभ पाण्डेय, मानेंद्र द्विवेदी, नीरज शुक्ला सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज अत्तापुर सेंट्रल शाखा ने 81 वरिष्ठ नागरिकों व गुरुकुल विद्यार्थियों को दिखाई 'हनुमान अंश' फिल्म

हैदराबाद, 11 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेवा, संस्कार और संगठन के मूलमंत्र को सार्थक करते हुए अग्रवाल समाज अत्तापुर सेंट्रल शाखा द्वारा एक भावपूर्ण एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समाज के तत्वावधान में सीताराम बाग स्थित जगन्नाथ मठ से जुड़े गुरुकुल के विद्यार्थियों एवं वृद्धाश्रम के 81 वरिष्ठ नागरिकों को एशियन एम क्यूब, अट्टापुर में आध्यात्मिक फिल्म 'हनुमान अंश' की विशेष स्क्रीनिंग दिखाई गई। इस अवसर पर श्री जगन्नाथ मठ के मठाधिपति अच्युत रामानुज चर्य अजय महाराज ने कहा, संस्कार से ही समाज मजबूत बनता है। अग्रवाल समाज का यह कार्य समाज के लिए प्रेरणा है।

कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष मुकेश कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल, सचिव राजेश कुमार अग्रवाल, संयुक्त सचिव सुरेश बंसल, कोषाध्यक्ष विरेन्द्र कुमार अग्रवाल एवं के.एस. सदस्य नवीन कुमार अग्रवाल व डॉ. प्रशांत देव गुप्ता सहित समाज के अनेक सदस्य सपरिवार उपस्थित रहे और बच्चों एवं बुजुर्गों के साथ इस यादगार शाम का हिस्सा बने। समाज ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे सेवा-कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

अन्नदान से बड़ा कोई पुण्य नहीं : शर्मिला अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंदों एवं राहगीरों को श्रद्धापूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य के दौरान सदस्यों में विशेष उत्साह और सेवा भाव देखने को मिला।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए शर्मिला अग्रवाल ने कहा कि अन्नदान करना एक पुण्य कर्म के समान है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना मानवता की सच्ची सेवा है और इससे बढ़कर कोई सेवा नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि जब हम किसी जरूरतमंद की भूख मिटाते हैं तो यह केवल उसका पेट भरना नहीं, बल्कि उसके जीवन में संतोष और खुशी का संचार करना है।

शर्मिला अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से संचालित किए जा रहे अन्नदान कार्यक्रम समाज में सेवा, सहयोग और सद्भावना की भावना को मजबूत कर रहे हैं। संस्था का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक सेवा पहुंचाना है।

उन्होंने कहा कि सेवा कार्य में दिखावे से अधिक भावना और निष्ठा का महत्व होता है तथा राधे-राधे ग्रुप के सदस्य इसी भावना के साथ निरंतर सेवा कार्यों में जुटे हुए हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में अन्न को ईश्वर का स्वरूप माना गया है।

कार्यक्रम में अनिल अग्रवाल धरशुवाले, शिव भगवान अग्रवाल, दीपचंद अग्रवाल, जगन गुप्ता, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, मीना अग्रवाल, लता गोयल एवं रेनू शर्मा सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सहयोग करते हुए अन्नदान को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

एस.एस.के. डिग्री कॉलेज के पास आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में बीआरएस के वरिष्ठ नेता एच. कुमार, गोपाल सिंह, मुकेश सिंह, तिरुमली मलेश, बाकेश सिंह, रणजीत कुमार, कृष्णा, राजू सहित रजक समाज के बंधु, माताएं-बहनें, बहुएं एवं परिवारजन उपस्थित रहे। सभी ने माता चिट्ठल ऐलम्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

सीरवी समाज कोरेमुला का 12वां वार्षिक सम्मेलन कल से

श्री आई माता मंदिर में दो दिवसीय भादवा सुदी बीज महोत्सव का होगा आयोजन

हैदराबाद, 11 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोरेमुला स्थित सीरवी समाज की आस्था के केंद्र श्री आई माता मंदिर में श्री आई माताजी के 611वें अवतरण दिवस के उपलक्ष्य में 12वां वार्षिक सम्मेलन आगामी 12 व 13 सितंबर को समाज बंधुओं के सान्निध्य में आयोजित किया जाएगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शनिवार 12 सितंबर को रात्रि जागरण तथा रविवार 13 सितंबर को पूजा-अर्चना एवं महाप्रसादी का कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा।

संरक्षक प्रभुराम परिहारिया, अध्यक्ष कालूराम काग एवं सचिव डायाराम लचेटा ने बताया कि समाज बंधुओं के सान्निध्य में दो दिवसीय भादवा सुदी बीज महोत्सव मनाया जाएगा। 12 सितंबर को श्री आई माता मंदिर को विशेष फूलों एवं रोशनी से सजाकर माई का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। रात 9.11 बजे से जागरण शुरू होगा, जिसमें श्रीमती नीकिता सिंदड़ा सीरवी, मध्य प्रदेश तथा भंवरलाल सीरवी एवं पार्टी द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। सांस्कृतिक कार्यक्रम दोपहर 3.15 बजे से रात 8.30 बजे तक आयोजित होंगे।

रविवार 13 सितंबर को सुबह 9.15 बजे ज्योत प्रज्ज्वलित कर पूजा-अर्चना एवं स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। समाज बंधुओं द्वारा आई माता के चरणों में श्रीफल भेंटकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की जाएगी। समाज के बाल कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

इसके बाद सुबह 10 बजे से धर्मसभा का आयोजन होगा। अध्यक्ष कालूराम काग की अध्यक्षता में अतिथियों का स्वागत किया जाएगा। कोषाध्यक्ष पोकरराम पंवार आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत करेंगे। तत्पश्चात पदाधिकारियों का सम्मान किया जाएगा। राजाराम गहलोत मंदिर के आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत करेंगे, जबकि सचिव डायाराम लचेटा समाज में किए गए विकास कार्यों का विवरण देंगे।

समाज बंधुओं एवं भक्तों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था मंदिर प्रांगण में की जाएगी। आयोजकों ने समाज बंधुओं एवं श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर महोत्सव को सफल बनाने का आग्रह किया है।

संस्कार उपवन एवं संस्कार एकाडमी परिसर में श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन श्वेतांबर संघ, गोशामहल की आज्ञा से जैन शासन के पवित्र आगम ग्रंथ श्री कल्पसूत्रजी के पधारने के अवसर पर पूज्य मुनिश्री तीर्थहंस विजयजी महाराज साहब आदि श्रमण-श्रमणी वृंद का सान्निध्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर संस्कार वाटिका के घेवरचंद बंदामुथा, मुकेश चौहान, पारसमल ढेलडिया, वस्तुपाल बागरेचा, कैलाश भंडारी, प्रवीण बंदामुथा, अक्षय सालेचा, अविनाश बालड, वर्धमान चौहान, पार्थ शाह, जसमत पटेल, रिद्धिश जागीरदार, योगेश मुथा, दर्पण, तीर्थ बागरेचा, वर्षा, रुचिता, शिक्षा, दिव्या, पूर्वी, अर्हम, आर्या एवं अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

उपसरपंचों की नियंत्रण शक्ति बरकरार रखे सरकार : बोटला कार्तिक

पेद्दापल्ली, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। उपसरपंच फोरम के प्रदेश अध्यक्ष बोटला कार्तिक ने सरकार से उपसरपंचों की नियंत्रण शक्ति जारी रखने तथा ग्राम पंचायतों के विकास के लिए सरपंचों और उपसरपंचों के बीच समन्वय सुनिश्चित करने की मांग की।

पेद्दापल्ली प्रेस क्लब में आयोजित बैठक में कार्तिक ने कहा कि कुछ सरपंचों द्वारा उपसरपंचों की नियंत्रण शक्ति समाप्त करने की मांग करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि उपसरपंच गांवों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और वित्तीय मामलों में पारदर्शिता के लिए उनकी नियंत्रण शक्ति आवश्यक है। उन्होंने भ्रष्टाचार में लिप्त जनप्रतिनिधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर उनका संघर्ष जारी रहेगा।

बैठक में जिला अध्यक्ष जंगा अनिल, राज्य सचिव एरुकला पल्लवी, जिला सचिव प्रवीण कुमार, पेद्दापल्ली मंडल अध्यक्ष पंबाला राजू, कामनपुर मंडल अध्यक्ष वडनाला श्रीनु, अंतरगाम मंडल अध्यक्ष लागिसेटी राकेश, पालकुर्थी मंडल अध्यक्ष वडनाला ज्योति राजू, एलिगेडु मंडल अध्यक्ष शिवकृष्ण, धर्माराम मंडल अध्यक्ष बोनागिरी अजय कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

निवेदक : कार्य समिति
ॐ शिव मंदिर गौशाला पालमाकुल, शमशाबाद
OM SHIV MANDIR GOSHALA
MAHAVEER CO.OP.URBAN BANK LTD, Shamshergunj Branch
C/A No. 003103000000072
IFSC CODE: HDFCOCMCUBL
शिव मंदिर गौशाला शमशेरगंज, हैदराबाद
SHIV MANDIR GOSHALA
AP MAHESH BANK CO.OP.URBAN BANK LTD, Begum Bazar Branch
C/A No. 002001200018617
IFSC CODE: APMC00002
।। जय गौमाता ।।
आज शुक्रवार, 11-09-2026
भाद्रपद अमावस्या है।
आज भाद्रपद अमावस्या के दिन गौवंश को हरि घांस अर्पण कर पुण्य के भागी बने ।
गौमाता को हरी घांस की सेवा कर पुण्य के भागी बने। गौसेवा हेतु सहयोग राशि स्कैन कर सकते हैं।
हमारे यहाँ शुद्ध एवं पवित्र गिर गाय का घी उपलब्ध है
©9849379735, 9100353375
राजस्थानी महिला संघ द्वारा भजन अपराह्न 3 से 5 बजे तक

तेलंगाना मुक्ति दिवस और 'सेवा संकल्प अभियान' को लेकर भाजपा गोलकोंडा जिला की महत्वपूर्ण बैठक

हैदराबाद, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गोलकोंडा जिला अध्यक्ष टी. उमामहेंदर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 17 सितंबर को मनाए जाने वाले तेलंगाना मुक्ति दिवस, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले 'मोदी 25' एवं 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत सेवा कार्यों तथा संसद में पारित ऐतिहासिक 'वंदे मातरम' पूर्ण गान संशोधन विधेयक को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

तेलंगाना मुक्ति दिवस को आधिकारिक रूप से मनाने की मांग

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव उपस्थित रहे। इस दौरान प्रदेश 'तेलंगाना विमोचन उत्सव समिति' की ओर से निर्धारित आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई।

9 से 12 सितंबर: तेलंगाना मुक्ति दिवस को आधिकारिक तौर पर मनाने की मांग को लेकर तहसीलदारों, राजस्व मंडल अधिकारियों, जिला कलेक्टरों तथा राज्यपाल को ज्ञापन सौंपे जाएंगे। इसके साथ ही विधानसभा एवं जिला केंद्रों पर पत्रकार वार्ता और बुद्धिजीवी सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा।

13 सितंबर: वर्ष 1948 के 'ऑपरेशन पोलो' की स्मृति में सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमाओं की सफाई कर माल्यार्पण एवं श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

15 सितंबर: विधानसभा क्षेत्रों में भव्य तिरंगा रैलियां निकाली जाएंगी।

16 सितंबर: मुक्ति संग्राम के इतिहास और बलिदानों पर प्रकाश डालने के उद्देश्य से 'मॉक असेंबली' का आयोजन किया जाएगा।

17 सितंबर को प्रत्येक मतदान केंद्र (बूथ) एवं पार्टी कार्यालय पर तिरंगा फहराया जाएगा तथा अमर शहीदों को नमन किया जाएगा। इसके अलावा सुबह 8:30 बजे परेड ग्राउंड में केंद्र सरकार द्वारा आयोजित आधिकारिक मुक्ति दिवस समारोह में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पार्टी पदाधिकारी भाग लेंगे।

बैठक में भाजपा प्रदेश महासचिव डॉ. गौतम राव, गोलकोंडा जिला प्रभारी श्रीधर जी, पूर्व विधायक प्रेम सिंह राठौड़, भाजपा फ्लोर लीडर जी. शंकर यादव, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गोविंद राठी, पासम सुरेंदर, राष्ट्रीय परिषद सदस्य राधिका भंडारी, जिला महासचिव कृष्णा, सुरेंदर एवं अनंतकृष्णा सहित जिला पदाधिकारी, विभिन्न मोर्चों के अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष तथा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूजा सामग्री में मिलावट के खिलाफ भाजपा गोलकोंडा जिला का अधिकारियों को प्रतिनिधित्व

हैदराबाद, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाजपा गोलकोंडा जिला अध्यक्ष टी. उमामहेंद्र के नेतृत्व में भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को एच-फास्ट (हैदराबाद खाद्य मिलावट निगरानी दल) के अधिकारियों से मुलाकात कर पूजा सामग्री में कथित मिलावट के संबंध में प्रतिनिधित्व सौंपा।प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से पूजा एवं दीपम तेल में इस्तेमाल किए हुए खाद्य तेल अथवा अन्य निम्न गुणवत्ता वाले तेल की मिलावट की जांच कराने की मांग की। इसके साथ ही कुंकुम, हल्दी (पसुपु), अगरबत्ती, कपूर सहित अन्य पूजा सामग्री की गुणवत्ता की भी जांच करने का अनुरोध किया गया।

भाजपा नेताओं ने बताया कि श्रद्धालुओं द्वारा प्रतिदिन उपयोग किए जाने वाले कुंकुम पाउडर में कथित रूप से बोरिक पाउडर अथवा अन्य रसायनों की मिलावट की शिकायतें सामने आ रही हैं। ऐसी सामग्री त्वचा और आंखों के लिए नुकसानदायक हो सकती है। इसलिए संबंधित पूजा सामग्री के नमूने लेकर वैज्ञानिक जांच कराने, बाजारों में नियमित निरीक्षण करने तथा दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की गई।प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से बेगम बाजार, जनरल बाजार, लाल बाजार, चारमीनार, कोठी एवं आसपास के प्रमुख पूजा सामग्री बाजारों में नियमित जांच करने का अनुरोध किया।

भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों से कहा कि विनायक चविथि, दशहरा और दीपावली जैसे प्रमुख त्योहारों के मद्देनजर श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य तथा धार्मिक आस्था से जुड़ी पूजा सामग्री की शुद्धता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है।

प्रतिनिधिमंडल में चारमीनार के महासचिव सुरेंदर, गोशामहल के महासचिव कृष्णा, सचिव गणेश यादव, भाजपा गोलकोंडा जिला सचिव (प्रेस एवं मीडिया) नटराज नमधारी, भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष राहुल, आनंद बोरा, रामकृष्ण, रघु, साई किरण, प्रमोद, जनार्दन तथा अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भूखे को भोजन कराना मानवता की सबसे बड़ी सेवा : कालुराम कुमावत

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रतिदिन जरूरतमंदों और राहगीरों को भोजन उपलब्ध कराने की यह सेवा मानवता, करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी का सुंदर उदाहरण बनती जा रही है। सेवा कार्यक्रम में अपने भावपूर्ण विचार व्यक्त करते हुए कालुराम कुमावत ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ भाव और समर्पण के साथ नियमित रूप से अन्नदान सेवा कर रहा है, वह वास्तव में समाज के लिए प्रेरणादायी और अनुकरणीय पहल है।

कालुराम कुमावत ने कहा कि समाज में ऐसे अनेक लोग हैं जो आर्थिक रूप से संपन्न हैं और यदि वे अपनी सामर्थ्य के अनुसार जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आएं तो समाज में किसी भी व्यक्ति को भूखा सोने की नौबत नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि धन-दौलत का वास्तविक महत्व तभी है, जब उसका उपयोग किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए किया जाए। किसी भूखे व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराना केवल पेट भरना नहीं, बल्कि उसके जीवन में उस क्षण उम्मीद और इंसानियत का दीप जलाना है।

उन्होंने भावुक होकर कहा कि भूखे को भोजन मिल जाए, इससे बड़ी सेवा और कोई नहीं हो सकती। मंदिरों में पूजा-पाठ, धार्मिक अनुष्ठान और अनेक प्रकार के पुण्य कार्य अपनी जगह महत्वपूर्ण हैं, लेकिन जब किसी भूखे इंसान के सामने प्रेम और सम्मान के साथ भोजन की थाली परोसी जाती है, तो वह सेवा सीधे मानवता के हृदय को छूती है। अन्न का एक निवाला किसी जरूरतमंद के लिए केवल भोजन नहीं, बल्कि अपनापन, सम्मान और सहारे का संदेश होता है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि सेवा को केवल किसी विशेष अवसर तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि नियमित रूप से जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। बिना किसी भेदभाव के लोगों तक अन्नदान पहुंचाना समाज में भाईचारे और समानता की भावना को मजबूत करता है। यही सेवा की सच्ची भावना है और यही संस्कार आने वाली पीढ़ियों को भी दिए जाने चाहिए। नियमित अन्नदान सेवा में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, जगन गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल, भगत राम गोयल, नंद किशोर अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, भाकर राम कुमावत, कमला कुमावत, कालुराम कुमावत, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल एवं किरण गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप के सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया।

आज की अन्नदान सेवा स्वर्गीय रेणु अग्रवाल की पुण्य स्मृति में राकेश अग्रवाल, शुभम अग्रवाल एवं तमन्ना अग्रवाल, कुकटपल्ली, हैदराबाद वालों की ओर से की गई। इस अवसर पर स्वर्गीय रेनू अग्रवाल को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप
स्व. श्री मधुसूदनजी गुप्ता
के पुण्य स्मृति में अमावस्या के अवसर पर
इन्दरलाल बालमुकुन्द ज्वेलर्स प्रा.लि.
वितरण स्थल : इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने, के.बी.आर गार्डन के पास
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

।। श्री गणेशाय नमः।।
शुक्रवार, दि. 11 सितंबर 2026, भाद्रपद अमावस्या के अवसर पर पधारें
श्री आईजी गौशाला
शुक्रवार, दि. 11 सितंबर 2026, भाद्रपद अमावस्या, मल्कारम, बालाजीनगर, (कापरा मंडल) (रजि.नं.720/2008)
के अवसर पर सपरिवार पधारकर गौसेवार्थ दान-पुण्य कर लाभ लेवें
एक दिन गौ माता के नाम जागरण साउंड व्यवस्था : राठौड़ साउंड एंड डिजिटल स्टूडियो
आई माताजी भजन मंडली बालाजीनगर, अचलारामजी हम्बड़, मोहनलालजी भायल, ओमप्रकाशजी कुमावत, गिरधारीलालजी प्रजापत, पिंटुजी सागर एवं लक्ष्मणजी सुथार द्वारा भजन प्रस्तुत किए जाएँगे।
भोजन प्रसादी की व्यवस्था कार्यस्थल पर रहेगी।
गौशाला के बैंक एकाउंट में भी दान राशी जमा कराकर पुण्य के भागीदार बने
(Sri Aaiji Gowshala, SBI A/c Cheeryal A/c no.: 62492036580, IFSC : SBIN0020435)
निवेदक : श्री आईजी गौशाला के समस्त पदाधिकारी व सदस्यगण
संपर्क सत्रू : 9246108583, 9441118022

आज अमावस्या
गौदर्शन, गोसेवा एवं गोदान का विशेष महत्व
गौवंश को कत्लखाने जाने से छुडाकर आश्रय प्रदान किया जाता है
इसलीबन गौ सेवा सदन (गौशाला) में बीमार, वृद्ध, विकलांग तथा दुर्घटनाग्रस्त गौवंश को आश्रय दिया जाता है
हमारा उद्देश्य मात्र गौ रक्षा एवं गौ सेवा
भाग्यनगर गौ सेवा सदन (गौशाला)
Regd. No.5927/96
लोवर टैंक बण्ड, सिकन्दराबाद © 65575872
अमावस पर सभी परिवार सहित गौसेवा हेतु गौशाला पधारे।
गौशाला प्रांगण में गणेशजी, महालक्ष्मीजी के मंदिर में दर्शन लाभ प्राप्त करें।
Account Name : Bhagyanagar Gau Sewa Sadan (Imliban)
A/c No. : 98380200002253 Bank of Baroda, Abids Branch, Hyderabad
IFSC Code : BARBOEXTCHT (After B it's Zero (0) in IFSC Code)
इमलीबन गौ सेवा सदन
महात्मा गाँधी बस स्टेशन, इमलीबन, हैदराबाद
भाग्यनगर गौ सेवा सदन, लोवर टैंक बण्ड में पिछले 14 वर्षों से लगातार प्रतिदिन अन्नदान सेवा की जा रही है।

विश्व मंगल गौशाला
सोमाराम विलेज, मेडचल, हैदराबाद
सस्नेह निमंत्रण
आदरणीय महोदय,
आपको सूचित करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि विश्व मंगल गौशाला के तत्वाधान में
पिठौरी / भाद्रपद अमावस्या
दिनांक 11 सितंबर 2026, शुक्रवार
समय: सुबह 11:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक
कार्यक्रम
गो पूजन * भजन * भेजन प्रसादी
शुभ स्थल:
विश्व मंगल गौशाला, सोमाराम विलेज, मेडचल, हैदराबाद
VISHWA MANGAL GAUSHALA विश्व मंगल गौशाला
प्रसादी के लाभार्थी:
1. श्रीमान डूंगाराम जी सीरवी, सिकंदराबाद
2. श्रीमान नारायण राम जी / विक्रम जी (नेवरी)
3. श्रीमान रतनलाल जी सोलंकी वेंकटापुरम
4. श्रीमान सोहनलाल जी सीरवी, कोकोंड़ा
5. श्रीमान धनराज जी सीरवी, दुर्गा सेनिटेशन, शापुर नगर
हरी घास के लाभार्थी:
1. श्रीमान आईदान राम जी सुपुत्र, अमरा राम जी कुलरिया सुचित्रा
2. श्रीमान हंसराज जी सुथार सुपुत्र घेवर राम जी जोपिंग मियाँपुर
3. रामदेव गौ सेवा समिति, निज़ामपेठ
भजन गायक:
श्रीमान सियाराम जी महाराज, जोधपुर
अतः आप सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर गो सेवा कर पुण्य के भागी बने।
सभी धर्मप्रेमी भक्तों से विनम्र निवेदन है कि दान-पुण्य का कार्य Google Pay / PhonePe द्वारा भी कर सकते हैं।
आप अपना अमूल्य समय निकालकर सपवि अवश्य पधारें!
संपर्क: 9346917593, 9866405649 | GPay: 9346917593

गौ माता,गौ माता की संतान की सेवा और पोषण क्षेत्र में कार्य कर रहा
Dhyan Foundation Journey of Spirit
ध्यान फाउण्डेशन गौशाला
आज अमावस्या
पेद्दाशापुर, गोलुर रोड (स्टैच्यू ऑफ इक्वालिटी के समीप)
अवैध कत्लखानों से बचाए गए 4000 से अधिक गौवंश का घर
ध्यान फाउण्डेशन द्वारा पेद्दाशापुर, गोलुर रोड गौशाला तथा यादगिरीगुट्टशा में सहयोग नन्दीशाला में गौवंश की सेवा की जा रही है।
गौवंश हेतु गौशाला में चारे के विकट समस्या के कारण सभी से अनुरोध है कि कृपया गौशाला में सहयोग करें।
प्रति एकादशी सायं 4:30 बजे से इच्छापूर्ति यज्ञ का आयोजन
सभी गौभक्त अपना सहयोग एवं दान निम्नलिखित बैंक खाते में जमा करा सकते हैं।
Account Name : DHYAN FOUNDATION (Hyderabad Chapter)
A/c No. : 00812020002930 HDFC Bank, Himayathnagar Branch
IFSC Code : HDFC0000081 - Call : 9848046793, 9959996677
Donations Exempted Under Section 80G of Income Tax Act.
CSR Regn. No. CSR00003498 FCRA SB A/c. 40016350620
IFSC Code : SBIN0000691 SWIFT : SBININBB104

गावो विश्वस्थ मातर ।। जय श्री कृष्ण ।। जय गो माता
श्री गोपाल गौशाला
संत विनोबानगर, रामदास पल्ली के पास, सागर रोड, इब्राहिमपटनम
आज शुक्रवार, 11 सितम्ब्र 2026 भाद्रपद अमावस्या है।
अमावस्या के उपलक्ष्य में सभी गौ प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि गौसेवा कर पुण्य के भागी बने और हमें सहयोग राशी इन बैंक खाते में जमा करा सकते है।
प्रसाद की व्यवस्था रखी गयी है।
एक गौमाता की पूर्ण मासिक सेवा ₹3100
संपूर्ण गौशाला की एक दिन की सेवा ₹15,100
अन्य सेवा : एक कट्टा घास् का प्रति दिन एक माह तक 500/-
गूड - दलिया या चुत्रिभूसा एक दिन की सेवा 3100/-
एक DCM गाडी घाँस या एक समय की संपूर्ण गोवंश की भोजन व्यवस्था 11,000/-
शुद्ध गाय का घी गौशाला में ही निर्मित हमारे गौशाला में रहने वाली गौ माताओं के दुध से निर्मित शुद्ध और सात्विक गाय का घी उपलब्ध है।
Scan To Pay
SRI GOPAL GOSHALA TRUST MAHESH BANK, VANASTHLIPURAM BRANCH,
S/A NO. 025001100001224 IFSC CODE : APMC0000025
निवेदक : श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट (रजि.)
सम्पर्क सूत्र : तुलसीराम बंसल - 9247262215, सतवीर गर्ग - 9346098880, महावीरप्रसाद अग्रवाल - 9246340476, अर्जुन गोयल - 9390389055, विनोद गर्ग (ट्रस्टी-लेखा जोखा) - 9885237833
गोशाला व्यवस्थापक : राजूराम सेपटा - 8019106318, रमेश काबरा - 9290434314 एवं समस्त ट्रस्टीगण

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.